जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 30 संख्याः 2 प्रभात अजमेर, शुक्रवार 1 अगस्त, 2025 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

राहुल 15 दिन की यात्रा करेंगे बिहार में

राहुल के साथ तेजस्वी यादव भी कई स्थानों पर शामिल होंगे, तथा छोटी -छोटी सभाएं आयोजित करेंगे उन लोगों के साथ जिनका नाम मतदाता सूची से कटा है

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 31 जुलाई। बिहार में लगभग 70 लाख मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए जाने को लेकर सत्तारूढ़ दल और विपक्ष के बीच टकराव तेज़ होता जा रहा है, क्योंकि विपक्ष इस मुद्दे को छोड़ने के मूड में नहीं है।

आगामी दिनों में संसद में इस मुद्दे को लेकर हंगामा जारी रहने की पूरी संभावना है, और ऐसे में सरकार के लिए किसी भी प्रकार का विधायी कार्य करना लगभग असंभव हो जाएगा।

चुनाव आयोग द्वारा आज देर रात मतदाता सूची जारी किए जाने के बाद, जिन लोगों के नाम सूची से हटाए गए हैं, उन्हें इसकी जानकारी मिलेगी और वे संगठित होकर अपना विरोध दर्ज कराना शुरू करेंगे और आने वाले दिनों में इस पूरे घटनाक्रम की वास्तविकता सामने आने लगेगी।

- राहुल का सोच है, इस यात्रा के बाद, बिहार में मतदाताओं का नाम काटने की प्रक्रिया (एस.आई.आर.) संसद से सड़क तक गूँजेगी।
- बिहार से पहले राहुल कर्नाटक भी जायेंगे, और इस बात का ढिंढोरा पीटेंगे कि कैसे चुनाव आयोग ने एक विधानसभा सीट पर एस.आई.आर. प्रक्रिया से एक लाख सात हजार मतदाता ''चुराये'', तथा भाजपा इस लोकसभा सीट की बाकी चारों विधानसभा सीटों पर हारी, लेकिन, क्योंकि एक विधानसभा सीट पर मार्जिन इतना अधिक था कि भाजपा वो लोकसभा सीट जीत गई।
- गत छः महीने से कांग्रेस ऐसे डेटा (आकड़े) इकट्ठे करने का काम कर रही है, तथा इन आकड़ों का अंतिम निष्कर्ष राहुल, आम सभा में बतायेंगे।
- तथा यह साबित करेंगे कि चुनाव आयोग भाजपा को जीत हासिल कराने में पूर्ण सहयोग कर रहा है।

विपक्ष अगले सप्ताह के मध्य में संसद भवन से चुनाव आयोग तक मार्च करेगा, तब तक बिहार के प्रभावित लोग ज़ोर-शोर से अपनी आवाज़ उठाना शुरू कर चुके होंगे।

इससे पहले, राहुल गांधी 4 अगस्त को कर्नाटक जा रहे हैं, जहाँ वे एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में उस विधानसभा क्षेत्र में चुनाव आयोग द्वारा की गई कथित गड़बड़ी की जानकारी साझा करेंगे, जहाँ करीब 1 लाख 7 हजार वोट चुराए गए थे।

भाजपा उस लोकसभा क्षेत्र के चार अन्य विधानसभा क्षेत्रों में हार गई थी, लेकिन एक विधानसभा क्षेत्र में इतने बड़े अंतर की वजह से, वह लोकसभा सीट जीतने में सफल रही थी।

कांग्रेस ने पिछले छह महीनों में इस पूरे मामले का विस्तृत अध्ययन किया है, और इस अध्ययन के निष्कर्ष राहुल गांधी प्रेस कॉन्फ्रेंस में साझा करेंगे, ताकि यह साबित किया जा सके कि चुनाव आयोग भाजपा के इशारे पर जनता के जनादेश को चुराने का काम कर रहा है।

राहुल के दिल्ली लौटने के बाद, विपक्ष चुनाव आयोग के खिलाफ एक नया हमला शुरू करेगा।

राहुल गांधी बिहार में 15 दिन की यात्रा पर भी निकल रहे हैं, जहाँ कुछ जगहों पर आरजेडी नेता तेजस्वी यादव भी उनके साथ जुड़ेंगे। यह यात्रा गाड़ी से, पदयात्रा के रूप में, छोटी-छोटी जनसभाओं और संवाद सत्रों के ज़रिए होगी, जो पटना के गांधी मैदान में एक बड़ी जनसभा का रुप ले लेगी।

इस यात्रा के दौरान, राहुल गांधी और तेजस्वी यादव उन मतदाताओं से

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

महेश जोशी की जमानत याचिका पर सुनवाई अगले सप्ताह होगी

जयपुर, 31 जुलाई। राजस्थान हाईकोर्ट ने जल जीवन मिशन घोटाले से जुड़े ईडी प्रकरण में आरोपी पूर्व जलदाय मंत्री महेश जोशी की जमानत याचिका को सुनने के लिए तय की गई एकलपीठ के समक्ष सूचीबद्ध करने को कहा है, जहां जोशी की जमानत पर आगामी सप्ताह में सुनवाई होगी। जस्टिस आशुतोष कुमार की एकलपीठ ने यह आदेश महेश जोशी की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि याचिकाएं सुनने के लिए नया रोस्टर आ गया है। ऐसे में प्रकरण को नियमित बेंच के समक्ष भेजा जा रहा है।

- ईडी कोर्ट में महेश जोशी, पुत्र रोहित सहित डेढ़ दर्जन आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र पेश किया जा चुका है।

जमानत याचिका में कहा गया कि प्रकरण में उन्हें फंसाया गया है। प्रकरण को लेकर एसीबी में दर्ज मूल केस में याचिकाकर्ता का नाम नहीं है। याचिकाकर्ता को एक साल पहले नोटिस दिया गया। इसके बाद, बिना कोई परिस्थिति बदले, याचिकाकर्ता को गिरफ्तार कर लिया गया। इसके अलावा, ईडी याचिकाकर्ता पर 2.01 करोड़ रुपए का आरोप लगा रही है, जबकि इसे लेकर ईडी के पास कोई

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जिस जूनून से अमेरिका भारत को सबक सिखाने में जुटा है वह उसकी खीज व कुंठा का सबूत है

कुंठा इसलिए कि ट्रंप की ''डील मेकिंग'' की चेष्टा लगभग विफल ही रही

-अंजन रॉय-
-अमेरिका में राष्ट्रदूत के प्रतिनिधि-

वॉशिंगटन, 31 जुलाई। भारत को निश्चित रूप से ट्रम्प द्वारा लगाए गए टैरिफ का सीमित आर्थिक प्रभाव झेलना पड़ेगा। हालांकि, यदि भारत अपने निर्यात आधार में विविधता लाने का ठोस प्रयास करे, तो इस प्रभाव को अंततः नियंत्रित किया जा सकता है।

जहाँ यह अधिक चोट पहुँचा सकता है, वह है अमेरिका की समग्र नीति में बदलाव। अमेरिका में भारत-विरोधी तत्वों की कोई कमी नहीं है, जो पाकिस्तान को भारत को परेशान करने के लिए एक साधन के रूप में देखना चाहते हैं। ये लॉबी पहले से ही सक्रिय हो चुकी है।

अमेरिका ने पाकिस्तान में एक ''विशाल तेल भंडार'' विकसित करने की घोषणा की है और अंततः उस तेल को भारत को बेचने की योजना बनाई है। यह तो स्पष्ट नहीं है कि पाकिस्तान ने अचानक इतना बड़ा तेल भंडार कैसे खोज लिया, लेकिन पाकिस्तान के प्रति अमेरिकी रुख में बदलाव महत्वपूर्ण है।

- ट्रम्प की ''डील मेकिंग'' (दादागिरी पूर्ण सौदेबाजी) असफल रही रुस के सामने, तथा जैसे तैसे यूरोपियन यूनियन, जापान व ब्रिटेन को भी सौदेबाजी स्वीकार करने के लिये मना सका, पर, गाज़ा में दादागिरी के बावजूद उसके शांति स्थापित करने के प्रयास विफल ही रहे।
- अतः ट्रंप अपना ''फ्रस्ट्रेशन'' भारत पर उतार रहा है।
- यह उल्लेखनीय है कि, ट्रम्प ने, रुस से आयल खरीदने के कारण भारत पर पेनल्टी लगाने की बात कही। पर, यह पेनल्टी क्या होगी, इसे परिभाषित नहीं कर पाया है। चीन को भी पेनल्टी की धमकी दिये काफी समय हो गया है, पर, अब तक यह निश्चित नहीं कर सका है, अमेरिका कि ''पेनल्टी'' कितनी होगी, और कैसे लगेगी।

यह भू-राजनीतिक समीकरण में बदलाव का संकेत देता है। चीन पहले से ही पाकिस्तान को भारत विरोधी गतिविधियों में खुले और गुप्त रूप से समर्थन देता रहा है। अब यदि अमेरिका भी इसमें शामिल हो गया तो व्यापक मोर्चे पर भारत के लिए यह गंभीर समस्याएं पैदा कर सकता है।

ईरान, जो कूटनीति में अनुभवी है, पहले ही यह भांप चुका है कि कैसे भारत को लेकर अमेरिकी रुख में बदलाव पूरी तरह एक नए परिप्रेक्ष्य को जन्म दे सकता है। भारत में ईरानी दूतावास ने खुद एक बयान जारी कर अमेरिका के इस कदम को ''आर्थिक साम्राज्यवाद'' करार दिया है।

इस बयान से एक नए तरह के गठजोड़ की बात सामने आती है, जिसमें ईरान कहता है कि अमेरिका के नए साम्राज्यवाद के खिलाफ एक व्यापक वैश्विक गठबंधन बनना चाहिए। ईरान ने अप्रत्यक्ष रूप से भारत से इस नए ''ग्लोबल साउथ'' के नेतृत्व की अपील की है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'25 प्रतिशत टैरिफ से भारत की जी.डी.पी. 0.2 प्रतिशत घटेगी'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 31 जुलाई। विशेषज्ञों का कहना है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप द्वारा भारत से आयातित वस्तुओं पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने के फैसले से देश की आर्थिक विकास संभावनाओं को झटका लग सकता है।

यह अभी स्पष्ट नहीं है कि इसका असर कितना बड़ा होगा, क्योंकि ट्रंप ने 25 प्रतिशत टैरिफ के अलावा एक अनिर्दिष्ट ''दंडात्मक शुल्क'' (पैनल्टी) लगाने की भी घोषणा की है।

विशेषज्ञों का कहना है कि इस दंड की बारीकियों की जानकारी मिलने के बाद ही इस फैसले के वास्तविक आर्थिक प्रभाव का सही आंकलन किया जा सकेगा।

- इकोनॉमिक एक्स्पर्ट्स का मानना है कि टैरिफ आशंका से ज्यादा लगाई गई है, अतः जी.डी.पी. 0.2 प्रतिशत तो घटेगी ही। पर, पेनल्टी का सही आंकड़ा आने पर, यह पूर्णतया साफ होगा, कि भारत की ग्रोथ पर, कितना टोटल होगा।

रेटिंग एजेंसी आईसीआरए की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने एक बयान में कहा, अमेरिका की ओर से प्रस्तावित टैरिफ (और पैनल्टी) हमारी अपेक्षा से कहीं अधिक है और इसलिए यह भारत की जीडीपी वृद्धि दर के लिए बाधा बन सकता है। इस नुकसान व गिरावट की गंभीरता इस बात पर निर्भर करेगी कि जुर्माना कितना बड़ा लगाया गया है।

आईसीआरए पहले ही इस वित्त वर्ष के लिए भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जी.डी.पी.) वृद्धि दर का अनुमान 6.5 प्रतिशत से घटाकर 6.2 प्रतिशत कर चुकी है, टैरिफ वृद्धि के प्रतिकूल प्रभाव को देखते हुए।

एक अन्य ब्रोकरेज कंपनी नोमुरा ने कहा कि ये टैरिफ ''विकास के लिए नकारात्मक'' है और इससे भारत की को 0.2 प्रतिशत तक का नुकसान हो सकता है।

भारतीय शेयर बाजार ने इस खबर पर नकारात्मक प्रतिक्रिया दी और व्यापार के पहले दिन बाजार लाल निशान में खुला।

फंड मैनेजर नीलेश शाह ने कहा, बाजार को उम्मीद थी कि अमेरिका-भारत के दीर्घकालिक रणनीतिक हितों को देखते हुए कोई टैरिफ समझौता हो जाएगा।

भारत और अमेरिका के बीच पिछले कुछ महीनों में कई दौर की व्यापार वार्ताएँ हो चुकी हैं, जिनमें भारत ने अमेरिका को खुश करने के लिए बर्बन व्हिस्की और मोटरसाइकिल जैसे उत्पादों पर टैरिफ में कटौती भी की थी। लेकिन अमेरिका का भारत के साथ 45 अरब डॉलर (लगभग 33 अरब पाउंड) का व्यापार घाटा है, जिसे ट्रंप कम करना चाहते हैं।

फिलिपीन्स राष्ट्रपति 4 अगस्त को भारत आयेंगे

नयी दिल्ली, 31 जुलाई। फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड आर. मार्कोस जूनियर अगले महीने की चार तारीख को भारत की पांच दिन की राजकीय यात्रा पर आएंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निमंत्रण पर हो रही इस यात्रा में उनके साथ प्रथम महिला मैडम लुईस अरनेटा मार्कोस और एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी आएगा, जिसमें कई कैबिनेट मंत्री, अन्य गणमान्य व्यक्ति , वरिष्ठ अधिकारी और व्यापार प्रतिनिधि शामिल होंगे। राष्ट्रपति मार्कोस आठ अगस्त को फिलीपींस लौटने से पहले बेंगलुरु भी जाएँगे।

- पांच दिन की यात्रा में वे बेंगलुरु भी जायेंगे।

राष्ट्रपति का पदभार ग्रहण करने के बाद यह मार्कोस की पहली भारत यात्रा होगी। प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति मार्कोस पांच अगस्त को द्विपक्षीय चर्चा करेंगे। मार्कोस राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से भी मुलाकात करेंगे। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर भी राष्ट्रपति मार्कोस से मुलाकात करेंगे।

'मेरी रिहाई अब कोई मायने नहीं रखती, इस मुकदमे ने मेरी जिन्दगी तबाह कर दी है'

प्रज्ञा ठाकुर, ले. कर्नल प्रसाद पुरोहित व पांच अन्य आरोपी 2008 के मालेगांव ब्लास्ट केस में 17 साल बाद बरी हुए न्यायालय से

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 31 जुलाई। गुरुवार को भगवावस्त्र -धारी पूर्व भाजपा सांसद साध्वी प्रज्ञा ठाकुर को 2008 के मालेगाँव ब्लास्ट केस में सभी आरोपों से मुक्त कर दिया गया। इससे पहले मुम्बई की अदालत ने कहा कि ऐसा कोई साक्ष्य नहीं है, जिससे यह सिद्ध होता हो कि छः लोगों की जान लेने वाले विस्फोट में कथित रुप से काम में ली गई बाइक साध्वी प्रज्ञा ठाकुर की थी।

जज ने कहा, जहाँ अभियोग पक्ष ने यह सिद्ध किया है कि ब्लास्ट हुआ था, वहीं यह पक्ष सिद्ध नहीं कर सका कि विस्फोटक पदार्थ कथित रुप से प्रज्ञा ठाकुर की मोटरसाइकिल, ''एलएमएल'' फ्रीडम पर फिट किया हुआ था। साध्वी ने जज से कहा कि उनका दोष मुक्त होना अब कोई अर्थ नहीं है क्योंकि ''इस केस ने मेरी जिन्दगी बरबाद कर दी।''

- प्रज्ञा ठाकुर को ''हिन्दू आतंकवाद'' का नाम दिया था उनके विरोधियों ने तथा प्रज्ञा ठाकुर ने रिहाई के बाद कोर्ट में यह भी कहा, कि मुझे गिरफ्तार किया गया तथा, यातनाएं दी गईं, अगर में जीवित हूं तो केवल इसलिये कि मैं, सन्यासी हूं। उन्होंने साजिश के तहत ''भगवा'' को बदनाम करने की कोशिश की, पर भगवा जीता।''

जज ने कहा, मोटरसाइकिल का चेचिस नंबर मिटा दिया गया था और इंजन नंबर पर भी संदेह है। ऐसा कोई सबूत नहीं है, जिससे यह साबित हो कि साध्वी (प्रज्ञा ठाकुर) उसकी मालिक थीं या उनके पास वह गाड़ी थी।'' यह फैसला, भारत में आतंकवाद के सबसे लंबे समय तक चले केसों में से एक में दिया गया है। इस केस में बम बनाने के आरोपी, पूर्व लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित को भी बरी कर दिया गया।

यह फैसला 17 साल की लंबी कानूनी लड़ाई का अंत है जिसमें मध्यप्रदेश के एक आयुर्वेदिक चिकित्सक की बेटी साध्वी प्रज्ञा पर इस आतंकी हमले की साजिश करने का आरोप लगाया गया था, तथा कहा गया था कि इस हमले का उद्देश्य 2006 के मुंबई ट्रेन ब्लास्ट जैसे पूर्व के आतंकी हमलों का बदला लेना था। उस समय प्रज्ञा ठाकुर की उनकी उम्र करीब 38 वर्ष थी। उन्हें ''हिंदू आतंकवाद'' का चेहरा कहा गया, जो 2008 के मालेगाँव धमाकों के बाद एक चर्चित शब्द बन गया था। उन पर धमाके के लिए लोगों को जुटाने का आरोप था, जबकि उनके सह-आरोपी, पूर्व सैन्य अधिकारी कर्नल पुरोहित पर विस्फोटक देने का आरोप था। गुरुवार को, दोनों को पांच अन्य आरोपियों के साथ, बरी कर दिया गया।

जब अदालत ने यह फैसला सुनाया, तब प्रज्ञा ठाकुर और अन्य आरोपी अदालत में मौजूद थे। उन्होंने जज से कहा, ''मैंने शुरू से ही कहा था कि किसी को पूछताछ के लिए बुलाने का कोई आधार होना चाहिए। मुझे बुलाया गया, गिरफ्तार किया गया, और प्रताड़ित किया गया। इसने मेरी पूरी ज़िंदगी नष्ट कर दी। मैं एक साध्वी का जीवन जी रही थी, लेकिन मुझे आरोपी बना दिया गया और कोई हमारे साथ खड़ा नहीं हुआ। मैं जीवित इसलिये हूं क्योंकि मैं सन्यासी हूं। भगवा को बदनाम किया गया, यह एक साज़िश थी। आज भगवा की जीत हुई है, हिंदुत्व की जीत हुई है, और जो दोषी हैं उन्हें भगवान सज़ा देंगे।''

बिहार में मतदाता की मसौदा सूची आज जारी होगी

नयी दिल्ली, 31 जुलाई। बिहार में विधान सभा चुनाव से पहले मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया के अगले चरण में सूची के मसौदे का प्रकाशन शुक्रवार को किया जाएगा। इसके बाद, कल से ही मसौदा सूची में छूट गये किसी भी पात्र नाम को जुड़वाने या जुड़े हुए अपात्र नाम को कटवाने या किसी त्रुटि के संशोधन के लिए एक माह तक दावे और आपत्तियां आमंत्रित की जाएंगी। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में राज्य के मतदाताओं के नाम एक संदेश में कहा, बिहार के सभी 38 जिला निर्वाचन अधिकारियों (डीईओ) द्वारा राज्य के सभी जिलों में सभी मान्यता प्राप्त रानीतिक दलों को इसकी भौतिक और डिजिटल प्रतियां भी दी जाएंगी। आयोग के अनुसार स्थानीय बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) और एजेंटों ने घर-घर जाकर जानकारी लेने के अभियान में पाया की सूची में 22 लाख मतदाताओं (2.83 प्रतिशत) की मृत्यु हो चुकी है, 36 लाख (4.59 प्रतिश) स्थायी रूप से राज्य छोड़ कर जा चुके हैं, सात लाख मतदाताओं (0.89 प्रतिशत) के नाम एक से अधिक जगह दर्ज हैं।

- सभी जिलों में सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को भौतिक डिजिटल प्रतियां दी जायेंगी।

क्या दिल्ली व वॉशिंगटन एक दूसरे के प्रति विश्वास दोबारा स्थापित कर पाऐंगे?

ट्रम्प की बेलगाम भाषा व असंतुलित व्यापारिक निर्णयों ने, पिछले पच्चीस साल से धीरे -धीरे मजबूत और गहरे हुए रिश्तों को लगभग उखाड़ फैंका है

- सुकुमार साह -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 31 जुलाई। भारत-अमेरिका संबंधों में अचानक आई गिरावट, जो राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की आक्रामक बयानबाज़ी और भारतीय निर्यातों पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने के निर्णय से और अधिक प्रभावित हुई है, ने पिछले 25 वर्षों में लगातार गहरे होते संबंधों को एक ऐतिहासिक झटका दिया है। दोनों ओर के विश्लेषकों ने इसे 1998 के बाद का सबसे बड़ा कूटनीतिक संकट बताया है, जब भारत के परमाणु परीक्षणों के कारण वाशिंगटन के साथ रिश्तों में तनाव पैदा हो गया था। यह अचानक यू टर्न ऐसे समय पर आया है, जब ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के केवल कुछ ही महीने बीते हैं और जिससे, नई व्यापार वार्ताओं के एक और दौर से ठीक पहले, रणनीतिक और आर्थिक साझेदारी पर गंभीर असर पड सकता है।

- बुश, ओबामा, और बाइडन के शासनकाल में अमेरिका की विदेश नीति का मुख्य सोच था, भारत को चीन के ''काउन्टर वेट'' के रुप में विकसित करना।
- पर, अब ट्रम्प का भारत की इकॉनमी को ''डैड'' (मृत) घोषित करना, व भारी टैरिफ लगाना भारत को चीन व रुस के नजदीक फैंक रहा है, विशेषकर, ब्रिक्स, एस.सी.ओ. व ग्लोबल साउथ शिखर सम्मेलन में पूर्णतया सक्रिय होने पर मजबूर कर रहा है।
- अब तक भारत, मॉस्को के साथ पुराने रिश्तों व अमेरिका से डिफैन्स, आतंकवाद से मुकाबला आदि क्षेत्रों में सहयोग के बीच संतुलन बिठाने का प्रयास करता रहा है, पर, ट्रम्प के नये ''करतबों'' ने, इस संतुलन को एकदम बिगाड़ दिया है।

इस संकट के मूल में ट्रंप के तीखे आरोप हैं, कि भारत अनुचित व्यापारिक नीतियों का पालन कर रहा है। उन्होंने न केवल दंडात्मक टैरिफ की धमकी दी, बल्कि भारतीय अर्थव्यवस्था को ''मृत'' कहकर उसका अपमान भी किया। अपनी ऑनलाइन टिप्पणियों में उन्होंने भारत के रूस के साथ रिश्तों और ब्रिक्स में भारत की सक्रिय भूमिका का भी मज़ाक उड़ाते हुए, उसे अमेरिका के हितों के लिए खतरा बताया। इस बयानबाज़ी के परिणामस्वरूप, नीति विश्लेषकों और रणनीतिकारों ने चेतावनी दी है कि दशकों की मेहनत से बने संबंध अब टूटने की कगार पर हैं।

एक अगस्त से भारतीय निर्यातों पर लागू होने वाला 25 प्रतिशत टैरिफ दरअसल व्यापार नीति को एक हथियार की तरह इस्तेमाल कर भारत को सज़ा देने की कोशिश है, क्योंकि ट्रंप के अनुसार, भारत अपमानजनक गैर-आर्थिक व्यापार बाधाओं और गलत भू-राजनीतिक झुकाव का दोषी है। इस कदम ने भारत को चीन सहित अन्य व्यापारिक साझेदारों की तुलना में कहीं ज़्यादा कठोर तरीके से निशाना बनाया है, जबकि अमेरिका के साथ भारत का ट्रेड सरप्लस ग्लोबल स्टैण्डर्ड्स तुलना में अपेक्षाकृत कम है।

ट्रंप के नज़रिए से, भारत के रूस के साथ

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विपक्ष ने दिन भर लोकसभा में नारेबाजी की

नयी दिल्ली, 31 जुलाई। लोकसभा में विपक्षी दलों ने बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण मामले को लेकर गुरुवार को भारी हंगामा किया, जिसके कारण सदन की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी गयी।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने दो बार के स्थगन के बाद, चार बजे तीसरी बार जैसे ही सदन की कार्यवाही शुरु की, विपक्षी दलों के सदस्य हंगामा और नारेबाजी करते हुए सदन के बीचोंबीच आ गये। हंगामे के बीच ही वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने अमेरिकी टैरिफ पर संसद में बयान दिया और कहा कि भारत और अमेरिका के बीच वार्ता जारी है, लेकिन भारत अपने घरेलू उद्योगों की रक्षा करेगा।

- शोरगुल के बीच वाणिज्य मंत्री ने अमेरिकी टैरिफ पर बयान दिया।

बिरला ने मंत्री का वक्तव्य पूरा होने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

‘नशीले पदार्थों की तस्करी और अवैध बिक्री पर सख्त करवाई होगी’

कलेक्टर की अध्यक्षता में कोआर्डिनेशन केंद्र की जिला स्तरीय कमेटी की बैठक हुई

- जिले में अफीम जैसे मादक पदार्थों का कोई रूट नहीं है परंतु जिले में गांजे के प्रकरण सामने आने पर समय-समय पर कार्यवाही की गई है।
- बैठक में बताया गया कि 1 जनवरी से अभी तक 23.075 किलो गांजा भिवाड़ी पुलिस द्वारा एवं 8 किलो 323 ग्राम गांजा खैरथल पुलिस द्वारा पकड़ कर कार्रवाई की गई।

खैरथल। जिला कलेक्टर किशोर कुमार की अध्यक्षता में गुरुवार को जिला सचिवालय खैरथल तिजारा में नार्कों कोआर्डिनेशन केंद्र की जिला स्तरीय कमेटी की बैठक का आयोजन हुआ।

बैठक में जिले में नशीले पदार्थों की तस्करी, अफीम या गांजे की अवैध खेती, ट्रामाडोल कोडिन आधारित खांसी की दवाई, भांग के वैध ठेको पर संचालित अवैध गतिविधियों की रोकथाम, पुलिस विभाग में अन्य विभागों द्वारा अभी तक की गई कार्यवाही, एनडीपीएस अधिनियम और दवाइयां के हानिकारक प्रभाव के प्रावधान के बारे में जागरूकता साहित अन्य बिंदुओं पर चर्चा कर दिशा निर्देश दिए गए।

जिला कलेक्टर ने बैठक के दौरान पुलिस को जिले में नशीले पदार्थों की तस्करी तथा बेचान के विरुद्ध अभियान चलाकर कार्यवाही के निर्देश दिए। बैठक के दौरान बताया कि जिले में अफीम जैसे मादक पदार्थों का कोई रूट नहीं है परंतु जिले में गांजे के प्रकरण सामने आने पर समय-समय पर कार्यवाही की गई है।

बैठक में बताया गया कि 1 जनवरी से अभी तक 23.075 किलो गांजा भिवाड़ी पुलिस द्वारा एवं 8 किलो 323 ठााम गांजा खैरथल पुलिस द्वारा पकड़ कर कार्रवाई की गई। भिवाड़ी पुलिस ने कार्यवाही कर 153.6 ठााम स्मेक, 86.8 ठााम चिट्टा, 13.65 किलो डोडा चूरा जप्त किया। इसी प्रकार खैरथल पुलिस द्वारा 149 प्रकरणों में 128 लोगों को गिरफ्तार कर 1947 लीटर हथखड़ शराब एवं 15 लीटर अंठोजी शराब जप्त की, एवीएन भिवाडी पुलिस द्वारा 188 प्रकरणों में 180 लोगों को गिरफ्तार कर 960 लीटर हथकड़ एवं 833.80 लीटर देसी शराब एवं 5.22 लीटर अंठोजी शराब जप्त की।

बैठक में जिला कलेक्टर ने जिले में ड्रग की समस्या से निपटने में युवाओं और महिलाओं की भागीदार हेतु जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं तथा नशा मुक्त भारत अभियान की सफलता के क्रम में सभी कार्यालयों के कार्मिकों, स्कूल एवं कॉलेज में नशा विरुद्ध अभियान की प्रेरणा स्वरूप एक शपथ दिलाने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने समाज कल्याण विभाग को हर माह नशा मुक्ति शिविर लगाने के लिए निर्देशित किया। बैठक के दौरान उन्होंने जिले में लॉ एंड ऑर्डर की स्थिति की समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए।

क्विज प्रतियोगिता में भदवासी स्कूल ने मारी बाजी

- पहला कदम एक द्वितीय पहल का द्वितीय संस्करण प्रारम्भ
- शाला कार्यक्रमों का संचालन बालक करें : अरूण कुमार पुरोहित

नागौर । राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बालवा में नागौर जिला प्रशासन की पहल पर गत वर्ष से आयोजित विद्यार्थियों के निमित्त क्विज प्रतियोगिता का प्रथम चरण संपन्न हुआ। इस द्वितीय संस्करण के पहले चरण में नागौर जिला कलक्टर अरुण कुमार पुरोहित के मुख्य आतिथ्य में आयोजित इस कार्यक्रम में भामाशाह अरविंद अठावाल, बालवा के पूर्व सरपंच किशोर सिंह राठौड़, सामाजिक कार्यकर्ता पूनाराम मेघवाल, नागौर तहसीलदार नरसिंह टाक विशिष्ट अतिथि के रूप में मंचस्थ रहे।

क्विज प्रतियोगिता के समापन सत्र में उपखंड अधिकारी गोविंद सिंह भींचर का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। उन्होंने विजेता प्रतिभागियों को बधाई देते हुए अपने कर कमलों द्वारा प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिह्न प्रदान किये।

इस अवसर पर अपने संबोधन में जिला कलक्टर ने कहा कि जो हार नहीं मानता है वही जीतता है। विद्यार्थी को अपने जीवन में कला, शिक्षा, खेल व राजनीति आदि क्षेत्र में हार नहीं माननी है। विभिन्न स्पर्धा में हारने के बाद अगर मन में यह धारण कर लिया कि यह असफलता ही सफलता की पूंजी है तो हम आगे सफलता निश्चित रूप से प्राप्त करेंगे। उन्होंने नागौर जिले में भामाशाहों की सराहना करते हुए विशेष रूप से शिक्षा के क्षेत्र में विद्यालय कक्षा कक्ष निर्माण में उनकी भूमिका के लिए साधुवाद दिया। उन्होंने शिक्षकों से आ ान किया कि विद्यालय के कार्यक्रमों में जिस प्रकार से अध्यापक कार्यक्रमों का संचालन करते हैं उसी प्रकार से नवाचार करते हुए बालकों के समूह से शाला के विविध कार्यक्रमों की व्यवस्था व उनके संचालन का दायित्व दें जिससे उनका सर्वांगीण विकास हो तथा उनके नेतृत्व के गुणों में भी बढ़ोतरी हो। उन्होंने सरकारी विद्यालयों में कार्यक्रमों में बालकों की सहभागिता को बढ़ाने का आठाह किया। उन्होंने विद्यालय के विकास में अभिभावकों, भामाशाहों व अभिभावकों के समन्वित प्रयास पर बल दिया। जिला कलक्टर अरुण कुमार पुरोहित ने उपस्थित विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षकों के मार्गदर्शन में छात्र छात्राएं भी विद्यालय की दैनिक प्रार्थना सभा, उत्सव जयंती, प्रश्न मंच आदि कार्यक्रमों का संचालन करें।

इस प्रकार की गतिविधियों से बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ता है। उन्होंने कहा कि कैसी भी परिस्थिति क्यों ना आ जाए विद्यार्थी जीवन में कभी हार ना मानें। इस प्रकार की प्रश्न मंच प्रतियोगिताएं बच्चों को जीवन में आगे बढ़ने की सीख देती है। उपखंड अधिकारी गोविंद सिंह भींचर ने अपने संबोधन में कहा कि प्रश्न मंच एक प्रकार से जीवन दर्शन है। जीवन चक्र में कभी भी कठिन प्रश्नों से सामना करना पड़ सकता है जिसका समाधान व उत्तर के लिए परिश्रम की महत्ती भूमिका है।जीवन के किसी भी स्तर पर असफलता को अपने ऊपर हावी ना होने दें।सकारात्मक ऊर्जा से जीवन पथ पर आगे बढते रहें।

प्रतियोगिताओं में भाग लेने से आत्मविश्वास में वृद्धि होती है। पुस्तकीय ज्ञान के अतिरिक्त भी परिवेश को अनुभव करके ज्ञान अर्जित करें। विद्यार्थी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और चैट जी पी टी का प्रयोग अध्ययन में करें। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी अपने मन में स्वयं से प्रतिस्पर्धा करें।

डॉक्टर जीएस राठौड़ सेवानिवृत,अस्पताल कर्मचारियों ने भावभीनी विदाई दी

35 साल की सेवा पूरी करने के बाद पीएमओ डॉक्टर जीएस राठौड आज सेवानिवृत्त हो गए।

- अनेकों कर्मचारी भाउक हो गए वही अपने साथियों के बिछडने पर डॉक्टर राठोड भी उदास हो गए लेकिन यह तो हर कर्मचारी के साथ होना ही होता है एक समय सभी को सेवा निवृत होते हुए अपने साथियों से दूर होना पड़ता है।

अलवर। काला कुआं सैटेलाइट अस्पताल में अपनी 35 साल की सेवा पूरी करने के बाद पीएमओ डॉक्टर जीएस राठौड आज सेवानिवृत्त हो गए। डॉक्टर राठोड को अस्पताल के कर्मचारियों ने भावभीनी विदाई दी।

डाक्टर जीएस राठोड ने काला कुआं सैटेलाइट अस्पताल में करीब साढ़े 18 साल अपनी सेवाएं दी अपने व्यवहार और मरीजों की देखभाल के कारण बीस-बीस किलोमीटर दूर से मरीज उनसे उपचार कराने आने लगे थे आज भी उन्होंने अपने अन्तिम दिन मरीजों को दो बजे तक देखा डाक्टर राठोड की सेवानिवृति पर अनेको महिला मरीजों की आंखों से आंसू आ गए और वे भाउक होकर कहने लगी अब हमें कौन देखेगा हमारा कौन इलाज करेगा। मरीजों को भाउक होता देख डॉक्टर राठोड ने उनसे कहा कि आप चिन्तित ना हो मैं आपकी सेवा बाहर भी करूंगा आप मेरे घर आकर दिखा सकते है वो भी नि:शुल्क मेरे घर के दरवाजे मरीजों के लिए चौबीस घंटे खुले रहेगे। डॉक्टर राठोड द्वारा मिले आश्वासन के बाद मरीजों ने राहत की सांस ली।दो बजे बाद अस्पताल के स्टाफ द्वारा विदाई समारोह का आयोजन किया जिसमें डॉक्टर राठोड द्वारा अस्पताल के लिए अर्जित की गई उपलब्धियों के बारे में बताया गया और उन्हें फूल मालाओं से लाद कर साफा पहना कर पूरा स्टाफ उन्हें घर तक छोडने गया। इस अवसर पर अनेकों कर्मचारी भाउक हो गए वही अपने साथियों के बिछडने पर डॉक्टर राठोड भी उदास हो गए लेकिन यह तो हर कर्मचारी के साथ होना ही होता है एक समय सभी को सेवा निवृत होते हुए अपने साथियों से दूर होना पड़ता है। इस अवसर पर डॉक्टर राठोड ने अस्पताल कर्मियों का आभार व्यक्त किया।

स्कूल में एडमिशन की लास्ट डेट बढ़ी

बीकानेर । प्रदेश के सरकारी और प्राइवेट स्कूल में अब क्लास 9 से 12 तक के स्टूडेंट्स को 16 अगस्त तक एडमिशन मिल सकेगा। इसके लिए शिक्षा विभाग ने देर रात आदेश जारी किया है। दरअसल, पहले 31 जुलाई ही एडमिशन की लास्ट डेट थी, जिसे अब बढ़ा दिया गया है।

राज्य के कई जिलों में बारिश, बाढ़ और अतिवृष्टि जैसे हालात के चलते स्कूलों में छुट्टियां चल रही है। खासकर पूर्वी राजस्थान के कई जिलों में स्टूडेंट्स अपनी स्कूल तक पहुंच ही नहीं पा रहे हैं। ऐसे में एडमिशन की लास्ट डेट को लेकर शिक्षक संगठनों ने मुद्दा उठाया था। इसके बाद शिक्षा निदेशालय ने देर रात इस संबंध में आदेश जारी किया। निदेशक सीताराम जाट ने आदेश में कहा कि नामांकन में बढ़ोतरी और ड्रॉप आउट स्टूडेंट्स को स्कूल से जोड़ने के लिए एडमिशन की लास्ट डेट में बढ़ोतरी की जा रही है। अब स्टूडेंट्स 16 अगस्त तक एडमिशन ले सकेंगे। कक्षा एक से आठ तक के एडमिशन सालभर होते हैं।

शिक्षा निदेशक की ओर से जारी आदेश में सोलह अगस्त तक एडमिशन की बात कही गई है,जबकि हकीकत में एडमिशन 14 अगस्त तक ही हो सकेंगे। दरअसल, पंद्रह अगस्त को स्कूल में काम नहीं हो पाता, वहीं सोलह अगस्त को कृष्ण जन्माष्टमी का अवकाश रहेगा।

नांदिया गैंग के मुख्य शूटर को पकड़ा

- राज्य स्तरीय टॉप 25 में है शामिल
- 25 हजार का भी इनाम कर रखा था घोषित
- ग्रामीण पुलिस की जिला स्पेशल टीम ने एक बड़ी कार्रवाई करते

जोधपुर, (कासं)। ग्रामीण पुलिस की जिला स्पेशल टीम ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए विक्रमसिंह नांदिया गैंग के मुख्य शूटर को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। वह राज्य स्तरीय टॉप 25 में शामिल है और उस पर 25 हजार का भी इनाम घोषित है। उसके खिलाफ लूट, चोरी, हत्या, एनडीपीएस एक्ट एवं आम्र्स एक्ट सहित अन्य धाराओं में कुल 11 प्रकरण दर्ज हैं।

ग्रामीण एसपी नारायण टोगस ने बताया जिला विशेष टीम ने शूटर पालड़ी राणावता निवासी बजरंग सिंह पुत्र सोहन सिंह को दस्तयाब किया है। बजरंग सिंह के खिलाफ पुलिस थाना बोरानाडा में हत्या का प्रयास और आम्र्स एक्ट का मामला दर्ज है जिसमें वह तीस माह से फरार चल रहा था। इसके अलावा कैलाश मांजू गैंग के गुर्गे राकेश मांजू पर जानलेवा हमला करने और फायरिंग मामले में भी आरोपी फरार चल रहा था। बचने के लिए कई राज्यों में छिपता फिरा : पुलिस से बचने के लिए आरोपी दक्षिण भारत के राज्यों सहित महाराष्ट्र, गुजरात के विभिन्न जगहों पर फरारी काट रहा था। आरोपी विक्रम सिंह नांदिया गैंग का मुख्य शूटर है। उसे अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जोधपुर ग्रामीण भोपालसिंह लखावत के सुपरविजन में जिला विशेष टीम के प्रभारी श्रवण कुमार भंवरिया मय टीम ने कांस्टेबल सुरेश कुमार की आसूचना एवं तकनिकी डाटाबेस के आधार पर पकड़ा है तथा आगामी जांच व कार्रवाई के लिए पुलिस थाना भोपालगढ़ को सुपुर्द किया।

कांवड़ियों की मौत पर शुरू की भूख हड़ताल समाप्त

अलवर । अलवर के लक्ष्मणगढ़ के बिचगांवा में गुरुवार सुबह ग्रामीणों की भूख हड़ताल खत्म हो गई। जो दो कांवडियों की मौत और 30 से अधिक लोगों के घायल होने के बाद सरकार की ओर से कम मुआवजा दिए जाने का विरोध कर रहे थे। अब अचानक भूख हड़ताल पर बैठे लोगों ने हड़ताल खत्म कर दी। इसके बाद गांव का प्रतिनिधिमंडल अलवर कलेक्टर से मिलने गया। लेकिन अभी तक यह साफ नहीं हो सका कि किन शर्तों पर भूख हड़ताल खत्म की गई। ग्रामीणों को भी इसकी जानकारी नहीं है। जिसके कारण ग्रामीण और मृतक के परिजनों में असमंजस बना हुआ है।

23 जुलाई की सुबह करीब 7 बजे कांवडिए परिवार व ग्रामीणों के साथ डीजे के साथ नाचते गाते शिवजी के मंदिर की तरफ जा रहे थे। लेकिन अचानक राजकीय उच्च माध्यमिक स्कूल के सामने रोड के ऊपर से जा रही बिजली के करंट से पिकअप छू गई। जिससे आए करंट से दो कांवडियों की मौके पर मौत होगई। वहीं 30 से अधिक कांवडिए और ग्रामीण घायल हुए हैं।

इन मृतकों को सरकार ने बिजली विभाग से 5 लाख रुपए और आयुष्मान योजना से 5 लाख रुपए देने की घोषणा की थी। लेकिन ग्रामीणों ने उसी दिन विरोध जताया। मृतकों का अंतिम संस्कार करने के अगले दिन गांव के लोग बस स्टैंड पर भूख हड़ताल पर बैठ गए थे। करीब 5 दिन तक भूख हड़ताल पर रहे। अब अचानक रात को अधिकारी ठाामीणों से मिले।

निर्देश दिये

अलवर । जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला के निर्देशन पर आज अतिरिक्त जिला कलक्टर शहर, नगर निगम आयुक्त एवं उपखंड अधिकारी अलवर ने नगर निगम की टीम के साथ शहर का सघन दौरा कर जलभराव की स्थिति व साफ-सफाई व्यवस्था आदि का जायजा लेकर टीम को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। अतिरिक्त जिला कलक्टर (शहर) बीना महावर, नगर निगम आयुक्त जितेंद्र कुमार नरूका एवं उपखंड अधिकारी अलवर (कार्यवाहक) सुश्री ऐश्वर्या प्रजापति ने शहर में तिजकी शमशान घाट, बस भगत सिंह सर्किल तक के आसपास के क्षेत्रों में दौरा किया ।

भारी बारिश की संभावना, रेलवे अलर्ट मोड पर

जोधपुर, (कासं)। मानसून अवधि में भारी बारिश की आशंका के मद्देनजर रेलवे अलर्ट मोड पर है तथा विपरीत परिस्थितियों में संरक्षित और सुरक्षित रेल संचालन के लिए विशेष प्रबंधन किए गए हैं।

उत्तर पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल रेल प्रबंधक अनुराग त्रिपाठी ने बताया कि वर्षों के अनुमान के आधार पर जिन रेलखण्डों में अत्यधिक बारिश की संभावना होती हैं ऐसे स्थानों की विभिन्न स्तरों पर मॉनिटरिंग के निर्देश दिए हैं। इसके लिए मंडल स्तर पर किए गए इंतजाम की समीक्षा के बाद त्रिपाठी ने जानकारी दी कि बारिश की अधिकता वाले स्थानों पर ट्रैक के कटाव की स्थिति से निपटने के लिए मिट्टी के कट्टे, रोड़ी इत्यादि की पर्याप्त व्यवस्था की गई है, ताकि भारी बारिश के कारण ट्रैक के नीचे मिट्टी के कटाव होने पर तुरंत ठीक कर रेल संचालन को सुचारू किया जा सकें। अंडर पास पर विशेष निगरानी : मानसून के समय भारी बारिश के कारण रेलवे अंडरपास में भी पानी भर जाता है जिससे सडक़ उपयोगकर्ताओं को अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

जर्जर बिल्डिंग पर दोषी को दण्डित किये जाने की मांग

- जर्जर बिल्डिंग का वीडियो वायरल होने के बाद जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा तुरंत संज्ञान लेते हुए स्कूल प्रधानाचार्य का ही मुख्यालय बदल डाला

ब्यावर (निसं) । हाल ही में नून्द्रीमेन्द्रातान स्थित महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय ब्लॉक जवाजा की जर्जर बिल्डिंग का उस स्कूल के प्रधानाचार्य द्वारा वीडियो वायरल होने के बाद जिला शिक्षा अधिकारी (मुख्यालय) माध्यमिक शिक्षा ब्यावर द्वारा तुरंत संज्ञान लेते हुए स्कूल प्रधानाचार्य को ही आगामी आदेश तक मुख्यालय बदल डाला साथ ही कारण बताओ नोटिस तक जारी कर दिया। जबकि उनकी गलती सिर्फ इतनी थी कि उन्होंने सोश्यल मीडिया पर जर्जर स्कूल का विडीयो शेयर किया था। काश इतनी फुर्ती वर्ष 2023 में जब स्कूल प्रशासन ने जर्जर बिल्डिंग की लिखित सूचना जिला शिक्षा अधिकारी (मुख्यालय) माध्यमिक शिक्षा को दी तब दिखाई होती तो आज ऐसी नौबत ही नहीं आती। स्कूल प्रशासन वर्ष 2023 से जिला शिक्षा अधिकारी व उपखण्ड अधिकारी को लगातार जर्जर बिल्डिंग के बारे में लिख रहा है व बिल्डिंग में किसी भी प्रकार की अनहोनी होने की आशंका जाहिर कर रहा है व लगातार बजट की मांग कर रहे है ऐसे में इसके लिए मुख्य रूप से जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक, जिला परियोजना समन्वयक अजमेर व उपखण्ड अधिकारी ब्यावर सीधे तौर पर जिम्मेदार व जवाबदार है।

संगठन ने ब्यावर जिले के कई स्कूलो का दौरा किया लेकिन स्कूल प्रशासन इतना डरा हुआ है कि वो जर्जर बिल्डिंग के संबंध में कोई भी जानकारी देने को तैयार नहीं है।

गौरतलब है कि जो दोषी है उन्हें तो अभय दान दे दिया जाता है और जो प्रशासन को लगातार जगा रहा है उसे उसकी जागरूकता के लिए उन्हे इस तरह से दण्डित किया जा रहा है। जो किसी भी नजरिये से उचित नहीं है। जिससे ठाामीण वासियो व आम जन में भी भारी रोष है। मासूम बच्चों की जान बचाने वाले महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय नून्द्री मेन्द्रातान के प्रधानाचार्य को आने वाली 15 अगस्त 2025 को न केवल जिला स्तर पर सम्मानित किया जाये वरन उन्हें पुन: उसी स्कूल बहाल किया जावे व तत्समय के मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी, जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक, जिला परियोजना समन्वयक अजमेर व उपखण्ड अधिकारी ब्यावर के विरूद्ध कडी से कडी कार्यवाही की अनुशंसा की जावे व हमारे संगठन को की गई समस्त कार्यवाही से अवगत भी कराने का श्रम करावे।

कृषि कार्यों की चर्चा

भरतपुर । कृषि संभाग भरतपुर की मासिक कार्यशाला का आयोजन किया गया, इसमें जुलाई माह की विभागीय प्रगति की समीक्षा की गयी तथा अगस्त माह में किये जाने वाले कृषि कार्यों की चर्चा की गयी ।

कृषि संभाग भरतपुर के मास्टर ट्रेनर एवं कृषि महाविद्यालय भुसावर के डीन डॉ. उदय भान सिंह ने कहा कि जो किसान जुलाई माह में फलदार बगीचे नही लगा पाये हैं, वे अगस्त माह में फलदार पौधे लगा सकते हैं। ध्यान रखें कि पौधे उन्नत किस्म के हो तथा वानस्पतिक विधि जैसे कलम, ठााफ्टिंग या वडिंग आदि से तैयार होने चाहिए क्योंकि बीजू पौधे शुद्ध किस्म के नही होते हैं तथा देर से फल देना शुरू करते हैं। डॉ. उदय भान सिंह ने फल एवं सब्जियों में लगने वाले कीट एवं बीमारियों की पहचान एवं उनके नियंत्रण के उपाय बताये। नीबू की तितली व सिट्रस सिल्ला के नियंत्रण के लिए क्यूनालफॉस 25 ईसी 1.5 मि.ली. प्रति लीटर पानी के घोल का छिडकाव करें। नीबू में लीफ माइनर की रोकथाम के लिए इमीडाक्लोप्रिड 0.3 मि.ली. प्रति लीटर पानी के घोल का छिडकाव करें। अमरूद में फल मक्खी के नियंत्रण के लिए मेलाथियॉन 50 ईसी एक मि.ली. प्रति लीटर पानी के हिसाब से छिडकाव करें। टमाटर, बैंगन, मिर्च में पर्णकुंचन व मौजेक के लिए इमीडाक्लोप्रिड 17.8 एस एल 0.3 मि.ली. प्रति लीटर पानी के घोल का छिडकाव करें।

तलावडा सहकारी समिति में 3.66 करोड का गबन

कलेक्टर से मिलने पहुंचा प्रतिनिधिमंडल, हड़ताल खत्म करने की शर्तें नहीं बताई

खाताधारकों ने गंगापुर सिटी में तहसीलदार को ज्ञापन दिया।

गंगापुर सिटी । उपखंड के ग्राम तलावडा में ग्राम सेवा सहकारी बैंक लिमिटेड में बडे पैमाने पर वित्तीय अनियमितता का मामला सामने आया है। स्थानीय खाताधारकों ने कलेक्टर के नाम तहसीलदार बृजेश सिहरा को ज्ञापन सौंपकर पदाधिकारियों द्वारा किए गए 3.66 करोड रुपए के गबन की शिकायत दर्ज कराई है। ज्ञापन में बताया गया है कि सहकारी समिति का संचालन व्यवस्थापक सुरेश चंद्र शर्मा, सहायक व्यवस्थापक अखय सिंह और अध्यक्ष रूप सिंह गुर्जर द्वारा किया जा रहा था। ग्रामीणों ने इस पंजीकृत संस्था पर विश्वास करते हुए मिनी बैंक में अपने बचत खाते और सावधि जमा खाते खुलवाए थे। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि पदाधिकारियों ने उनकी जमा राशि का गबन कर विश्वास भंग किया है। जब खाताधारकों ने अपनी एफडीआर और बचत खातों की रकम मांगी, तो पदाधिकारियों ने बहाने बनाकर भुगतान टालते रहे। कागजों में एफडीआर को रिन्यू कर फर्जीवाडा भी किया गया और इसका कोई इंद्राज नहीं किया गया। 9 जून 2०25 को प्रबंधन निदेशक, सवाई माधोपुर केंद्रीय सहकारी बैंक लिमिटेड ने तलावडा ग्राम सेवा सहकारी समिति के अध्यक्ष को 3.66 करोड रुपए के गबन के संबंध में पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाने के निर्देश दिए थे, लेकिन अध्यक्ष द्वारा अब तक कोई रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई गई है। पीडित खाताधारकों ने कलेक्टर से गबन की जांच करवाने और दोषी पदाधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। साथ ही उन्होंने अपनी गाढी कमाई की राशि वापस दिलाने का अनुरोध किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि अध्यक्ष का भी इस गबन में पूर्ण सहयोग रहा है और उन्होंने अनुचित लाभ प्राप्त किया है। ग्रामीणों ने मिनी बैंक में जमा राशि दिलवाने और दोषियों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई करने की मांग की है। ज्ञापन देने वालों में सत्येंद्र गौतम, हनीफ, बद्री, मुकेश बंसल, आदि मौजूद रहै।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी सोलह को

बोरावड(निस)। सनातन धर्म सेवा समिति बोरावड़ की बैठक स्थानीय सदर बाजार स्थित गोपीनाथ मन्दिर प्रांगण में समिति के अध्यक्ष एडवाकेट कैलाशचन्द काबरा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में चर्चा के पश्चात 14 अगस्त को हल्दी चन्दन तथा 16 अगस्त को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव धूमधाम के साथ मनाये जाने का सर्वसम्मत निर्णय लिया गया। सनातन धर्म सेवा समिति के मंत्री मनोज अठावाल ने बताया कि बैठक के दौरान निर्णय लिया गया कि 14 अगस्त को हल्दी चन्दन पर्व के उपलक्ष्य में गोपीनाथ-रघुनाथ मन्दिर सहित शहर के अन्य मन्दिरों की आकर्षक रोशनी से सजावट की जाएगी । इसी प्रकार 15 अगस्त की रात्रि गोपीनाथ मन्दिर प्रांगण में भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा।

एकल अभियान की दो दिवसीय मासिक बैठक संपन्न

- सभी कार्यकर्ताओं को रक्षा सूत्र बांधकर देश की रक्षा के लिए काम करने का संकल्प करवाया।

ब्यावर (निसं) एकल अभियान अंचल अजमेर की दो दिवसीय मासिक बैठक ब्यावर आशापुरा माता मंदिर में संपन्न हुई। बैठक में वन बंधु परिषद ब्यावर महिला समिति द्वारा सभी कार्यकर्ताओं को रक्षा सूत्र बांधकर देश की रक्षा के लिए काम करने का संकल्प करवाया। वन बंधु परिषद की 30 माताओ ने एकल अभियान के अंचल टोली सच प्रमुख के साथ मिलकर बड़े हर्ष और उल्लास के साथ रक्षाबंधन कार्यक्रम मनाया गया। इस कार्यक्रम में वन बंधु परिषद ब्यावर की संरक्षक मंजू भूतड़ा ने कहा हमारे एकल के कार्यकर्ता जो दिन रात देश की सेवा में लगे हुए हैं एकल अभियान ठाामीण क्षेत्रों में शिक्षा का दीप जला रहा है। आओ हम सब मिलकर और इस शिक्षा के दीप को और आगे बढ़ाएं। वनबंधु परिषद ब्यावर की अध्यक्ष संतोष रांका ने एकल अभियान देश के ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य, संस्कार, शिक्षा, स्वावलंबी, बनाने का काम कर रहा है। सचिव उषा मोदी, कोषाध्यक्ष उर्मिला, अनीता,मनीषा कांकाणी, सुनीता, बबीता, नीतू, विमला, इंदु ,रेणुका, शारदा, प्रतिभा, प्रमिला, मधु एवं अन्य महिला समिति सदस्य माताओ ने रक्षा सूत्र बांधकर रक्षाबंधन मनाया एकल अभियान के कार्यकर्ता भाग प्राथमिक शिक्षा प्रमुख सत्यनारायण, रथ आयोजन प्रमुख महेश शर्मा, भेरुलाल गुर्जर, अंचल अभियान प्रमुख (जिला संगठन मंत्री) ने कहा तन अर्पण मन अर्पण अर्पण है यह जीवन इस मातृभूमि की सेवा के लिए हम सब मिलकर आवो शिक्षा का दीप जलाएं सभी ने माता का धन्यवाद अर्पित किया।

PIMS MULTI SUPER-SPECIALITY HOSPITAL

A UNIT OF ASHIYANA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCE

Advanced Healthcare,
expertise & compassion all
under one roof

COMING SOON
IN SEPTEMBER

A PIMS Hospital, Umarda Venture

2A, Meera Nagar, 100 Feet Road, Udaipur

नि:शुल्क दर्द रहित प्रसव (डिलीवरी) सुविधा

डॉ. विक्रम सिंह राठौड़
विभागाध्यक्ष (नाक, कान, गला विभाग)

उपलब्ध सेवाएं

- माइरिंगोटोमी • कॉकलियर इंप्लांट • सेप्टोप्लास्टी • माइक्रोलैरिनजीयल सर्जरी
- ब्रोनकोस्कॉपी • सैलिवरी ग्लैंड सजरी • थायराइड • फेस (एफ ई एस एस)
- एडेनोइडेक्टॉमी और टॉन्सिलेक्टोमी (टॉन्सिल का ऑपरेशन)

डॉ. कमलेश शेखावत
विभागाध्यक्ष (निश्चेतना विभाग)

उपलब्ध सेवाएं

- गर्भावस्था में होने वाले दर्द • गहन चिकित्सा या गंभीर देखभाल • सिरदर्द • रीढ़ की हड्डी का दर्द
- गर्दन दर्द • नसों का दर्द • पीठ का दर्द • कैंसर से जुड़ा दर्द • जोड़ों का दर्द • क्रॉनिक दर्द
- स्नायु दर्द • सर्जरी के बाद का दर्द • मांसपेशियों का दर्द • स्पोर्ट्स इंजरी का दर्द

डॉ. जय सेठ
विभागाध्यक्ष (प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग)

उपलब्ध सेवाएं

- हाई रिस्क प्रेग्नेंसी • नार्मल डिलेवरी • सिजेरियन डिलेवरी • निसंतानता • मेनोपोज क्लिनिक
- बच्चेदानी के मुंह का कैंसर • दर्द रहित प्रसव • खासने-छींकने पर पेशाब आने पर दूरबीन से इलाज
- दूरबीन द्वारा बच्चेदानी निकालना • दूरबीन द्वारा जाच एवं ऑपरेशन • माहवारी में तकलीफ

डॉ. विवेक पाराशर
विभागाध्यक्ष (बाल एवं शिशु रोग विभाग)

उपलब्ध सेवाएं

- बच्चों का टीकाकरण • पोषण औट विकास संबंधी जानकारी
- बच्चों में शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं का समाधान
- सर्दी, बुखार, खांसी और सांस लेने में कठिनाई का उपचार • न्यूमोनिया का प्रभावी उपचार

सरकारी योजनाओं में नि:शुल्क इलाज सभी इंश्योरेंस एवं टीपीए कैशलैस इलाज के लिए अधिकृत हॉस्पिटल।

MAA-YOJANA | RGHS Rajasthan Government Health Scheme | CGHS | ECHS | जननी सुरक्षा योजना | ESIC

PIMS HOSPITAL UMARDA

पिम्स हॉस्पिटल
उमरड़ा रेलवे स्टेशन रोड़, उदयपुर

☎ : 0294-3510000

web : www.pacificmedicalsciences.ac.in | email : info@pacificmedicalsciences.ac.in / pimsudaipur

अलवर में तेज बारिश से जनजीवन प्रभावित, कई इलाकों में भरा पानी

तेज बारिश का दौर शुरू हो गया, जिससे जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है

अलवर जिले में गुरुवार सुबह से ही तेज बारिश के बाद बाजारों में पानी भर गया।

अलवर। अलवर जिले में गुरुवार सुबह से ही तेज बारिश का दौर शुरू हो गया, जिससे जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। मौसम विभाग पहले ही तेज बारिश का अलर्ट जारी कर चुका था, जिसे देखते हुए कलेक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने एहतियातन जिले के सभी स्कूलों और आंगनबाड़ी केंद्रों में छुट्टी के आदेश जारी किए।

तेज बारिश के कारण शहर के कई हिस्सों में जलभराव की स्थिति बन गई है। जिला अस्पताल के बाहर सडक़ पर पानी भरने से मरीजों और परिजनों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ा। वहीं, अंबेडकर सर्किल पर भी पानी भरने से आवागमन बाधित हुआ। अठासेन ओवरब्रिज के पास जलभराव के चलते ट्रैफिक जाम लग गया, जिससे वाहन चालकों को लंबा इंतजार करना पड़ा।

सिलीसेढ़ बांध में आसपास के पहाड़ों से पानी तेज़ी से आ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि अगर इसी तरह पानी आता रहा तो देर शाम या रात तक सिलीसेढ़ बांध भर जाएगा। 200 फीट रोड पर फ्रेंड्स गार्डन के बगल वाली सडक़ का एक हिस्सा धंस गया। इससे करीब 10 फीट चौड़ा गड्ढा हो गया। गरबाजी के पास तेज बारिश होने के कारण झरना उफान पर रहा।

जिला कलेक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला की अपील : अलवर जिले में लगातार हो रही भारी बारिश को देखते हुए जिला कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट डॉ. आर्तिका शुक्ला ने नागरिकों से सतर्क रहने की अपील की है। उन्होंने कहा कि बारिश के कारण नदियों, नालों, झरनों, जोहड़ों और पहाड़ी इलाकों में पानी का बहाव तेज हो गया है, ऐसे में आमजन इन क्षेत्रों से दूरी बनाए रखें।

डॉ. शुक्ला ने विशेष रूप से आगाह किया कि तेज बहाव की स्थिति में किसी भी पुलिया या बहती सडक़ को पार करने का प्रयास न करें। जर्जर भवनों में रहना खतरनाक हो सकता है, इसलिए उनका उपयोग तुरंत बंद कर दिया जाए।

उन्होंने कहा कि विद्युत पोल, खुले तारों और अन्य जोखिम वाले स्थानों से सुरक्षित दूरी बनाए रखें। यदि किसी स्थान पर जर्जर भवन, जलभराव या अन्य खतरे की स्थिति हो, तो तुरंत जिला कंट्रोल रूम नंबर 0144-2338000 पर सूचना दें।

कलेक्टर ने कहा कि आपसी सहयोग और सतर्कता से हम आपदाओं को नियंत्रित कर सकते हैं। नागरिकों से अनुरोध है कि वे प्रशासन का सहयोग करें और खुद के साथ दूसरों की भी सुरक्षा सुनिश्चित करें।

रामगढ़ के उपखंड ऑफिस भवन की फ्रंट दीवार के साथ करीब डेढ़ फीट व्यास का गड्ढा बन गय़ा

रामगढ़ के उपखंड ऑफिस भवन की सुरक्षा को लेकर आमजन की चिंता बढ़ गई है। भवन की फ्रंट दीवार के साथ करीब डेढ़ फीट व्यास का गड्ढा बन गय़ा है। इस छोटे से गड्ढे में सिविल एवं एसडीएम कोर्ट परिसर में जमा हजारों लीटर बरसाती पानी समा गया है। भवन की नींव में इतनी बड़ी मात्रा में पानी समाने से सुरक्षा खतरे को देखते हुए गुरुवार को दोपहर बाद रामगढ़ बार एसोसिएशन ने विरोध प्रदर्शन किया। अधिवक्ताओं ने एसडीएम कार्यालय के बाहर जमकर नारेबाजी की।

बार एसोसिएशन के एडवोकेट संजीव अरोड़ा,धर्मपाल, अमित कसोटिया, रघुवीर कसाना, राजू सांवरिया, राजकुमार यादव, दिनेश शर्मा,राकेश यादव,संजय वर्मा, मनीष पोसवाल, बार एसोसिएशन अध्यक्ष चरणजीत सिंह और अन्य वकीलों ने बताया कि पिछले एक महीने में कई बार इस गड्ढे के बारे में पूर्व एसडीएम को अवगत कराया गया था। मगर इस पर कोई ध्यान नहीं दिया गया।

तेज बारिश के बाद कोर्ट परिसर में जमा पानी इस गड्ढे से सीधे भवन की नींव में समा गया है। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष चरणजीत सिंह ने बताया कि इस मामले में वर्तमान एसडीएम से भी बात की गई, लेकिन उनकी कार्यशैली संतोषजनक नहीं लगी। एसडीएम अनिल मीना ने बताया-उन्होंने पिछले सप्ताह ही यहां कार्यभार संभाला है। उन्होंने स्वीकार किया कि भवन की नींव में बड़ी मात्रा में पानी गया है।

- मौसम विभाग पहले ही तेज बारिश का अलर्ट जारी कर चुका था, जिसे देखते हुए कलेक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने एहतियातन जिले के सभी स्कूलों और आंगनबाड़ी केंद्रों में छुट्टी के आदेश जारी किए।

वरिष्ठ उप सचिव पंवार को भावभीनी विदाई

अजमेर (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग में वरिष्ठ उप सचिव भंवर सिंह पंवार की सेवानिवृत्ति के अवसर पर आयोग कार्मिकों द्वारा समारोह आयोजित कर उन्हें विदाई दी गई।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए आयोग अध्यक्ष उत्कल रंजन साहू ने कहा कि सरकारी कर्मियों को जिस दिन सरकारी सेवा के लिए पदभार मिलता है उसी दिन सेवानिवृत्ति का दिन भी तय हो जाता है। भंवर सिंह पंवार ने राजकीय सेवा के अपने दीर्घ कार्यकाल के दौरान पूर्ण निष्ठा व ईमानदारी से अपने दायित्वों का निर्वहन किया है। संपूर्ण आयोग परिवार इनकी सेवाओं के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करते हुए इनके सुखद भविष्य एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना करता है। आयोग सदस्य रिटार्यड लेफ्टिनेंट कर्नल केसरी सिंह राठौड़ ने भी पंवार को सुखद भविष्य की शुभकामनाएं प्रेषित की।

अपने संबोधन में आयोग सचिव रामनिवास मेहता ने पंवार की कार्य के प्रति निष्ठा एवं प्रतिबद्धता की सराहना करते हुए आयोग के कार्यों में उनके योगदान पर प्रकाश डाला। पंवार ने अपने कार्यकाल के अनुभव साझा किए और आयोग अध्यक्ष, सदस्यों एवं सभी सहकर्मियों के प्रति आभार प्रकट किया। समारोह में आयोग के कार्मिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में पंवार को साफा पहनाकर सम्मान-पत्र भेंट किया। राजपत्रित अधिकारी संघ की और से दयाकर शर्मा तथा जितेंद्र उदय एवं मंत्रालयिक कर्मचारी संघ अध्यक्ष नरेंद्र ने माल्यार्पण कर पंवार का अभिनंदन किया। कार्यक्रम दौरान मंच संचालन अनुभाग अधिकारी दिनेश सिंगोदिया द्वारा किया गया।

दो परिवाद की सुनवाई पर फैसला

- दो निजी बीमा कंपनियों पर लगाया हर्जाना

जोधपुर, (कासं)। जिला उपभोक्ता आयोग जोधपुर द्वितीय ने दो परिवाद मंजूर करते हुए व्यवस्था दी है कि निवेश या व्यावसायिक उद्देश्य से ली गई बीमा पॉलिसी धारक उपभोक्ता की श्रेणी में आने से परिवाद पोषणीय है, वहीं दूसरे परिवाद में बैंक द्वारा बीमा पॉलिसी रद्द करने की सूचना नहीं देने को अनुचित व्यापार व्यवहार माना है। आयोग के अध्यक्ष डॉ यतीश कुमार शर्मा और सदस्य डॉ अनुराधा व्यास ने एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी पर 10 हजार रुपए हर्जाना तथा रिलायंस जनरल इंश्योरेंस कंपनी और बैंक ऑफ इंडिया पर बीस बीस हजार रुपए हर्जाना लगाया है।

पहले मामले में हर्षिता कोठारी ने अधिवक्ता अनिल भंडारी के माध्यम से परिवाद दायर कर कहा कि उनकी माताजी ने पांच लाख रुपए का जीवन बीमा एच डी एफ सी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी से कराया था। 24 फरवरी 2023 को बीमाधारी की मृत्यु का दावा यह कहकर खारिज कर दिया कि बीमा पॉलिसी लेते वक्त आवश्यक तथ्य छुपाए थे। परिवादी की ओर से बहस करते हुए अधिवक्ता अनिल भंडारी ने कहा कि बीमा पॉलिसी के समय आयकर रिटर्न और अन्य बीमा पॉलिसी का हवाला दिया था। बीमा कंपनी की ओर से आपत्ति की गई कि बीमा आवरण यूलिप पॉलिसी है,जो निवेश के उद्देश्य से ली गई है,सो व्यावसायिक गतिविधि होने से परिवादी उपभोक्ता नहीं है।

जिला उपभोक्ता आयोग ने परिवाद मंजूर करते हुए दस हजार रुपए हर्जाना और पांच हजार रुपए परिवाद व्यय लगाते हुए कहा कि यूलिप के बहाने से मृत्यु दावे को नकारना सेवा दोष है और परिवादी उपभोक्ता की श्रेणी में आता है। उन्होंने पांच लाख रुपए मय ब्याज 30 दिन में अदा करने का आदेश दिया।

दूसरे मामले में मधुबाला उपाध्याय ने कहा कि बैंक ऑफ इंडिया ने बचत खाता होने से वर्ष 2011 से प्रति वर्ष नेशनल इंश्योरेंस कंपनी से 2018 तक मेडीक्लेम बीमा खाते से प्रीमियम कटौती कर करवाया जाता रहा है और उन्हें काफी समय बाद जानकारी हुई कि बीमा कंपनी ने वर्ष 2019 की पॉलिसी नवीकरण नहीं करते हुए बैंक को प्रीमियम रिफंड कर दिया,लेकिन बैंक ने इसकी जानकारी परिवादी को नहीं दी। परिवादी ने बाद में अपना बीमा रिलायंस जनरल इंश्योरेंस कंपनी से करवाया। 2022 में घुटनों की सर्जरी का दावा बीमा कंपनी ने यह कहकर खारिज कर दिया कि 6 साल से घुटनों की तकलीफ है। अधिवक्ता अनिल भंडारी ने बहस करते हुए कहा कि एम्स अस्पताल ने तीन साल से घुटने की समस्या बताई है,लेकिन कहीं पर यह नहीं आया कि तीन या छह साल पहले घुटने खराब हो चुके हों।

जिला उपभोक्ता आयोग ने परिवाद मंजूर करते हुए बैंक और बीमा कंपनी पर बीस बीस हजार रुपए हर्जाना व दस हजार रुपए परिवाद व्यय लगाते हुए कहा कि 67 वर्षीय महिला के घुटने दुखने से यह निष्कर्ष निकालना कि घुटने पहले से ही खराब हो गए हो और इस आधार पर दावा खारिज किया जाना बीमा कंपनी की सेवा में कमी और त्रुटि है।

रील बनाने के बहाने बुलाकर धमाकाने की गैग का पर्दाफाश, 4 पकड़े

जालोर जिले के सायला पुलिस ने सोशल मीडिया रील बनाने के बहाने बुलाकर एवं फिर डरा धमकाकर मोबाइल से रूपये ट्रांजेक्शन करवाने वाली गैंग का पर्दाफाश कर 4 आरोपियों को गिरपतार किया।

जालोर, (कासं)। जालोर जिले के सायला पुलिस ने गुरुवार को सोशल मीडिया रील बनाने के बहाने बुलाकर एवं फिर डरा धमकाकर मोबाइल से रूपये ट्रांजेक्शन करवाने वाली गैंग का पर्दाफाश कर 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया। यह कार्यवाही पुलिस थाना सायला एवं पुलिस थाना गिराब बाडमेर की संयुक्त पुलिस टीम ने सोशल मीडिया के जरिये अपराध करने वाले अभियुक्तों के विरूद्ध कार्यवाही का अंजाम दिया है। जालोर पुलिस अधीक्षक ज्ञानचन्द्र यादव के निर्देशानुसार वांछित अपराधियों की धरपकड के तहत सायला थानाधिकारी सुरेन्द्रसिंह के नेतृत्व में बाबुलाल सउनि. मय टीम एवं पुलिस थाना गिराब जिला बाडमेर की संयुक्त टीम ने सोशल मीडिया पर दोस्ती कर रील बनाने के बहाने बुलाकर डरा धमकाकर रूपये ऐंठने वाली गैंग को गिरफ्तार किया गया।

पुलिस ने बताया कि लाबुराम पुत्र हरसनराम जाति देवासी निवासी विशाला जो सोशल मिडिया के इस्ट्राग्राम पर रील वगैरा बनाता है, जिसने रिपोर्ट दी कि 28 जुलाई 2025 को मेरे मोबाईल नम्बर पर अज्ञात व्यक्ति ने अपने मोबाईल नम्बर से वाट्सअप कॉल किया व मुझे अपने आप को ईश्वरसिंह सोढा बताया व मुझे कहा कि कहां हो, आपके साथ रील बनानी हैं, तब मैने कहा मैं घर पर हूँ, तब उस व्यक्ति ने मुझे महाराणा प्रताप चौक विशाला पर बुलाया तब मैं वहां पंहुचा तो मुझे सफेद रंग की स्विफ्ट कार में बैठाकर कोरा की तरफ लेकर गया, करीबन एक-डेढ़ किलोमीटर आगे जाने पर उक्त ईश्वरसिंह ने गाडी रोकी व वहां खडे चार अज्ञात लडकों को गाडी में बिठाया, बाद में उक्त सभी ने मुझे डरा धमका कर मेरा मोबाईल लिया व लॉक खुलवा कर मेरा पूरा फोन चैक किया बाद में मेरे फोनपे का पासवर्ड लिया व अलग अलग खातों मे 1,93,000 रुपये ट्रांसफर किया, बाद में पांथेडी गांव की सरहद में नीचे उतार दिया। पुलिस ने बताया कि ईश्वरसिंह , महेन्द्रसिंह, विंजराजसिंह उर्फ नारायणसिंह व जुंजारसिंह को 30 जुलाई को सरहद बालेवा पुलिस थाना गिराब जिला बाड़मेर से दस्तयाब किया जाकर बाद अनुसंधान प्रकरण हाजा में गिरफ्तार किया गया। उक्त मुलजिमानों को आज जालोर न्यायालय में पेश कर पीसी रिमाण्ड पर प्राप्त किया जावेंगा।

विभिन्न परीक्षाओं की विचारित सूची जारी

अजमेर (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा सहायक खनि अभियंता (खान एवं भूविज्ञान विभाग) तथा वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी- साइबर फॉरेंसिक डिवीजन एवं डीएनए डिवीजन प्रतियोगी परीक्षा-2024 के अंतर्गत विचारित सूचियां जारी की गई है।

सहायक खनि अभियंता के पदों के लिए 78, वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी- साइबर फॉरेंसिक डिवीजन के पदों के लिए 15 एवं डीएनए डिवीजन के पदों के लिए 24 अभ्यर्थियों को पात्रता जांच लिए अस्थाई रूप से विचारित सूची में सम्मिलित किया गया है। विस्तृत सूचना आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

आयोग सचिव ने बताया कि विचारित सूचियां चयन प्रक्रिया में भाग लेने वाले अभ्यर्थियों की अभ्यर्थिता सुनिश्चित करने के क्रम में केवल दस्तावेज सत्यापन के उद्देश्य से है। यह चयन सूची अथवा वरीयता सूची नहीं है। अंतिम रूप से सफल अभ्यर्थियों की सूची संबंधित विभाग द्वारा दस्तावेज सत्यापन कराए जाने के बाद आयोग द्वारा जारी की जाएगी।

विचारित सूची में सम्मिलित अभ्यर्थियों को विस्तृत आवेदन-पत्र ऑनलाइन भरने होंगे। वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी- साइबर फॉरेंसिक डिवीजन एवं डीएनए डिवीजन के अभ्यर्थियों के लिए विस्तृत आवेदन पत्र ऑनलाइन भरने का लिंक 6 से 12 अगस्त 2025 (रात्रि 11.59) तथा सहायक खनि अभियंता की विचारित सूची में सम्मिलित अभ्यर्थियों हेतु विस्तृत आवेदन पत्र ऑनलाइन भरने का लिंक 7 से 13 अगस्त 2025 (रात्रि 11.59)तक खोला जाएगा।

जालोर में कथावाचक ने भिक्षा मांगी

जालोर, (कासं)। जालोर में कथावाचक अभयदास की हठधर्मिता के चलते प्रशासन द्वारा अनुमति देने के बाद भी कथा नही करने से लोगों में चर्चा का विषय बना हुआ है। वही कथावाचक ने गुरुवार को अपने भक्तों के घर घर जाकर भिक्षा मांगी तथा उनके घर खाना खायाा लेकिन कथावाचक के मांस मदिरा का सेवन करने वालों के घर खाना नही खाने का प्रण टूटा। वही शाम को कथावाचक मीडिया से भी रुबरु हुए।

जालोर में कथावाचक के कथा करने की जिद के चलते बुधवार देर शाम को शिव सेना के जिला प्रमुख रुपराज पुरोहित ने दिनभर प्रयास कर अपने फर्म हाउस पर कथा करने की अनुमति की कही, लेकिन कथावाचक को फर्म हाउस पर कथा करने की अनुमति देने की बात करने पर उन्होने वहा पर कथा करने से कथावाचक ने मना कर दिया। इसके बाद रुपराज ने अनुमति वापस ले ली तथा कथावाचक के प्रति अपनी नाराजगी प्रकट की। रुपराज ने कहा कि प्रशासन अनुमति देने को तैयार है। मैने अपनी जिम्मेदारी से कथा के लिए अनुमति ली, लेकिन कथावाचक ने वहां पर कथा करने से मना कर दिया।

गुरुवार को कथावाचक ने भक्तो के घर घर जाकर भिक्षा मांगी तथा उनके वहां भोजन किया, लेकिन कथावाचक का प्रण था कि वह किसी भी ऐसे व्यक्ति के घर भोजन ग्रहण नही करेगे जो मांस या मदिरा का सेवन करता हा, लेकिन गुरुवार को एक मांस विक्रेता के घर के बार बैठकर भिक्षा लेकर खाना खाया। ऐसे मे कथावाचक के हर बार अपने बयानो से पलटने से लोगों में भी असमंजस्य की स्थिति बनी हुई है।

वहीं शाम को कथावाचक अभयदास ने प्रेस वार्ता कर कहा कि जालोर में ही किसी भक्त के घर रहकर चातुर्मास कर वापस चला जाऊंगा। कथा करने का आज भी मानस है, लेकिन कथा स्थल को लेकर जगह नही मिलने पर यही कही भजन कीर्तन करेंगे। कथावाचक ने कहा कि प्रशासन ऐसी जगह जानबुझकर अनुमति दे रही है, जहां मै नही जाना चाहता हूं। वही शिवसेना के जिला प्रमुख रुपराज पुरोहित द्वारा अनुमति लेने के बाद मना करने के प्रश्न पर उन्होंने कहा कि रुपराज पुरोहित ने अनुमति लेने के लिए मेरे पास आये तथा मेरा शपथ पत्र लेने को कहा, मैन शपथ पत्र देने से इंकार कर दिया। बार बार अपनी बातों से पलटने के प्रश्न पर कहा कि मै बार बार नही पलटता हूॅ मै अपनी जिद पर आज भी अडिंग हूॅ। कथा करने की बजाय दूसरे विवाद में क्यो पडे के प्रश्न पर कहा कि मै कथा के साथ धर्म की रक्षा करना चाहता हूं, इसलिए मै अपनी धर्म रक्षा के लिए आगे आया। संत महात्मा को तो इंसानियता का पाठ पढाना चाहिए और आप धर्म के नाम पर बांटने की बात करते हो के प्रश्न पर कहा कि मै इंसानियता का पाठ पढाने के साथ लोगो को धर्म नीति के बारे में भी बताना जरुरी है। उन्हें धर्म की सही राह पर लाना हमारा कार्य हैं। बायोसा मंदिर दर्शन की बजाय मजार विवाद क्यो किया के प्रश्न पर कहा कि मैंने दर्शन करने के बाद देखा की मजार बनी हूई है, जो गलत है, तो मैंने विरोध किया।

खेलते-खेलते टाई हुक में फंसी, दम घुटा, बच्चे की मौत

बीकानेर । यहां 10 साल के बच्चे की खेल-खेल में मौत हो गई। बच्चा स्कूल से घर लौटकर अपने भाई के साथ खेल रहा था। अचानक उसकी टाई एक हुक में फंस गई, निकलने के लिए बच्चा घूमता गया, लेकिन टाई गले में फंसती गई और उसका दम घुटता गया। चिल्लाने की आवाज सुनकर मां रसोई से आई और बच्चे को हॉस्पिटल ले जाया गया, लेकिन तब तक बच्चे की मौत हो चुकी थी। घटना बीकानेर के श्रीडूंगरगढ़ तहसील के गांव गुसाईसर बड़ा में की है। बच्चे के दादा पेमाराम प्रजापत ने बताया कि पोता कानाराम कुम्हार (11) अपने भाई-बहन के साथ गुंसाईसर बड़ा के एक स्कूल में पढ़ता था। छुट्टी के बाद तीनों घर लौटे थे। उनकी मां बच्चों का खाना परोसने रसोई में चली गई। दोनों पोते कमरे में खेलने लगे। कानाराम की टाई खूंटी में अटक गई। वह घूमता गया और टाई उसके गले में फंस गई। हॉस्पिटल लेकर गए। तब तक

महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर

निविदा सूचना

विश्वविद्यालय में पर्दा, रॉड एवं सॉकेट आपूर्ति मय स्थापना हेतु निविदा जारी की गयी हैं, जिसका यूबीएन GSU2526GSRC00029 हैं। निविदाओं से संबंधित विस्तृत जानकारी http://sppp.rajasthan.gov.in व www.eproc.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।

राज.संवाद/सी/25/7246 वित्त नियंत्रक

Office of the Superintendent Engineer and Project Manager WCDC, Karauli

No. :- 1152 Date :- 30/07/2025

NOTICE INVITING BID

NIB No. : 16/2025-26

Bids for MPT, Talab, Talai, ECD, Farm Pond, Talab renovation work Project PMKSY2.0 Block – Todabhim of estimated value (64.80+15.51) INR 80.31 Lacs [02 Package] are invited from interested bidders up to 11.59 PM, 10-08-2025, Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https://eproc.rajasthan.gov.in or https://sppp.rajasthan.gov.in/) of the state, departmental website. NIB CODE :- WSC2526A0556

UBN NO- WSC2526WSRC00936, WSC2526WSRC00935

Raj.Samwad/C/25/7253 Superintending Engineer and Project Manager

कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जालोर

क्रमांक-लेखा/2025-26/3349 दिनांक-24.07.2025

ई-निविदा सूचना-01/2025-26

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जालोर के अधिन संचालित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र आहोर, सियाणा एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र हरजी के लिए पॉईन्ट ऑफ केयर कार्डियक एण्ड टॉक्सिकोलॉजी मार्कर मशीन आपुर्ति के लिये राजस्थान लोक उपापन में पारदर्शिता अधिनियम 2012 एवं नियम 2013 में विहित नियमों एवं वित्त विभाग द्वारा समय-समय पर जारी प्रावधानों के अन्तर्गत नियमानुसार विनिर्माता/अधीकृत विक्रेताओं से E-Proc. पोर्टल पर बोली आमंत्रित की जाती है।
आवेदन पत्र/निविदा दस्तावेज राज्य लोक उपापन पोर्टल http://eproc.rajasthan.gov.in/ sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।

UBN: MHS2526GLOB03040, NIB: MHS2526A2015

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी
जालोर

DIPR/C/10723/2025

कार्यालय अधिशाषी अभियंता, जन स्वा अभि विभाग, खण्ड कोलायत

क्रमांक-1244 Notice Inviting Bid: 1626/202526 दिनांक-24.07.2025

Bid for various works are invited to registered interested bidder upto 05.08.2025 at 14.00 hours. Other particulars of bid may be visited on the procurement portal www.sppp.rajasthan.nic.in & "http://eproc.rajasthan.gov.in" of the state. The approximate value of the procurement of Rs. 300.70 lacs and maximum value of single work in this procurement is 29.92 lac.

NIT NO.	16	17	18	19	20
UBN NO.	PHE2526WSOB 04930	PHE2526WSOB 04931	PHE2526WSOB 04933	PHE2526WSOB 04934	PHE2526WSOB 04935
NIT NO.	21	22	23	24	25
	PHE2526WSOB 04936	PHE2526WSOB 04937	PHE2526WSOB 04938	PHE2526WSOB 04939	PHE2526WSOB 04940
NIT NO.	26				
	PHE2526WSOB 04941				

जल सीमित है, इसकी बचत करें।

(धर्मेन्द्र कुमावत) अधिशाषी अभियंता
जन स्वा. अभि. विभाग, खण्ड कोलायत

DIPR/C/10573/2025

भारी बारिश के चलते कोटा-बूंदी में बंद करना पड़ा दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे

कोटा, (निसं)। हाड़ौती संभाग में भारी बारिश का क्रम जारी है। इसका असर देखने को मिला है कि दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे के 90 किलोमीटर के हिस्से को बंद करना पड़ा है। यहां के ट्रैफिक को दूसरे नेशनल हाईवे पर डायवर्ट किया गया है। यह कोटा जिले के मंडाना से लेकर बूंदी जिले के लबान तक बंद किया हुआ है। जबकि इसके आगे 60 किलोमीटर मेगा हाईवे कोटा लालसोट से लबान से सवाईमाधोपुर तक जाना पड़ता था लेकिन इस रास्ते को ही मेज नदी की पापड़ी पुलिया क्षतिग्रस्त होने के चलते डाइवर्ट कर दिया गया है। यहां ट्रैफिक लगभग 24 घंटे से भी ज्यादा समय से बंद है। दोनों हिस्सों के पहले से ही ट्रैफिक को डाइवर्ट कर दिया गया है। वाहनों को इस पर चढ़ ने नहीं दिया जा रहा है। बैरिकेडिंग लगाकर बंद किया गया है। नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया के प्रोजेक्ट डायरेक्टर संदीप अग्रवाल ने बताया कि प्रशासन की रिक्वेस्ट पर एक्सप्रेसवे को बंद किया गया है। कब तक बंद रहेगा यह प्रशासन ही क्लियर कर सकता है। सार्वजनिक निर्माण विभाग लाखेरी के अधिशासी अभियंता सतीश सिंघल का कहना कि प्रशासन से पुलिया की स्थिति ठीक नहीं होने के चलते मानसून के पूरे सीजन में रास्ते को बंद करने के लिए कहा है। आगे इसकी जांच के बाद ही क्लियर कर पाएंगे। फिलहाल डेढ़ महीने तक मानसून सीजन में यह बंद रहेगा। दरअसल दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर भारी ट्रैफिक आने लग गया था। यह पूरा ट्रैफिक 8 लेन पर चलने वाला दो लेन के मेगा हाईवे और इस पर बनी मेज नदी की पापड़ी की सिंगल लेन पुलिया से गुजर रहा था। हालांकि केशोरायपाटन कापरेन और अन्य आसपास के इलाकों में जाने वाले ट्रैफिक को लाखेरी से गेंडोली और खटकड़ होकर निकलने दिया जा रहा है। मध्यप्रदेश, गुजरात और महाराष्ट्र की तरफ से आ रहे ट्रैफिक को दरा घाटी पार करने के बाद एक्सप्रेसवे के गोपालपुर इंटरचेंज पर चढ़ ने की जगह नेशनल हाईवे 52 पर डायवर्ट किया जा रहा है। जहां कोटा बाईपास, हैंगिंग ब्रिज होते हुए बल्लोप से बूंदी फिर हिंडौली पहुंच रहे हैं। जहां से वापस 148डी नेशनल हाईवे पर उनियारा होते हुए सवाई माधोपुर की तरफ जा रहे हैं। इसी हाईवे पर दिल्ली मुंबई एक्सप्रेसवे का सवाई माधोपुर इंटरचेंज है जहां से वापस दिल्ली की तरफ जा रहे हैं। दिल्ली से आने वाले ट्रैफिक को भी इसी रूट पर डायवर्ट किया हुआ है। डायवर्टेड रूट से लम्बा हुआ सफर : गोपालपुरा से कोटा बूंदी हिंडौली-उनियारा से वापस एक्सप्रेसवे पकड़ने पर 200 किलोमीटर दूरी होने तय करनी पड़ रही है।

'स्वाधीनता दिवस हर्षोल्लास के साथ फिर से किशनगढ़ बास उपखंड मुख्यालय पर मनाया जाए'

किशनगढ़ बास उपखंड मुख्यालय स्वाधीनता दिवस समारोह मनाएं जाने को लेकर जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपते व्यापारी।

किशनगढ़ बास। 15 अगस्त को पूरे देश में स्वाधीनता दिवस बडे हर्ष और उल्लास के साथ मनाए जाने के लिए विद्यालयों और प्रशासनिक स्तर पर कार्यक्रमों को लेकर तैयारी में जुटने वाले हैं वहीं किशनगढ बास उपखंड मुख्यालय पर स्वाधीनता दिवस मनाया जाने को लेकर लोगों की चिंताएं बढी हुई है। इस को लेकर व्यापारियों का एक प्रतिनिधि मंडल गुरुवार को जिला कलेक्टर किशोर कुमार से मिला है।

किशनगढ़ बास उपखंड मुख्यालय पर स्वाधीनता दिवस समारोह आयोजित कराए जाने को लेकर संयुक्त व्यापार महासंघ अध्यक्ष परमानंद लखयाणी के नेतृत्व में जिला कलेक्टर से मिले विभिन्न व्यापारिक संगठनों के पदाधिकारीयों ने बताया कि खैरथल तिजारा जिला बनने के बाद से किशनगढ बास उपखंड मुख्यालय पर आयोजित होने वाले उपखंड स्तरीय स्वाधीनता एवं गणतंत्र दिवस समारोह जिला मुख्यालय पर आयोजित होने वाले जिला स्तरीय समारोह में समायोजित कर दिया गया। व्यापारियों ने बताया कि 26 जनवरी 2025 से व्यापारियों एवं गणमान्य नागरिकों की मांग पर गणतंत्र दिवस समारोह उपखंड मुख्यालय पर फिर से मनाएं जाने शुरू हुआ शहर के व्यापारियों एवं गणमान्य नागरिकों की मांग है कि गणतंत्र दिवस समारोह की तरह स्वाधीनता दिवस भी हर्षोल्लास के साथ फिर से किशनगढ़ बास उपखंड मुख्यालय पर मनाया जाए। जिला कलेक्टर ने व्यापारियों की मांग को सुना और कार्रवाई का आश्वासन दिया। किशनगढ़ बास उपखंड मुख्यालय पर स्वाधीनता दिवस पर उपखंड स्तरीय समारोह आयोजित किए जाने की मांग को लेकर जिला कलेक्टर से मिलने वालों में संयुक्त व्यापार मदन लाल अग्रवाल, लघु उद्योग संघ अध्यक्ष हरमेश खुराना, टेलर संगठन अध्यक्ष प्रभु दयाल, अनिल खुराना सहित विभिन्न सगठनों के पदाधिकारी मौजूद रहे।

- मौसम विभाग पहले ही तेज बारिश का अलर्ट जारी कर चुका था, जिसे देखते हुए कलेक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने एहतियातन जिले के सभी स्कूलों और आंगनबाड़ी केंद्रों में छुट्टी के आदेश जारी किए।

श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय

जोबनेर 303329, जिला जयपुर (राजस्थान), फोन नं. 01425-254022 (कार्यालय), e-mail Id : dean.skncoa@sknau.ac.in

क्रमांक :- एफ.( )/सीएस/ई बिड/श्रीकनकृमवि/2025/849 दिनांक :- 30/07/2025

ई-बिड सूचना

पशुपालन, प्रायोगिक एवं अन्य कृषि कार्य हेतु सभी श्रेणी के श्रमिक आपूर्ति की ई-बिड प्रपत्र वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है एवं sppp.rajasthan.gov.in and www.sknau.ac.in देखा जा सकता है। ई-बिड प्रपत्र शुल्क राशि 1000.00, धरोहर राशि Rs. 3.40 Lakhs (DD/BC in favour Dean, SKNCOA, Jobner) तथा RISL प्रोसेसिंग फीस राशि 2000.00 भरकर दिनांक 19.08.2025 समय सायं: 05:00 बजे तक Upload करवाना एवं अधिष्ठाता कार्यालय, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर में जमा करवाना होगा एवं दिनांक 20.08.2025 को सुबह 11.30 बजे ई-बिड समिति द्वारा खोली जावेगी।

UBN : SKN2526SLOB00162

राज.संवाद/सी/25/7244 अधिष्ठाता एवं संकाय अध्यक्ष

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER P.W.D. DN. ALIGARH

No.: 1154-63 Dated: 21.07.2025

Notice Inviting Bid 08/2025-26

9 Nos. Bids for Missing Link & Renewal Roads works are invited from interested bidders upto 01.08.2025 Time 6.00 PM. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http:// eproc.rajasthan.gov.in, http:// sppp.rajasthan.gov.in) of the state; and Public Works department Rajasthan website. The approximate value of the procurement is Rs. 863.36 Lacs.

NIB CODE: PWD2526A2125

UBN is: (1) PWD2526WSOB07677, (2) PWD2526WSOB07678,
(3) PWD2526WSOB07689, (4) PWD2526WSOB07690,
(5) PWD2526WSOB07691, (6) PWD2526WSOB07692,
(7) PWD2526WSOB07693, (8) PWD2526WSOB07694,
(9) PWD2526WSOB07695

(B.S. Meena)
Executive Engineer,
P.W.D. Dn. Aligarh

DIPR/C/10708/2025

HAPPY WORLD MILK DAY

अजमेर जिला दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लि., अजमेर

(ISO 22000:20018 प्रमाणित संगठन)

मिलावट खोरों से सावधान, पूजा एवं दैनिक जीवन में सरस शुद्ध ताजा दूध एवं दुग्ध के उत्पाद (घी) उपयोग करें

अजमेर डेयरी की सरस आईसक्रीम

बटर स्कोच, केसर पिस्ता, काजू द्राक्ष, चॉकलेट, वनीला, स्ट्रॉबेरी फ्लेवर्स

कोन आईसक्रीम, बटर स्कोच, चॉकलेट, वनीला, स्ट्रॉबेरी फ्लेवर्स

कैंडी, चॉकलेट, मैंगो, ऑरेंज, रोज़

आईसक्रीम ब्रिक फैमिली पैक वनीला, केसर पिस्ता, स्ट्रॉबेरी, बटर स्कोच फ्लेवर्स

सरस फ्लेवर्ड मिल्क

इलायची
हापुस मैंगो
रोज़
केसर
स्ट्रॉबेरी

मटका दही

5 एवं 15 किग्रा.

पैक्ड पॉश्च्युराईज्ड सरस दूध की किस्में

डबल टोण्ड टोण्ड स्टेण्डराईज्ड गोल्ड

200 मि.ली., 1/2 लीटर, 1 लीटर एवं 6 लीटर पैकिंग में उपलब्ध

चाय साथी

सरस फरमेन्टेड (जावण दुग्ध उत्पाद)

सादा छाछ	नमकीन छाछ	लस्सी	दही (कप)	दही (पाउच)	श्री खण्ड
500 मि.ली.	200 मि.ली.	200 मि.ली.	200 ग्राम	500 ग्राम	100 ग्राम / 500 ग्राम

पैकिंग में उपलब्ध

सरस दीर्घावधि उत्पाद

बटर - 100 ग्राम, 500 ग्राम

व्हाइट बटर - 15 कि.ग्रा. के स्लेब्स में उपलब्ध

सरस कॉग्युलेटेड एवं खोया उत्पाद

पनीर	फीका मावा	बर्फी	पेड़ा
200 ग्राम एवं 1 कि.ग्रा.	200 ग्राम एवं 1 कि.ग्रा.	250 ग्राम एवं 500 ग्राम	250 ग्राम एवं 500 ग्राम पैकिंग में उपलब्ध

स्वादिष्ट नवीन उत्पाद

मैंगो डॉली

स्वादिष्ट नवीन उत्पाद

पुदीना छाछ

सरस घी

1/2 लीटर
1 लीटर पॉलीपैक
5 लीटर टिन
15 कि.ग्रा. टिन पैकिंग

15 किलो
5 लीटर
1 लीटर
1/2 लीटर

सरस दुग्घ पाउडर

1. स्कीम्ड मिल्क पाउडर
   3 ग्राम, 5 ग्राम, 8 ग्राम, 500 ग्राम, 25 कि.ग्रा. पैकिंग
2. डेयरी व्हाईटनर - 400, 1 कि.ग्रा., 25 कि.ग्रा. पैकिंग
3. हॉल मिल्क पाउडर - 25 कि.ग्रा. पैकिंग
4. बेबी फूड पाउडर - 500 ग्राम, 1 कि.ग्रा. टिन पैकिंग

सरस, दूध एवं दुग्ध उत्पादों हेतु
मोबाईल (चलायमान) बिक्री केन्द्रों हेतु
(ई-रिक्शा, ट्रॉय साइकिल आदि)
जिसमें प्रशीतन की सुविधा
हो पूछताछ आमंत्रित की जाती है।

विशेष निवेदन

1. उपरोक्त उत्पादों का नए संयंत्र से निर्माण आरंभ हो चुका है जिन्हें रियायती दर पर उपलब्ध करवाया जाएगा।
2. पहले आओ-पहले पाओ, जो भी उपरोक्त उत्पाद का डीलरशिप लेना चाहता है सम्पर्क सूत्र मो.नं. 9414004346 एवं 9928191944 प्रत्येक उत्पाद पर आकर्षक कमीशन दिया जाएगा। जिला / अन्तरजिला / प्रादेशिक डीलरशिप हेतु पूछताछ आमंत्रित है।
3. समस्त होटल / बेकरी प्रतिष्ठान / मॉल (मॉर्डन ट्रेड) / सहकारी भण्डार एवं बीएमसी (बल्क मिल्क कूलर) संचालकों से निवेदन है कि नवीन तकनीक द्वारा निर्मित उत्पादों का भरपूर लाभ उठाएं।

व्यापारिक पूछताछ हेतु अजमेर जिले एवं अन्य जिले के व्यापारीगण सभी आमंत्रित हैं फोन : 0145-2440013 / 2440027, 18001806082

मैं दिल हूँ इक अरमान भरा, तू आके मुझे पहचान ज़रा...

इंदिरा गांधी

बहरहाल, सब कुछ दिल्ली में ही नहीं हुआ, काफी कुछ जयपुर में भी हुआ था। उस दिन, जो मैंने, राष्ट्रदूत में एक नौसिखिया, चौबीस वर्षीय प्रशिक्षु पत्रकार के रुप में, देखा व महसूस किया, आप लोगों से शेयर करना चाहता हूं, इससे पहले कि याददाश्त और धुंधली पड़ जाये और राष्ट्रदूत का वह अनुभव अनकहा, अनसुना रह जाये, तथा मन पर एक बोझ बना रहे कि समय रहते कुछ क्यों नहीं किया। अखबार, महाभारत के संजय की भांति, महाराज धृष्टराष्ट्र को केवल युद्ध का विवरण सुनाते थे, अपनी भावनाओं व भय को, अपने तक ही सीमित रखते थे। इसी तरह निष्पक्ष और तटस्थ रहना ही रिपोर्टर को सिखाया जाता था, पहले दिन से ही।

जगजीवन राम

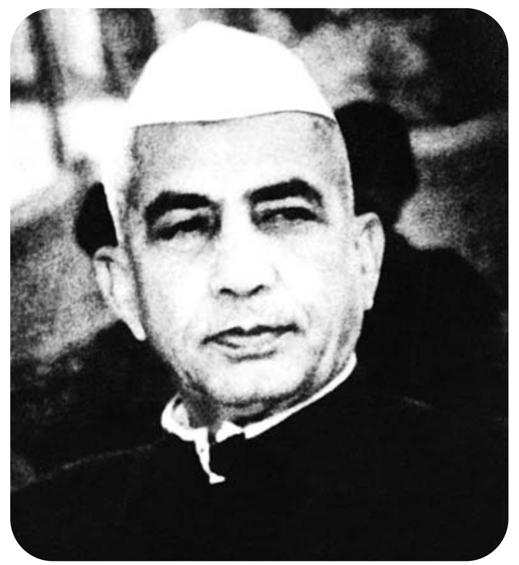
चौधरी चरण सिंह

जॉर्ज फर्नांडिस

इस घटनाक्रम का पूरा मंथन हुआ और गुप्ताजी को पहले पेज के लिए ‘‘न्यूज़’’ बनाने का जिम्मा सौंपा गया। न्यूज का आशय यह होना था, कि राज्य सरकार में कुछ खास ‘‘इमरजेंसी’’ सा डवलपमैंट, देर रात तक सभी वरिष्ठ अधिकारियों की अचानक लम्बी बैठक, और मुख्यमंत्री अपने पुत्र की शादी के कार्यक्रम को अफरातफरी में पूरा कर, स्टेट प्लेन से दिल्ली गये। अगले दिन राजस्थान में ‘‘इमरजेंसी’’ लागू कर दी गई थी। गुप्ता जी की खबर की हैडिंग में ‘‘इमरजेंसी’’ शब्द का उपयोग, बहुत सटीक रहा, और उन्हें बड़ी बधाईयां मिलीं, पत्रिका के विजय भण्डारी ने राष्ट्रदूत आकर, गुप्ता जी को बधाई दी।

मोरारजी देसाई

अटल बिहारी वाजपेयी

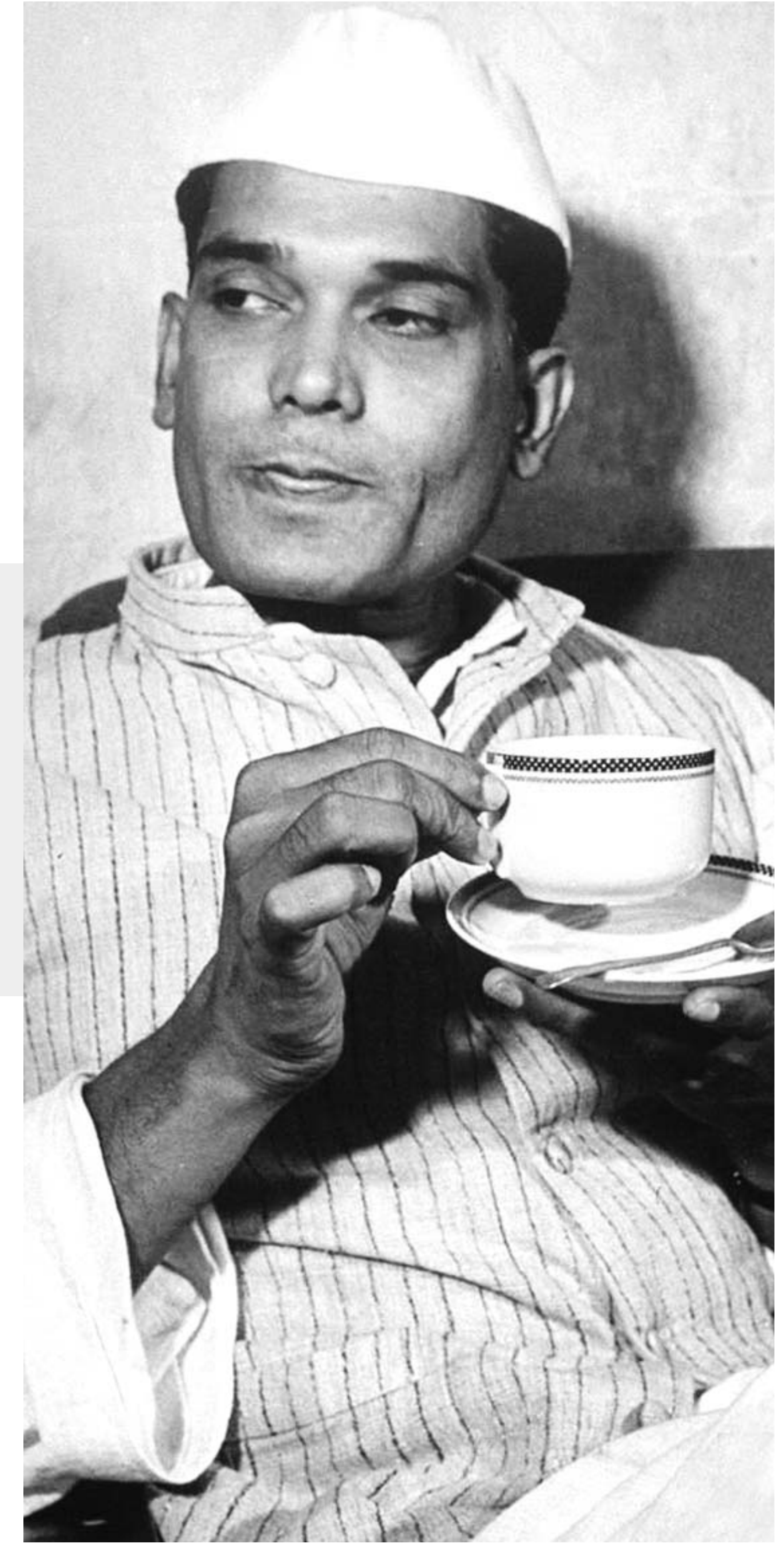
जयप्रकाश नारायण

राजेश शर्मा

प्रधान सम्पादक राष्ट्रदूत

26 जून से आज तक, लगभग सभी अखबारों ने ‘‘इमरजैंसी’’ के बारे में अपने अनुभव के बारे में खूब लिखा। कई अखबारों, जैसे इण्डियन एक्सप्रेस ने तो कई दिनों तक लगातार अपने अखबार के, अपने मालिक के, अपने संपादकों के, अपने रिपोर्टर्स के, यहां तक कि उस समय के उनके ड्राइवरों व अन्य प्रशासनिक कर्मचारियों तक के अनुभवों को अपने पाठकों से साझा किया।

यह जरूरी भी था, क्योंकि इन लोगों ने अपनी आँखों से ‘‘इतिहास’’ देखा था, भय महसूस किया था, और अपने प्रौफेशन को अनिश्चितता से ढकते देखा था। कुछ युवा खबरनवीसों को तो विश्वास नहीं हो रहा था, कि देश में ऐसा भी हो सकता है।

बहरहाल, सब कुछ दिल्ली में ही नहीं हुआ, काफी कुछ जयपुर में भी हुआ था। उस दिन, जो मैंने, राष्ट्रदूत में एक नौसिखिया, चौबीस वर्षीय प्रशिक्षु पत्रकार के रुप में, देखा व महसूस किया, आप लोगों से शेयर करना चाहता हूं, इससे पहले कि याददाश्त और धुंधली पड़ जाये और राष्ट्रदूत का वह अनुभव अनकहा, अनसुना रह जाये, तथा मन पर एक बोझ बना रहे कि समय रहते कुछ क्यों नहीं किया उन स्मृतियों को जीवित रखने के लिए, क्योंकि यह उन दिनों की बात है, जब अखबार, महाभारत के संजय की भांति, महाराज धृष्टराष्ट्र को केवल युद्ध का विवरण सुनाते थे, अपनी भावनाओं व भय को, अपने तक ही सीमित रखते थे। इसी तरह निष्पक्ष और तटस्थ रहना ही रिपोर्टर को सिखाया जाता था, पहले दिन से ही।

आज कल सम्पादकीय विभाग का वह माहौल गायब सा हो गया है, ऑन लाइन, ‘‘वर्क फ्रॉम होम’’ आदि, ईजाद किये गये काम करने के नये-नये तरीकों के कारण। अर्ली मॉर्निंग शिफ्ट, लेट नाइट शिफ्ट, रैग्युलर शिफ्ट के कारण सम्पादकीय विभाग का कोई न कोई व्यक्ति, लगभग हर समय होता ही था दफ्तर में। लगभग हर समय कोई छोटा या बड़ा प्रशिक्षु या कोई अनुभवी व्यक्ति दफ्तर से सम्पर्क कर लेता था, कुछ बताने के लिए, कुछ जानने के लिए, और शाम को तो पूरा ‘‘एडिटोरियल विभाग’’ मधुमक्खी के छत्ते की भांति, कामकाज की रोजमर्रा की ध्वनियों से जीवन्त रहता था। अतः यह तो कहना मुश्किल है कि यह कब एहसास हुआ कि अब कोई बड़ा राजनीतिक हादसा होने वाला है। पर, कुछ बड़ा पक रहा है, यह अहसास सबको होने लगा था, प्रेस के एडिटोरियल सैक्शन में।

हालांकि मेरी भूमिका इस जोश-खरोश के वातावरण में नगण्य सी ही थी। मैं प्रशिक्षु था, आई.आई.टी. व एक्स. एल.आर.आई. से पास होकर आया ही था, और अखबार में क्या करना है, तलाश ही रहा था। केवल ये निर्देश थे कि आँख-कान खुले रखो और ‘‘ऑब्ज़र्व’’ करो, क्योंकि ‘‘एडिटोरियल’’ पवित्र जगह है, यहाँ सबको अपना-अपना काम करने दो शांति से, किसी तरह का हस्तक्षेप अक्षम्य है, चाहे हस्तक्षेप की इच्छा रखने वाला मालिक का बेटा ही क्यों न हो। इस सन्दर्भ में एक किस्सा काफी प्रचलित था। टाइम्स ऑफ इण्डिया के संपादक गिरिलाल जैन, एडिटोरियल की मीटिंग ले रहे थे, अचानक समीर जैन हॉल में आये, गिरीलाल जैन ने भृकुटी तान कर समीर को इस तरह देखा, जैसे कह रहे हों, ‘‘आप क्या चाहते हैं, हमारे लाइट, पंखे व बाथरूम ठीक काम कर रहे हैं, आप यहां क्यों आये हैं।’’

बहरहाल, ‘‘एडिटोरियल’’ की रौनक इतनी आकर्षक व ‘‘एक्साइटिंग’’ थी कि मैं बेवजह वहां चिपका ही रहता था। लोग (न्यूज़ मेकर) आते थे, जाते थे, दिन भर किस्से कहानियां शेयर की जाती थीं, टीका -टिप्पणियां सुनी-सुनाई जाती थीं, कटाक्ष भी एक दूसरे पर फेंके जाते थे।

हालांकि यह कहना सम्भव नहीं है कि एडिटोरियल डिपार्टमैंट के माहौल में अचानक इतनी तेजी कैसे आई। पर यह कहने में कुछ हिचकिचाहट नहीं कि देश का राजनीतिक तापमान गर्माने में सबसे ज्यादा निर्णायक भूमिका चौहत्तर वर्षीय जयप्रकाश नारायण की थी।

स्वतंत्र भारत में जन्मी युवा पीढ़ी शायद उन्हें उतना करीब से नहीं जानती थी। पर जयप्रकाश जी की छवि उनके मन में परिवार के एक बुजुर्ग जैसी थी, जिसे पूर्णतया ‘‘ट्रस्ट’’ किया जा सकता है, और जो स्नेह से ओत-प्रोत, पर समझदारी पूर्ण, सुलझी हुई बात कहता है। 1973-74 में एक पारिवारिक शादी के लिए पूरे बैद्यनाथ परिवार का दिल्ली में जमावड़ा था। जमावड़े का केन्द्र था, रामेश्वर ठाकुर का आनन्द निकेतन बंगला। ठाकुर साहब बाद में सफल राजनीतिज्ञ बने और कांग्रेस पार्टी ने उनकी विश्वसनीयता की कद्र करते हुए, उन्हें केन्द्रीय मंत्री व गवर्नर आदि पद भी दिये। बंगले की ‘‘मेन बिल्डिंग’’ में घुसते ही एक बड़ा हॉलनुमा कमरा था, जिसके ग्लास पैनल वाले दरवाजों से एक वृद्ध दिखाई पड़ते थे, जो ज्यादातर अध्ययन रत से ही रहते थे। युवा पीढ़ी, शादी का शोर-शराबा और हंसी-मजाक के माहौल में भी, बिना कहे हॉल के आस-पास चहल कदमी पर अंकुश सा लगा रहता था। आते-जाते कभी आमना सामना हो जाये, तो उनकी स्नेह पूर्ण, पर कुछ थकी सी आँखे, कुछ मुस्कुरा सी देती थीं। यह कृष काया, जयप्रकाश बाबू की थी, और मुझे तो बाद में कुछ आश्चर्य सा ही हुआ, जब इस ‘‘माइल्ड मैनर्ड’’ व्यक्ति ने, देश की ‘‘जोरदार’’ प्रधानमंत्री इन्दिरा गांधी के खिलाफ सम्पूर्ण क्रान्ति का नारा दिया, और कुछ साल पहले ही पाकिस्तान के दो टुकड़े करने वाली महिला के घुटने टिकवा दिये। जयप्रकाश बाबू की मूल व सबसे मजबूत समर्थक युवा पीढ़ी थी, जो उनमें पितामह की छवि देखती थी।

> **हजारी बाबू बोले, ‘‘चलो गुप्ताजी, हम यहां क्या भाषण सुनने आये हैं।’’ हजारी बाबू के उठते ही ‘‘महफिल’’ उठ सी गई। जोशी जी हजारी बाबू के पीछे पीछे आये, ‘‘अरे ठहरिये हजारी बाबू, सब कुछ दे दिया जायेगा आपको।’’ हजारी बाबू घर आकर ही रुके। शहर में चर्चा फैली, कि हजारी बाबू गिरफ्तार हो गये हैं या हो जायेंगे। मैंने गुप्ताजी से पूछा, उन्होंने बड़े विश्वास से कहा, ‘‘जोशी जी ऐसा नहीं कर पायेंगे। बाबूजी का भारी योगदान रहा है कांग्रेस को जमाने में, जो सब जानते हैं।’’**

> **स्वतंत्र भारत में जन्मी युवा पीढ़ी शायद उन्हें उतना करीब से नहीं जानती थी। पर जयप्रकाश जी की छवि उनके मन में परिवार के एक बुजुर्ग जैसी थी, जिसे पूर्णतया ‘‘ट्रस्ट’’ किया जा सकता है, और जो स्नेह से ओत-प्रोत, पर समझदारी पूर्ण, सुलझी हुई बात कहता है। इस ‘‘माइल्ड मैनर्ड’’ व्यक्ति ने, देश की ‘‘जोरदार’’ प्रधानमंत्री इन्दिरा गांधी के खिलाफ सम्पूर्ण क्रान्ति का नारा दिया, और कुछ साल पहले ही पाकिस्तान के दो टुकड़े करने वाली महिला के घुटने टिकवा दिये।**

25 जून की शाम ‘‘एडिटोरियल’’ विभाग में अजीब सी चुप्पी थी। जय प्रकाश बाबू ने दिल्ली के रामलीला मैदान से आम सभा को सम्बोधित करते हुए, सरकारी अफसरों व अन्य मुलाज़िमों का खुला आव्हान किया था, कि अगर सरकार जनता विरोधी आदेश देती है, क्रियान्वन के लिए, तो उन्हें इन आदेशों की अवहेलना करने का पूरा नैतिक अधिकार है।

जयप्रकाश बाबू का यह खुला आव्हान एक तरह से सरकारी कर्मचारी को खुली बगावत करने का आमंत्रण दे रहा था। इस आमंत्रण का क्या हश्र होगा, पूरा ‘‘सम्पादकीय विभाग’’ श्वास रोक कर आशंका से इन्तज़ार कर रहा था। तभी राष्ट्रदूत के चीफ रिपोर्टर और हजारी बाबू के अत्यन्त विश्वास पात्र मोहन लाल गुप्ता ने याद दिलाया, कि बी.एन. जोशी के घर पर विवाहोत्सव है। जोशी जी पुराने कांग्रेसी नेता थे। तब पी.सी.सी. में एक ही महासचिव होता था। मूलतः बांदीकुई के रहने वाले बी.एन. जोशी वर्षों से पार्टी के एक मात्र महासचिव थे। राज्य व केन्द्र में कांग्रेस की ही सरकार थी, अतः, रूलिंग पार्टी के प्रदेश महासचिव का अलग ही महत्व था। कांग्रेस उस जमाने में भी दो सशक्त खेमों में बंटी हुई थी। प्रथम मुख्यमंत्री जयनारायण व्यास के समर्थक अनुयायियों का ग्रुप, जो प्रायः जोधपुर ग्रुप के नाम से जाना जाता था।

दूसरा खेमा सुखाड़िया खेमा कहलाता था, जिसे उदयपुर खेमा या सत्तापक्ष भी कहते थे। दोनों में (हैल्दी) प्रतिस्पर्धा भी खुलकर चल रही थी। उदाहरण के लिए, एक बार उदयपुर खेमे के सैकण्ड-इन-कमांड देवपुरा जी से मैंने पूछा कि ऐसा कैसे हुआ कि वे 1952 से लगातार विधायक रहे, केवल 1962 को छोड़ कर। उन्होंने हंसकर मुस्कुराते हुए जवाब दिया, ‘‘आपके पिताजी ने मेरा टिकट प्रदेशाध्यक्ष जयनारायण जी से कटवा दिया था, क्योंकि 1957 में हमने उनको विधानसभा चुनाव में, जब सुखाड़िया जी मुख्यमंत्री थे, कोटपुतली से हरवा दिया था, क्योंकि वे व्यास जी के सैकण्ड-इन-कमांड थे।’’

इस तरह से उस समय दो खेमों में विभक्त कांग्रेस का एक मात्र निर्वाचित महासचिव होना बड़े महत्व की बात थी। मूलतः बी.एन. जोशी जयनारायण व्यास ग्रुप के थे, पर सुखाड़िया ग्रुप लगातार सत्ता में था, पहले स्वयं सुखाड़िया, फिर हरदेव जोशी और फिर देवपुरा। पर, किसी भी ग्रुप को बी.एन. जोशी ने अपनी विश्वसनीयता व निष्ठा पर अंगुली उठाने का मौका कभी नहीं दिया।

स्वाभाविक ही था, उनके परिवार के विवाहोत्सव में सभी राजनीतिज्ञ तो मौजूद थे ही, मुख्य सचिव सहित सचिवालय के सभी बड़े अफसर शामिल थे। हजारी बाबू ने गुप्ता जी के कान में कहा, ‘‘मालूम करो क्या बात है। एक-एक करके वरिष्ठ सरकारी अधिकारी मुख्यमंत्री सचिव के पास जा रहे हैं, दो सैकण्ड बात होती है, और वह अधिकारी चुपचाप खिसक लेता है।’’

विवाहोत्सव, जो एम.आई.रोड पर राष्ट्रदूत ऑफिस से लगभग सामने एम.एल.ए. क्वाटर्स के बंगले में था, से लौट कर गुप्ताजी अफसरों को फोन करने में लग गये, और फिर हजारी बाबू से बोले, पता नहीं क्यों, पर कोई भी वरिष्ठ अधिकारी घर पर नहीं मिला। सबके यहां से एक ही जवाब मिल रहा है, ‘‘सचिवालय गये हैं, कोई मीटिंग है।’’

यह सब जानकारी इकट्ठी करते-करते लगभग ग्यारह बज गये थे। हजारी बाबू ने कहा, ‘‘मुख्यमंत्री जोशी को फोन करके पूछो। बांसवाड़ा फोन करके मुख्यमंत्री के स्टाफ से बात हुई, जवाब मिला अभी जोशी बेटे की शादी के फेरों में बैठे हैं, उठते ही बात करा देंगे। गुप्ताजी ने आधे घण्टे बाद फिर फोन किया, उसी स्टाफ के आदमी ने कहा, ‘‘गुप्ता जी माफ करना बात नहीं करा सका। फेरे से उठते ही मुख्यमंत्री स्टेट प्लेन से दिल्ली रवाना हो गये थे।’’

इस घटनाक्रम का पूरा मंथन हुआ और गुप्ताजी को पहले पेज के लिए ‘‘न्यूज़’’ बनाने का जिम्मा सौंपा गया। न्यूज का आशय यह होना था, कि राज्य सरकार में कुछ खास ‘‘इमरजेंसी’’ सा डवलपमैंट, देर रात तक सभी वरिष्ठ अधिकारियों की अचानक लम्बी बैठक, और मुख्यमंत्री अपने पुत्र की शादी के कार्यक्रम को अफरातफरी में पूरा कर, स्टेट प्लेन से दिल्ली गये। अगले दिन राजस्थान में ‘‘इमरजेंसी’’ लागू कर दी गई थी। गुप्ता जी की खबर की हैडिंग में ‘‘इमरजेंसी’’ शब्द का उपयोग, बहुत सटीक रहा, और उन्हें बड़ी बधाईयां मिलीं, पत्रिका के विजय भण्डारी ने राष्ट्रदूत आकर, गुप्ता जी को बधाई दी।

अभी सब परिवार वाले, सुबह-सुबह इस सफलता का रसास्वादन कर ही रहे थे, एक काली अम्बेसडर गाड़ी आकर रुकी और उसके पीछे पुलिस का एक ट्रक था, जिसमें से पुलिस वाले बिना इजाज़त राष्ट्रदूत के कार्यालय घुस रहे थे, जहां अंदर के पेजों की तैयारी में, ‘‘कम्पोज़ीटर’’ सम्पादकीय विभाग से कॉपी लेकर कम्पोज़िंग शुरू कर रहे थे। पुलिस वालों ने उन कम्पोज़ीटरों के हाथ से, कॉपियाँ, छीनना शुरू कर दिया।

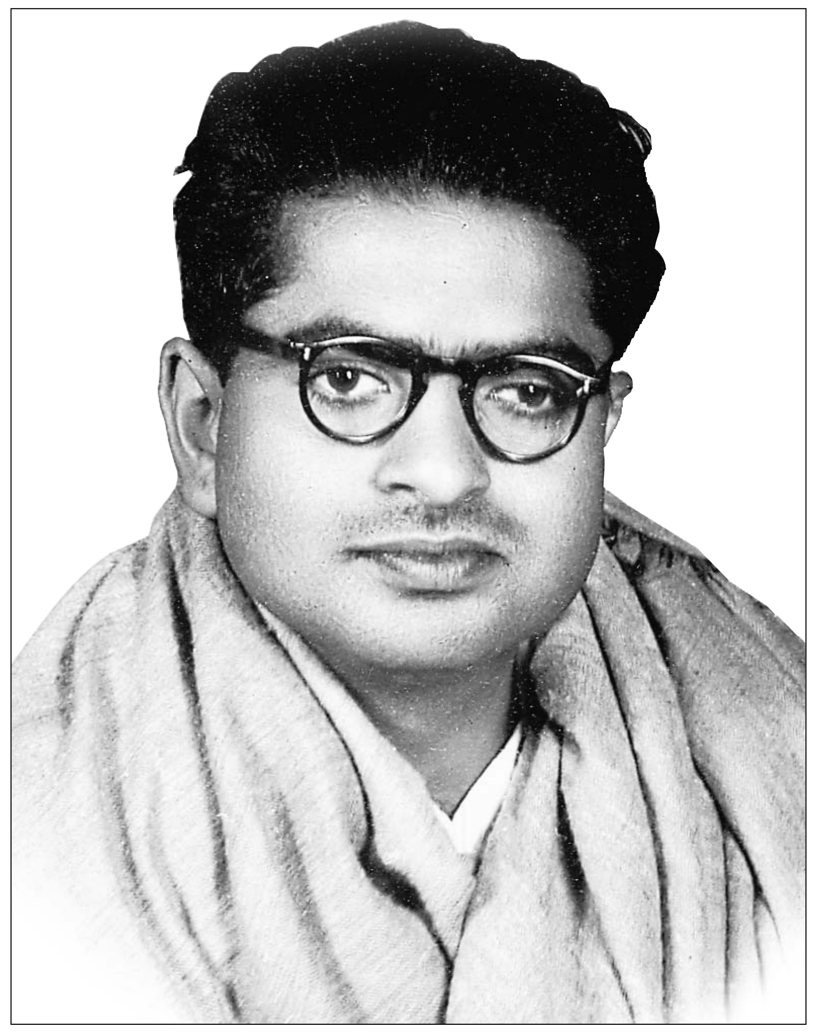

हजारी बाबू अपनी चप्पल सम्भालते हुए, वहां पहुंचे, तथा उस अधिकारी से तमतमाते हुए पूछा, ‘‘ये क्या हो रहा है?’’ बड़ी विनम्रता से वह अधिकारी बोला, ‘‘हजारी बाबू विचलित न हों। सरकारी आदेश है, मैं अभी आपको सब कुछ बताता हूं।’’ उस अधिकारी ने अपना वाक्य पूरा भी नहीं किया था, कि किसी मुलाज़िम ने बिजली के खम्भों पर चढ़कर, ‘‘फ्यूज़’’ निकाल दिये, तथा दफ्तर, प्रेस व घर पर से बिजली चली गई, एक अंधेरा सा छा गया, एक चुप्पी सी छा गयी।

सभी स्तब्ध रह गये। मुझे तो लगा जैसे दिल की धड़कन ही बंद हो गई, क्योंकि अखबार के दफ्तर में एडियोरियल में, प्रेस में सदा एक चहल कदमी रहती थी, लगभग चौबीस घण्टे। गत 26 जनवरी को ही राष्ट्रदूत अपने पुराने ठिकाने से उठकर, एम.आई. रोड स्थित नये पते पर आया था तथा छब्बीस जनवरी का अंक नये प्रेस में नई रोटरी मशीन पर छपा था। पर, पुराने प्रेस में अभी पुरानी व्यवस्था, कम्पाज़ीटर्स के टाइप, पेज बनाने के लिए फर्मे व पुरानी मशीनें यथावत् खड़ी थीं। हल्दियों के रास्ते में, गोधों के चौक में स्थित पुराने प्रेस की तीसरी मंजिल पर, प्रेस मैनेजर धर्मेन्द्र शुक्ला व उनका परिवार रहता था। दम घुटता, इससे पहले भागकर शुक्लाजी को फोन लगाया गया और निर्देशित किया गया, कि, कम्पोज़ीटरों को इकट्ठा करके पुरानी प्रेस बुला लो, तथा एडिटोरियल स्टाफ को भी वहां ही भेज रहे हैं, जिससे पुराने प्रेस से अखबार निकाला जा सके। फोन सुनकर शुक्लाजी इन्तजामात में जुट ही रहे थे, कि, वहां भी सरकारी जत्था पहुंच गया, और खंभे से बिजली काट दी। हम लोग भूल गये थे, कि, जो सरकार बिजली काट सकती है, वह फोन तो पहले ‘‘टैप’’ करेगी।

> **हल्दियों के रास्ते में, गोधों के चौक में स्थित पुराने प्रेस की तीसरी मंजिल पर, प्रेस मैनेजर धर्मेन्द्र शुक्ला व उनका परिवार रहता था। दम घुटता, इससे पहले भागकर शुक्लाजी को फोन लगाया गया और निर्देशित किया गया, कि, कम्पोज़ीटरों को इकट्ठा करके पुरानी प्रेस बुला लो, तथा एडिटोरियल स्टाफ को भी वहां ही भेज रहे हैं, जिससे पुराने प्रेस से अखबार निकाला जा सके। फोन सुनकर शुक्लाजी इन्तजामात में जुट ही रहे थे, कि, वहां भी सरकारी जत्था पहुंच गया, और खंभे से बिजली काट दी। हम लोग भूल गये थे, कि, जो सरकार बिजली काट सकती है, वह फोन तो पहले ‘‘टैप’’ करेगी।**

ऐसी तड़पन थी, माहौल में। क्योंकि शायद किसी को स्वप्न में भी यह कल्पना नहीं थी की कि राष्ट्रदूत के साथ भी ऐसा हो सकता है। जो भी मिलने आ रहा था, ऐसा लग रहा था, किसी गमी में शरीक होने आ रहा है। हजारी बाबू भी गम्भीर थे, पर मेरी ही नहीं, हर व्यक्ति की हर आशंका का, बेचैनी से जवाब दे रहे थे। ‘‘क्या अखबारों का भविष्य खत्म है?’’, ‘‘क्या कभी चुनाव होंगे?’’ वे विश्वास पूर्वक दृढ़ता से कह रहे थे, ‘‘आप घड़ी को उल्टा नहीं सकते (यू कान्ट टर्न -द क्लॉक बैक)। अब प्रजातंत्र खत्म नहीं किया जा सकता हिन्दुस्तान में। ‘‘सस्पैंड’’ जरूर किया जा सकता है कुछ समय के लिए।’’

दोपहर में गुप्ताजी खबर लाये कि मुख्यमंत्री ने अपने निवास, आठ ‘‘सिविल लाइंस’’ पर, अखबारों के मालिकों और वरिष्ठ पत्रकारों को बुलाया है। हजारी बाबू, गुप्ताजी के स्कूटर पर पीछे बैठ कर वहां पहुंचे। काफी लोग पहले ही पहुंच चुके थे। हरदेव जी, उस दिन का घटना क्रम समझा रहे थे, कि कैसे देश में अराजकता का वातावरण बन गया है, तथा कानून-व्यवस्था बनाये रखने के लिए केन्द्रीय सरकार ने ‘‘इमरजैंसी’’ घोषित कर दी है, तथा अखबारों पर ‘‘सैंसर शिप’’ लागू होगी। हजारी बाबू भरे हुए तो थे ही, ‘‘क्या यह बताने के लिए हम लोगों को बुलाया है। मैंने ब्रिटिश राज की ‘‘सैंसर शिप’’ भी देखी है। क्या छपेगा, क्या नहीं छपेगा, कोई गाइड लाइन जारी की है, आपने। प्री-सेंसर शिप की क्या प्रक्रिया होगी? जवाब मिला, ‘‘गाइड लाइन तैयार हो रही है, ...।’’ हजारी बाबू बोले, ‘‘चलो गुप्ताजी, हम यहां क्या भाषण सुनने आये हैं।’’ हजारी बाबू के उठते ही ‘‘महफिल’’ उठ सी गई। जोशी जी हजारी बाबू के पीछे पीछे आये, ‘‘अरे ठहरिये हजारी बाबू, सब कुछ दे दिया जायेगा आपको।’’ हजारी बाबू घर आकर ही रुके। शहर में चर्चा फैली, कि हजारी बाबू गिरफ्तार हो गये हैं या हो जायेंगे। मैंने गुप्ताजी से पूछा, उन्होंने बड़े विश्वास से कहा, ‘‘जोशी जी ऐसा नहीं कर पायेंगे। बाबूजी का भारी योगदान रहा है कांग्रेस को जमाने में, जो सब जानते हैं।’’

बहरहाल गिरफ्तारी तो नहीं हुई, पर उस दिन से अखबारों की ‘‘सैंसरशिप’’ शुरू हो गई। सैंसर शिप करने वाला सरकारी कर्मचारियों का स्टाफ डी.पी.आर. के दफ्तर में बैठने लगा, तथा अखबार वाले शाम से अपने अखबारों के प्रूफ लेकर वहां जाने लगे, कुछ आपत्तिजनक न पाने पर, सैंसर शिप करने वाला स्टाफ उस पर हस्ताक्षर करके, मोहर लगाकर वापस दे देता था। मैसेज था, आपके अखबार ने सैंसर की सीढ़ी पार कर ली है, तथा अब आप छपाई कर सकते हैं। इस सैंसरशिप के शीर्ष अधिकारी थे, साफ सुलझे गृह सचिव एल.एन. गुप्ता, उनकी सूझ-बूझ से ही सैंसर शिप का नाजुक दौर निकल गया। एक बार तो राष्ट्रदूत में छपने आया आधा पेज का विज्ञापन, ‘‘लास्ट मिनट’’ में इसलिए रोक दिया गया, क्योंकि विज्ञापन ‘‘मोरारजी मिल्स’’ का था। अफरा-तफरी मच गई, क्योंकि, छपाई से ठीक पहले, आधा पेज की खबरें, कम्पोज़ कराकर कहां से लायें। हल्ला सुनकर, एल.एम. गुप्ता साहब आये और मौके की नाज़ुकता समझी, कि उनके स्टॉफ की सार्वजनिक रूप से ‘‘हेटी’’ भी न हो, और अखबार वाले के लिए अनावश्यक दिक्कतें भी न बढ़ें। बड़े अफसराना तरीके से, गम्भीर आवाज़ में निर्णय सुनाया अपने स्टॉफ को, ‘‘इस बार चेतावनी देकर छोड़ दो, अगली बार पूरी सख्ती करना।’’

आपातकाल के ‘‘फायदे’’ भी जरुर होंगे, आखिर तभी राजस्थान पत्रिका के बहु आदरणीय सम्पादक कपूर चन्द जी कुलिश ने उस दौरान पूरे प्रदेश का दौरा किया, और आपातकाल की अच्छाइयों, जो उन्होंने देखीं और महसूस कीं, का वर्णन अपनी किताब ‘‘मैं देखता चला गया’’ में किया। यह गिनाया गया कि आपातकाल में सरकारी कर्मचारी समय से दफ्तर आने लगे थे, रिश्वत लेने से घबराने लगे थे। ऐसा अहसास कराया गया कि अब स्वर्णिम युग की शुरूआत होगी। बेकाबू दौड़ते हुए घोड़े के वेग से बढ़ती आबादी पर रोक लगेगी (नसबन्दी), सरकारी व सार्वजनिक भूमि पर अतिक्रमण रूकेगा ही नहीं बल्कि, पुराने अतिक्रमण व अवैध निर्माण भी तोड़े जायेंगे (दिल्ली का बहुचर्चित तुर्कमान गेट प्रकरण)। उन दिनों में मैं पारिवारिक प्रतिष्ठान श्री बैद्यनाथ आयुर्वेद भवन में प्रेसीडैंट भी था, तथा कई बार इलाहाबाद बोर्ड मीटिंग के लिए भी जाया करता था। इलाहाबाद में यू.पी. का ए.जी. ऑफिस है। उसकी बिल्डिंग व प्रांगण, राजस्थान के सचिवालय से दुगना है साइज़ में। जब इमरजैंसी लागू हुई व रोज हाजरी ली जाने लगी सीट पर, तो यह उजागर हुआ कि जितने कर्मचारी व अफसर ‘‘रोल’’ पर हैं, अगर अपनी सीटों पर बैठना चाहें, तो यह सम्भव नहीं है, बीस प्रतिशत कुर्सियां कम हैं।

> **हजारी बाबू भी गम्भीर थे, पर मेरी ही नहीं, हर व्यक्ति की हर आशंका का, बेचैनी से जवाब दे रहे थे। ‘‘क्या अखबारों का भविष्य खत्म है?’’, ‘‘क्या कभी चुनाव होंगे?’’ वे विश्वास पूर्वक दृढ़ता से कह रहे थे, ‘‘आप घड़ी को उल्टा नहीं सकते (यू कान्ट टर्न -द क्लॉक बैक)। अब प्रजातंत्र खत्म नहीं किया जा सकता हिन्दुस्तान में। ‘‘सस्पैंड’’ जरूर किया जा सकता है कुछ समय के लिए।’’**

बहरहाल, मेरी पत्नी के पितामह पं. मौलीचन्द शर्मा, जनसंघ के प्रथम महासचिव थे तथा श्यामा प्रसाद मुखर्जी की मृत्यु के बाद अध्यक्ष बने। जन संघ, आर.एस.एस. नेटवर्क पर कुलिश जी शायद उनसे परिचित थे, क्योंकि, वे मौलीचन्द जी के घर जाकर अपनी पुस्तक उनको भेंट करके आये थे, जैसा मौलीचन्द जी ने जिक्र किया था। मौलीचन्द जी हालांकि, पं. नेहरू जी से नजदीकी के कारण या उनसे प्रभावित होकर कांग्रेस के भी नजदीक चले गये थे। टाइम्स ऑफ इंडिया से कुपित होकर कांग्रेस सरकार ने इस अखबार को, न्यूज़ प्रिंट में गोल-माल का आरोप लगाकर, अधिग्रहित करने का मन बना लिया था, तथा सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस शाह को बैनट कोलमैन एण्ड कम्पनी (टाइम्स ऑफ इंडिया) अखबार के प्रकाशक व मालिक के बोर्ड का अध्यक्ष मनोनीत किया तथा काम काज देखने के लिए मौलीचन्द जी को ‘‘एक्ज़िक्युटिव डॉयरेक्टर’’ के साथ ही नवगठित लैंगवेज कमीशन का चार्ज भी सौंपा, पर जैसा कि उस समय का चलन था, और परिपाटी थी, मौलीचन्द जी के जनसंघ/आर.एस.एस. के साथ सम्बन्धों में कोई खटास नहीं आई। तथा जनसंघ के दिग्गज, जैसे बसंत राव ओक आदि, प्रायः उनके पास बैठे हुए मिल जाते, जब भी मैं वहां गया।

इमरजैंसी के बाद, जब जनता पार्टी चुनाव जीती, तथा नई सरकार ने राजघाट पर शपथ लेने का मन बनाया, जनता पार्टी के तीनों घटकों को (कांग्रेस (ओ.)), सोशलिस्ट व जनसंघ के वरिष्ठ नेताओं को शपथ ग्रहण समारोह को ‘‘लीड’’ करने के लिए आमंत्रित किया गया। कांग्रेस (ओ.) का प्रतिनिधित्व कृपलानी जी ने किया, सोशलिस्टों की ओर से जयप्रकाश बाबू, तथा, जनसंघ की ओर से मौलीचन्द जी से आग्रह किया गया था। पर, ‘‘किन्हीं’’ कारणों से वे हिचकिचा गये थे। और कुछ समय बाद उनकी मृत्यु हो गई। कहा जाता है, कुलिश जी ने ‘‘मैं देखता चला गया’’ का नया रिवाइज़्ड संस्करण भी छापा था, पर, मैं नहीं देख पाया, क्योंकि तब तक मौलीचन्द जी की मृत्यु हो चुकी थी, तथा उन्हें प्रतिलिपी शायद भेंट नहीं मिल पाई थी।

आपातकाल के बारे में एक बहुत बड़ा दुःख इस बात का है कि कैसे और किस तरह से जनता व नेताओं का सोच बदला इमरजैंसी के बारे में।

14 अगस्त 1977 को बेलची से लौटते समय, इंदिरा गांधी पटना के कदम कुआं में दो मंजिले मकान पर पहुंचीं, जिसमें वर्षों से जयप्रकाश बाबू की पत्नी प्रभादेवी महिला चर्खा समिति चलाती थीं, अप्रेल 1973 में अपनी मृत्यु तक। जयप्रकाश उस मकान के दूसरे भाग में रहते थे। वे डायलिसिस पर थे। इमरजैंसी में उन्होंने एक सौ तीन दिन एकांकी कारावास में गुजारे थे। चण्डीगढ़ में उसी दौरान कारावास में उनकी किडनी क्षतिग्रस्त हो गई थी। जे.पी. के भाई रामेश्वर प्रसाद, ने इंदिरा गांधी को पत्र लिखा, जे.पी. दो माह से ज्यादा जीवित नहीं रहेंगे। अतः क्या जे.पी. का जेल में मरना, आपके हित में होगा। दो दिन बाद जे.पी. जेल से रिहा कर दिये गये थे।

जे.पी. का इंदिरा गांधी से रिश्ता काफी ‘‘कॉम्प्लैक्स’’ था। इसी रिश्ते को पोषित करने, उस दिन इंदिरा गांधी जयप्रकाश बाबू से मिलने उनके घर गई थीं। वर्ष 1973-74 में जयप्रकाश बाबू ने ‘‘पूर्ण क्रान्ति’’ का आव्हान देकर, गुजरात में विद्यालयों का नव निर्माण आंदोलन शुरू किया था और यह आंदोलन कांग्रेस के चिमन भाई पटेल की सरकार को निगल गया था। फिर, गुजरात की भांति बिहार में भी युवा पीढ़ी ने सर्वव्यापी भ्रष्टाचार, बढ़ती महंगाई व चुनाव प्रक्रिया में आमूल परिवर्तन के लिए आंदोलन शुरू किया, तथा जयप्रकाश बाबू को आमंत्रित किया इस आंदोलन का नेतृत्व करने के लिए।

इस आन्दोलन का यह राष्ट्रीय गान वर्ष 1974-75 में पूरे बिहार में गूंजा, ‘‘जयप्रकाश का बिगुल बजा तो जाग उठी तरुणाई है, तिलक लगाने तुम्हें जवानों, क्रांति द्वार पर आई है।’’ आन्दोलन के बहाव में अब्दुल गफूर की कांग्रेस सरकार डूब गई, पटना में, तथा बात आगे बढ़कर इंदिरा गांधी के इस्तीफे तक पहुंचने लगी।

जयप्रकाश बाबू ने विपक्ष की पार्टियों को साथ लेकर इंदिरा गांधी के सामने लाकर खड़ा किया, जनवरी 1977 में जब इंदिरा गांधी ने चुनाव की घोषणा की। चुनाव अभियान की रैलियों में उनकी उपस्थिति, करंट का संचार कर रही थी। उदाहरण के लिए, जनवरी 1977 में मुम्बई के शिवाजी पार्क में, जो भीड़ से ठसा-ठस भरा था, जयप्रकाश बाबू मंच पर एक कुर्सी में सिकुड़ कर बैठे थे, क्योंकि वे खड़े नहीं हो सकते थे अपने सम्बोधन जनता तक पहुंचाने के लिए। ऐसा लगा कि, वे कुछ फुस-फुसा रहे हैं। पर, श्रोता ‘‘पिन ड्रॉप’’ गम्भीरता से हर शब्द पकड़ने की कोशिश कर रहे थे, इसके पहले कि वे शब्द, वातावरण में लीन हो जायें। एक लाख की भीड़ ने केवल वो ही मैसेज सुना, जो वो सुनने आई थी, ‘‘इंदिरा गांधी को हटाओ’’ और जनता ने इंदिरा गांधी को हटा दिया। पर, जयप्रकाश बाबू का इंदिरा गांधी से व्यक्तिगत झगड़ा नहीं था और उनके आंदोलन के साथी यह समझ नहीं पाये। कदम कुंआ में जे.पी. के निवास की सफाई करते हुए, एक पोटली मिली जिसमें बीस-पच्चीस खत, सफाई से बांध कर रखे हुए थे। ये वो खत थे, जो कमला नेहरू (इंदिरा जी की मां) ने जे.पी. की पत्नी प्रभा देवी को लिखे थे, दोनों की मित्रता उस समय प्रगाढ़ हो गई थी, जब 1930 के दशक में अमेरिका से लौट कर स्वतंत्रता आंदोलन में कूदने से पहले जयप्रकाश नारायण आनन्द भवन में काफी दिन रूके थे तथा कमला नेहरू धीरे-धीरे अपनी मन की पीड़ा प्रभा देवी से साझा करने लगी थीं। पोटली में वो पत्र थे, जो कमला ने कालान्तर में प्रभा देवी को लिखे थे। उदाहरण के लिए, एक पत्र में लिखा था, कुछ लोग अपने आप को बहुत ‘‘सुपीरियर’’ समझते हैं। उनका संकेत, विजय लक्ष्मी पण्डित की ओर था। पत्रों में नेहरू परिवार के कई अन्य लोगों के बारे में कुछ-कुछ और भी लिखा था। कुछ-कुछ पण्डित नेहरू के बारे में अंकित था। जिनसे कमला जी को कुछ नाराज़गी थी, जैसा हर परिवार में होता है। उन्होंने लिखा, कि बाहर से नेहरू परिवार में आये किसी व्यक्ति के लिए इस परिवार में ‘‘एडजस्ट’’ करना कितना मुश्किल होता है। क्योंकि नेहरू परिवार धनाढ्य व ‘‘एलीट’’ (अति सभ्रांत) परिवार है तथा पं. नेहरू इन मौकों पर परिवार के सामने कमला नेहरू के पक्ष में खड़े नहीं होते थे। कमला जी ने यह भी लिखा, कि वे (प्रभा देवी) भाग्यशाली हैं, कि, जे.पी. उनसे एक दम बराबर की तरह बात करते हैं।

(शेष अगले पृष्ठ पर)

अजमेर विकास प्राधिकरण अजमेर

लोक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती रूखसाना की ग्राम घूघरा के खसरा नम्बर 283 भूखण्ड संख्या 15-ए में क्षेत्रफल 119.58 वर्गगज के भूखण्ड की पत्रावली नियमन हेतु प्रक्रियाधीन है। उक्त नियमन के संबंध में दैनिक समाचार पत्र में विज्ञप्ति जारी कर 7 दिवस की आपत्ति आमंत्रित की जाती है। अतः किसी भी हितबद्धकारी को इस नियमन के संबंध में आपत्ति हो तो आम सूचना के 7 दिवस के भीतर अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा नियमन कार्यवाही कर दी जावेगी।

– उपायुक्त(उत्तर) अजमेर विकास प्राधिकरण अजमेर

अजमेर विकास प्राधिकरण अजमेर

लोक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती मुस्कान बानू की ग्राम घूघरा के खसरा नम्बर 283 भूखण्ड संख्या 15-बी में क्षेत्रफल 113.75 वर्गगज के भूखण्ड की पत्रावली नियमन हेतु प्रक्रियाधीन है। उक्त नियमन के संबंध में दैनिक समाचार पत्र में विज्ञप्ति जारी कर 7 दिवस की आपत्ति आमंत्रित की जाती है। अतः किसी भी हितबद्धकारी को इस नियमन के संबंध में आपत्ति हो तो आम सूचना के 7 दिवस के भीतर अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा नियमन कार्यवाही कर दी जावेगी।

– उपायुक्त(उत्तर) अजमेर विकास प्राधिकरण अजमेर

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि सुभाष नगर, मकराना जिला डीडवाना कुचामन (राजस्थान) यह सार्वजनिक सूचना देता हूँ कि रजिस्टर्ड शाश्वत लीज डीड की प्राप्ति के दस्तावेज खो गए है। ये दस्तावेज निम्नलिखित है- रजिस्टर्ड शाश्वत लीज डीड कस्बा मकराना के खसरा नम्बर 604 में पट्टा संख्या 376 पत्रावली संख्या 53 दिनांक 2 मई 2002 को पट्टा धारक नानूराम जाट पुत्र श्री डालूराम जाट जाति जाट व्यवसाय मार्बल व्यापार निवासी सुभाष नगर, मकराना के नाम नगर पालिका वर्तमान नगर परिषद मकराना द्वारा जारी किया गया, जिसका पंजीयन उप पंजीयक कार्यालय मकराना में दिनांक 6 जुलाई 2002 पुस्तक संख्या 1 जिल्द संख्या 50 पृष्ठ संख्या 152 क्रम संख्या 698/02 पर पंजीबद्ध किया गया, अतिरिक्त पुस्तक संख्या 1, जिल्द संख्या 243 के पृष्ठ संख्या 33 से 41 पर चस्पा किया गया। ये दस्तावेज उक्त सम्पति से सम्बन्धित है और ये दिनांक 20 फरवरी 2025 को मकराना में खो गये, जिसकी ऑनलाईन प्रथम सूचना रिपोर्ट दिनांक 26 फरवरी 2025 को एल.आर. नम्बर 2648954/2025 दर्ज करवायी गयी है। उक्त सम्पति एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के यहां ऋण की ऐवज में रहन रखा जा रहा है। इस सम्बन्ध में किसी भी तरह की कोई आपति हो तो वह प्रकाशन से 7 दिवस की अवधि में अधोहस्ताक्षरकर्ता अथवा एचडीएफसी बैंक शाखा दुदु के समक्ष आपति प्रस्तुत करें। अवधि व्यतीत होने के बाद किसी भी आपति को विचारार्थ नहीं रखा जा सकेगा। निराधार व झूठी आपति पेश करने पर आपतिकर्ता के खिलाफ फौजदारी कार्यवाही अमल में लायी जा सकेगी। सूचितकर्ता एडवोकेट विमल सिंह बाफना। मो. 98297 77022

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मुझे राजस्थान आवासन मण्डल से मकान संख्या 3-डी-195-बी योजना खोड़ गणेश फेस-चतुर्थ हाउसिंग बोर्ड मदनगंज किशनगढ़ में आवंटित किया गया था। जिसका मूल आवंटन पत्र क्रमांक-1751 दिनांक 30.06.2015 व मूल कब्जा पत्र संख्या 264/7095 दिनांक 05.02.2016 मुझे आवासन मण्डल से प्राप्त हुए थे। कल दिनांक 28.07.2025 को पुराना हाउसिंग बोर्ड मदनगंज से पुराना बस स्टैण्ड मदनगंज जाते वक्त बीच रास्ते में कहीं गिर गये थे, जिनको मैंने काफी तलाश करने के बाद भी नहीं मिले जिस किसी को मिले सूचित करें। -कु० कंचन जाखड़ पुत्री शंकर लाल जाखड़, निवासी ग्राम रलावता तहसील किशनगढ, जिला अजमेर, मो. 9549471289

LSG/BEAWAR/MUT/2025/139962
DATE :- 28.07.2025 रजि बेचान-नामा

कार्यालय नगर परिषद, ब्यावर

क्रमांक/नगरीय विकास कर/2025-26/5837
दिनांक-31/07/2025

सार्वजनिक सूचना

श्रीमती सोनू पत्नी श्री सूरजमल निवासी पाली ने क्षेत्र नं. 3 शिवदास शर्मा नगर बलाड़ रोड खसरा नं. 31/2 प्लाट नं. 02 क्षेत्रफल 66.11 वर्गगज, जो कि नगर परिषद ब्यावर के नगरीय विकास कर रिकॉर्ड में श्री तिलोक चन्द पुत्र श्री तनसुख लाल के नाम पट्टा विलेख जारी है। तत्पश्चात रजि बेचान-नामा दिनांक 10.04.2010, 12.08.2008, 07.05.2012, 09.12.2020 व स्वयं घोषणा शपथ पत्र प्रस्तुत कर नगरीय विकास कर अनुभाग (गृहकर) पंजिका में नामान्तरण के लिए आवेदन किया है। अतः इस नाम परिवर्तन के संबंध में किसी व्यक्ति या किसी संस्था को कोई आपति हो तो मय प्रमाणित दस्तावेज सात दिवस में आपति प्रस्तुत करें। बाद मियाद कोई भी आपति विचारणीय नहीं होगी।

-आयुक्त नगर परिषद ब्यावर

LSG/BEAWAR/MUT/2025/142057
DATE :- 23.07.2025 मृत्यु प्रमाण पत्र,सजरा

कार्यालय नगर परिषद, ब्यावर

क्रमांक/नगरीय विकास कर/2025-26/5836
दिनांक-31/07/2025

सार्वजनिक सूचना

श्री भारत भंभानी 2. श्रीमती बिमला देवी 3. श्रीमती भावना हरवानी, 4 श्रीमती निशा बचानी पिसराज स्व. श्री देवीलाल निवासी ब्यावर ने क्षेत्र नं. नरसिंहपुरा प्लॉट/मकान प्लॉट सं. 49 क्षेत्रफल 251.65 वर्गगज, जो कि नगर परिषद ब्यावर के नगरीय विकास कर रिकॉर्ड में स्व. श्री देवीलाल पुत्र श्री पंजुमल जी, के नाम दर्ज है। तत्पश्चात मृत्यु प्रमाण पत्र दिनांक 04.10.1995 व सजरा प्रमाण पत्र स्वयं घोषणा शपथ पत्र प्रस्तुत कर नगरीय विकास कर अनुभाग(गृहकर) पंजिका में नामान्तरण के लिए आवेदन किया है। अतः इस नाम परिवर्तन के संबंध में किसी व्यक्ति या किसी संस्था को कोई आपति हो तो मय प्रमाणित दस्तावेज सात दिवस में आपति प्रस्तुत करें। बाद मियाद कोई भी आपति विचारणीय नहीं होगी।

-आयुक्त नगर परिषद ब्यावर

अतिवृष्टी से हुए नुकसान का कराएं आंकलन : कलक्टर लोक बन्धु

- **बैठक के दौरान राजस्व कार्यों की प्रगति, एवं जन शिकायतों के समाधान की समीक्षा की गई।**

अजमेर, (कासं)। जिला मुख्यालय पर वीसी के माध्यम से गुरूवार को जिला कलैक्टर लोक बन्धु की अध्यक्षता में राजस्व अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान राजस्व कार्यों की प्रगति, नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, प्रकरणों के त्वरित निस्तारण एवं जन शिकायतों के समाधान की समीक्षा की गई।

जिला कलैक्टर लोक बन्धु ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि अतिवृष्टी के दौरान हुए नुकसान का आकलन कर तत्काल रिपोर्ट भिजवाए। विद्यालयों, आंगनबाड़ी केन्द्रों तथा चिकित्सालयों की सर्वे रिपोर्ट शुक्रवार को ही भिजवाना सुनिश्चित करें। इसके अगले चरण में अन्य राजकीय भवनों, पुलिया, सड़कें, सामुदायिक भवन, बांधों एवं नहरों में हुए नुकसान की रिपोर्ट तैयार कर भिजवाएं। जर्जर भवनों का किसी परिस्थिति में उपयोग नहीं करें। उनके स्थान पर वैकल्पिक व्यवस्था की जाए। मरम्मत योग्य भवनों के प्रस्ताव बनाकर भिजवाएं। साथ ही मरम्मत के उपरान्त ठीक नहीं होने वाले भवनों को नियमानुसार भूमिदोज करने की कार्यवाही करावें। बारिश के दौरान समस्त अधिकारी क्षेत्र में रहेंगे। राहत एवं बचाव कार्यों की पूर्व तैयारी कर लें। जल भराव के चिह्नित स्थानों का निरीक्षण कर जल भराव रोकने के लिए कार्य योजना बनाएं।

उन्होंने कहा कि अधिकारी राजस्व कार्यों में पारदर्शिता बनाए रखें तथा आमजन की समस्याओं का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करें। इसके अतिरिक्त आगामी आपदा प्रबंधन तैयारियों में तेजी लाने पर भी चर्चा की गई। जिला कलैक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि राजस्व न्यायालयों में पांच वर्ष से अधिक समय से लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निस्तारण किया जाए। न्यायालय की पत्रावलियों को अगले चरण में प्रविष्ट कराने की मॉनिटिरिंग करें। उन्होंने अतिक्रमण के प्रकरणों में नियमानुसार कार्रवाई करने को कहा और स्पष्ट किया कि सरकारी भूमि पर किसी भी प्रकार का नया अतिक्रमण नहीं होना चाहिए। इसके लिए पटवारियों को सतत निगरानी रखने के निर्देश दिए।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि मुख्यमंत्री जनसुनवाई निगरानी प्रकरणों का अंतरिम जवाब सात दिवस में भिजवाया जाए। इसमें वस्तुस्थिति और अग्रिम कार्यवाही का विवरण शामिल हो। साथ ही स्टार मार्क प्रकरणों के जवाब दो दिवस के भीतर अनिवार्य रूप से प्रेषित किए जाएं। इसमें अपेक्षित कार्यवाही या कार्यवाही संभव नहीं होने की स्थिति के कारण का विवरण दिया जाए। शस्त्र अनुज्ञा पत्रों का नवीनीकरण समय पर करें। अवैध खनन रोकने के लिए संयुक्त रूप से कार्यवाही करें। नए मतदान बुथ के लिए भवनों की क्षमता जांच कर रिपोर्ट भिजवाएं। एसआईआर के लिए समस्त बीएलओ का प्रशिक्षण सुनिश्चित किया जाए। बैठक में अतिरिक्त जिला कलैक्टर गजेन्द्र सिंह राठौड़, ज्योति ककवानी, वंदना खोरवाल उपस्थित रहे।

पुष्कर विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीण अंचल को पेयजल क्षेत्र में बड़ी सौगात

- **जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत के सख्त निर्देशों से मिली रफ्तार**
- **वर्क ऑर्डर जारी, शीघ्र धरातल पर कार्य प्रारंभ होगा**

अजमेर, (कासं)। जल संसाधन मंत्री एवं पुष्कर विधायक सुरेश सिंह रावत के मजबूत नेतृत्व और ग्रामीण विकास के प्रति उनकी संवेदनशीलता एवं प्रतिबद्धता का प्रतिफल है कि राशि 365.85 करोड़ की महत्वाकांक्षी जल परियोजना के वर्क ओर्डर जारी कर दिए गए हैं। जल जीवन मिशन के अंतर्गत रूपनगढ़ व अजमेर उपखंड के गांवों में घर-घर नल कनेक्शन के माध्यम से शुद्ध पेयजल पहुंचाया जाएगा।

बीसलपुर बांध प्रणाली से जलापूर्ति की यह योजना जल जीवन मिशन के अंतर्गत भदूण, पालडी भोपतान, काठोदा, परासोली, मोखमपुरा, पडांगा, अमरपुरा, पवारों की ढाणी, केरिया की ढाणी, भिलावट, गुढा, करडला, आउ, सिनोदिया, शिवनगर, बकरवालिया,झाग, जाखोलाई, किशनपुरा, कोटडी, उजोली, खाजपुरा, भैरवाई, जाजोता, मानपुरा, निटूटी, दरदूण्ड, नवा, राजपुरा, रघुनाथपुरा, कल्याणीपुरा, रामगढ, करकेडी, तित्यारी, पींगलोद, चकपींगलोद,सिणगारा, बांसडा, थल, सिंगला, मोतीपुरा, पालडी पाठनान, रोडावास, सागरमाला, नोसल, अरडका, होशियारा, मगरी, जाटली, सराणा, भवानीखेडा, मानपुरा, ऊंटडा, मगरा, रामनेर ढाणी, होशियावास, बबाईचा गांवों को आच्छादित करेगी।

योजना के अंतर्गत एफएचटीसी के माध्यम से प्रत्येक घर में पाइपलाइन द्वारा जलापूर्ति सुनिश्चित की जाएगी।

इसके तहत रेट्रोफिटिंग कार्य, एक वर्ष की दोष दायित्व अवधि और आगामी दस वर्षों तक संचालन एवं रखरखाव की जिम्मेदारी भी ठेकेदार को सौंपी गई है।

वर्क ऑर्डर जारी हो चुका हैं और शीघ्र ही इसका शुभारंभ कार्य धरातल पर प्रारंभ हो जाएगा।

पेयजल जैसी मूलभूत सुविधा हर नागरिक का अधिकार है' यह सोच जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत के कार्यों में स्पष्ट झलकती है।

अभियान का संचालन 4 अगस्त से

भीलवाड़ा। राज्य सरकार के निर्देशानुसार मच्छरजनित बीमारियों के नियंत्रण व रोकथाम के लिए 'स्वास्थ्य दल आपके द्वार' अभियान 4 अगस्त से 30 अगस्त 2025 तक जिले में संचालित किया जाएगा। मानसून के दौरान व पश्चात मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया जैसे रोगों की संख्या में तेजी से वृद्धि की संभावना को देखते हुए चिकित्सा विभाग व स्थानीय निकाय एवं पंचायती राज विभाग को आपसी समन्वय से प्रभावी गतिविधियों के संचालन हेतु निर्देशित किया गया है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सीपी गोस्वामी ने बताया कि 'स्वास्थ्य दल आपके द्वार' अभियान के अंतर्गत चिकित्सा विभाग द्वारा डोर-टू-डोर विजिट, बुखार के रोगियों की जांच, सोर्स रिडक्शन, एंटीलार्वल व आईईसी गतिविधियों के माध्यम से जन-जागरूकता बढ़ाई जाएगी। सर्वे टीम में आशा, एएनएम, एलटी व सुपरवाइजर स्तर के कार्मिकों को शामिल किया जाएगा। घर-घर जाकर बुखार के रोगियों का सर्वे कर उनकी रक्त की जांच व नियमित निगरानी की जाएगी। वहीं नगर निकाय के सैनिटरी इंस्पेक्टरों को फॉगिंग व लार्वा विनिष्टकरण हेतु आवश्यक प्रशिक्षण दिलाया जाएगा।स्थानीय निकाय एवं पंचायती राज विभाग शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में नालियों की सफाई, फॉगिंग, एमएलओ डालना, टंकियों की सफाई, खाली प्लॉट्स से गंदगी हटाना, तथा जिन घरों में मच्छर के लार्वा पाये जाने पर आवश्यकतानुसार नोटिस व चालान की कार्यवाही सुनिश्चित करेंगे। बड़े जन निकायों में अनावश्यक वनस्पतियों की कटाई एवं लार्वा प्रभावित स्थलों की प्रभावी सफाई की जाएगी। डिप्टी सीएमएचओ डॉ. प्रवीण झरवाल ने बताया कि मानसून के दौरान और मानसून के पश्चात मच्छरों की संख्या में वृद्धि होने के कारण डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया, स्क्रब टायफस के रोगियों की संख्या में बढोतरी होती है। इसलिए बीमारी फैलाने वाले मच्छरों की ट्रांसमिशन शृंखला तोडना जरूरी है। इसके लिए अभियान चलाकर एंटी लार्वा तथा मच्छर रोधी गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है।

भक्तामर श्लोक की आराधना कर जीवन में खुशहाली की कामना

भीलवाडा। अनुष्ठान आराधिका ज्योतिष चन्द्रिका महासाध्वी डॉ. कुमुदलताजी म.सा. आदि ठाणा के सानिध्य में गुरूवार को महामंगलकारी भक्तामर स्त्रोत के 45वें श्लोक के माध्यम से भगवान आदिनाथ की भक्ति का रंग जमा तो पूरा वातावरण आध्यात्मिक उर्जा से परिपूर्ण हो गया। आध्यात्मिक चातुर्मास आयोजन समिति द्वारा सुभाषनगर श्रीसंघ के तत्वावधान में आयोजित साप्ताहिक अनुष्ठान आराधना में महासाध्वी मण्डल ने आचार्य मानतुंग द्वारा रचित भक्तामर स्त्रोत के 45वें श्लोक "उद्धुत भीषण जलोदर भार भुग्ना" का जाप कराया। सुबह रिमझिम बारिश की परवाह किए बिना भक्ति आराधना के इस संगम में शामिल होने के लिए पहुंचे सैकड़ो श्रावक-श्राविकाओं ने शुद्ध भावों के साथ इस श्लोक का जाप किया तो पूरा वातावरण पवित्र एवं पावन हो गया ओर असीम पॉजिटिव एनर्जी का संचार हुआ। इस आराधना में शामिल महासाध्वी कुमुदलताजी म.सा. ने भक्तामर स्त्रोत के इस श्लोक की आराधना का महत्व बताते हुए कहा कि इस श्लोक की पूर्ण श्रद्धा व भक्ति के साथ आराधना आरोग्यता प्रदान करती है ओर कैंसर जैसे गंभीर रोगों से पीड़ितों को भी साता व राहत देता है। इस श्लोक की आराधना शरीर से जलोदर जैसे रोग ठीक कर देती है। परमात्मा की भक्तिमय आराधना करने पर जीवन तिर जाता है। महामंगलकारी अनुष्ठान करने एवं जिनवाणी सुनने से जीवन में बदलाव आते है। मंत्रो की शक्ति व ताकत को पहचानना होगा यह कर्म निर्जरा कर मनुष्य के लिए मोक्ष प्राप्ति की राह खोलता है। जाप की स्तुति से हम अपने कर्मो को हल्का करने का प्रयास कर सकते है। अनुष्ठान के शुरू में महासाध्वी मण्डल के सानिध्य में श्री व्रज पंज्जर स्तोत्र की आराधना की गई। अनुष्ठान में स्वर साम्राज्ञी महासाध्वी महाप्रज्ञाजी म.सा.,वास्तुशिल्पी साध्वी पद्मकीर्तिजी म.सा.,विद्याभिलाषी साध्वी राजकीर्तिजी म.सा. का भी सानिध्य प्राप्त हुआ। अनुष्ठान के शुरू में लाभार्थी परिवारों,अतिथियों एवं चातुर्मास समिति एवं सुभाषनगर श्रीसंघ के पदाधिकारियों द्वारा नवकार मंत्र चौकी की विधिपूर्वक स्थापना की गई। अनुष्ठान के लाभार्थी शांतिलाल सुरेन्द्रकुमार किशनलाल नवीनकुमार मनोजकुमार मेहता परिवार (डूंगला वाले), त्रिलोकचंद विनयकुमार निर्मलकुमार, अशोककुमार कमल गुगलिया परिवार, ब्यावर निवासी शांतिलाल विजयराज, गौतमचंद,विनोदकुमार हर्षिल मुथा परिवार एवं एक गुरूभक्त गुप्त परिवार रहा।

सिंधी समाज की महिलाओं ने श्रद्धा और उल्लास से मनाया नंडी सतहँ पर्व

भीलवाडा। शहर में गुरुवार को सिंधी समाज की महिलाओं ने सामूहिक रूप से नंडी सतहँ (छोटी सातम) पर्व परंपरा, आस्था और श्रद्धा के साथ मनाया। यह पर्व सिंधी समाज में विशेष महत्व रखता है, जिसमें महिलाएं अपने पति और पुत्रों की लंबी उम्र और उत्तम स्वास्थ्य की कामना करते हुए माता शीतला और जल देवता का पूजन करती हैं। सिंधी समाज के मीडिया प्रभारी मूलचंद बहरवानी ने बताया कि भीलवाड़ा के सिंधु नगर, बापू नगर, शास्त्री नगर, वीर सावरकर चैक, आर.के. कॉलोनी, पुराना भीलवाड़ा और नाथद्वारा सराय क्षेत्र सहित शहर के विभिन्न इलाकों में महिलाओं ने नंदी सतहँ पर्व पूरे विधि-विधान और भक्ति भाव से मनाया। इस पर्व की विशेषता यह रही कि महिलाओं ने पूजन से एक दिन पूर्व रात में ही विशेष पकवान जैसे सिवइयाँ, मीठी कोकी, चेहरी मानी, नानकताई, खोराक, मीठा पकौड़ा, खटो भत, आम, चैपा आदि बनाए। इसके बाद चूल्हे की अग्नि को शांत कर अगली सुबह ठंडा भोजन माता शीतला को भोग स्वरूप अर्पित किया गया। नारियल, अगरबत्ती, पुष्प और अन्य पूजन सामठी से माता की पूजा की गई। आज सभी महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में सजधज कर समूहों में एकत्रित हुईं और सामूहिक रूप से पूजन किया। इस दौरान महिलाओं ने माता शीतला की कथा का सामूहिक श्रवण कर पूजा अर्चना की। कथा के माध्यम से माता के उपदेश, स्वास्थ्य संरक्षण और घर में सुख-शांति के महत्व को समझाया गया। इस धार्मिक आयोजन में चित्रा लोहानी, इंदु लालवानी, अनामिका बहरवानी, हर्षिता विधानी, रिया भोजवानी, रेखा लखवानी, ज्योति सखरानी, हरि भोजवानी, हर्षिता बहरवानी, रेणु भोजवानी, चाँदनी सखरानी, वर्षा सखरानी, अनिता नेभवानी, रोमा लखवानी, भगवंती भगत, सुनीता तुल्सानी, दिव्या लालवानी और रेखा बहरवानी सहित अनेक महिलाएं शामिल रहीं। सभी ने उत्साह और भक्ति के साथ इस पर्व को उत्सव रूप में मनाया। उल्लेखनीय है कि नंडी सतहँ पर्व न केवल धार्मिक भावना से जुड़ा हुआ है, बल्कि यह सिंधी समाज की पारंपरिक संस्कृति और महिला एकता का भी प्रतीक है।

कार्यालय नगर निगम, अजमेर

झलकारी बाई स्मारक के पास, पंचशील नगर अजमेर, दूरभाष- 0145-249953, फैक्स-0145-2433813 Email-ajmermcs@gmail.com, webajmermc.org

क्रमांक: न.नि.अ/69-ए/2025-26/4511 **आपत्ति सूचना** दिनांक-30/07/2025

श्रीमति इरमद सुल्ताना पत्नी मंसूर अली, निवासी-प्लॉट नं. 35, बी ब्लॉक के सामने, मयूर कॉलोनी चन्दवरदाई नगर अजमेर द्वारा प्रस्तावित स्थल, प्लॉट नं. 35, बी ब्लॉक के सामने, मयूर कॉलोनी, चन्दवरदाई नगर अजमेर में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 167.22 वर्गमीटर है का नगर निगम अजमेर में धारा 69-ए के तहत् आवेदन प्रस्तुत किया है। प्रस्तावित स्थल की सीमाएँ निम्नानुसार हैं।

पूर्व : प्लॉट नं. 24
पश्चिम : आम रास्ता
उत्तर : जगदीश का मकान
दक्षिण : बी.पी. दुबे का मकान

अतः जरिए इस सूचना के पूर्व सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि किसी भी व्यक्ति /संस्था के पास राजस्थान नगर पालिका अधिनियम की धारा 69 ए के अधीन पूर्ण स्वामित्व पट्टा अधिकार अभिप्राप्त करने के नगर निगम के पक्ष में भूमि के अधिकार अभ्यर्पण करने के अनुज्ञा की मंजूरी के संबंध में कोई आक्षेप/आपति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर अन्दर किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में ठोस दस्तावेजों सहित अपनी आपति अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ प्रस्तुत कर सकता है। उपर्युक्त नियत समय के भीतर किसी भी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी व्यक्ति/संस्था को कोई आक्षेप/आपति नहीं है। बाद मियाद किसी भी आपति पर विचार नहीं किया जावेगा।

-उपायुक्त नगर निगम, अजमेर

कार्यालय नगर परिषद किशनगढ़ जिला-अजमेर (राज.)

क्रमांक: नपकि/नाम हस्तांतरण/2025/1802 **आम सूचना** दिनांक: 31.07.25

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि वाके देशवाली मौहल्ला अरांई रोड पुराना शहर किशनगढ़ के आवासीय(भूखण्ड क्षेत्रफल 225.00 वर्गगज) पर 1. इस्लामुद्दीन पुत्र स्व. बदरूद्दीन 2. रय्याद्दीन पुत्र स्व. बदरूद्दीन ने आवेदन प्रस्तुत कर नाम हस्तान्तरण चाहा गया है। उक्त भूखण्ड की सीमाएं निम्नानुसार है-

पूर्व: अब्दुल अजीज का मकान
पश्चिम : मो. इलियास का मकान
उत्तर: रास्ता
दक्षिण: इस्लामुद्दीन का मकान

अतः उक्त प्रकरण में किसी भी व्यक्ति/संस्था को किसी भी प्रकार की कोई आपति हो तो सूचना के प्रकाशन की दिनांक से 07 दिवस में इस कार्यालय में प्रस्तुत करें अन्यथा बाद मयाद किसी भी प्रकार की आपति स्वीकार नहीं होगी।

-प्रभारी,नगर परिषद, किशनगढ़

कार्यालय नगर परिषद किशनगढ़ जिला-अजमेर (राज.)

क्रमांक: नपकि/PWC/BPAS-2433/2025/610 **आम सूचना** दिनांक: 31.07.25

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती मधु मेहता पत्नी श्री विनोद कुमार मेहता राजस्व ग्राम मदनगंज, के खसरा सं. 444/3 भूखण्ड सं. 35 एवं 36 का कुल क्षेत्रफल 277.76 वर्गगज 'गोल्डन सिटी द्वितीय' अजमेर रोड मदनगंज किशनगढ़ जिला अजमेर राजस्थान में आवासीय निर्माण स्वीकृति हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। उक्त भूखण्ड की सीमाएं निम्नानुसार है-

पूर्व: भूखण्ड सं. 34
पश्चिम : भूखण्ड सं. 37
उत्तर: आर.के. गर्ल्स कॉलेज
दक्षिण: रास्ता 40 फीट चौड़ा

अतः उक्त प्रकरण में किसी भी व्यक्ति/संस्था को आपत्ति/एतराज हो तो आपत्ति सूचना प्रकाशन के 07 दिवस के भीतर नगर परिषद कार्यालय में लिखित में आपत्ति पेश करे बाद मियाद किसी प्रकार की आपत्ति स्वीकार योग्य नहीं होगी।

-प्रभारी, भवन निर्माण स्वीकृति
नगर परिषद, किशनगढ़

कार्यालय अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

मूल आवंटी/अन्तरिति की मृत्यु पर उत्तराधिकारियों द्वारा निष्पादित पंजीकृत हक त्याग पत्र के आधार पर नामान्तरण हेतु आम सूचना का प्रारूप

-आम सूचना-

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण की हरिभाऊ उपाध्याय नगर(विस्तार) योजना के आवासीय भूखण्ड संख्या 136-डी क्षेत्रफल 108 वर्ग गज के आवंटी/अन्तरिति खाजू लाल पुत्र भैरू निवासी कांकरदा भूणाभाय अजमेर की मृत्यु दिनांक 19/05/2025 को होने पर मृत्यु प्रमाण पत्र व सजरा रिपोर्ट सलंग्न कर मृतक के वारिसों क्रमशः (1) श्रीमती सायरी देवी पत्नि स्व. खाजू लाल (अजमेर) (2) श्रीमती कांता पुत्री स्व. खाजू लाल पत्नि पप्पू गुर्जर अजमेर (3) श्रीमती राजू देवी पुत्री स्व. खाजू लाल पत्नि सुरेश गुर्जर(अजमेर) द्वारा अपने सहहिस्सेदार लक्ष्मण लाल पुत्र स्व. खाजू लाल निवासी शिव मंदिर के पास कांकरदा भूणाभाय अजमेर के पक्ष में निष्पादित पंजीकृत हक त्याग पत्र दिनांक 24/7/25 के आधार पर नामान्तरण हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है उक्त नामांतरण किये जाने के संबंध में किसी को आपति हो तो सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर आपति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज करावें। उक्त नियत अवधि पश्चात कोई आपति स्वीकर योग्य नहीं होगी व आवेदकों के नाम नामान्तरण की कार्यवाही की जा सकेगी।

-नियमन शाखा प्रभारी,अजमेर विकास प्राधिकरण,अजमेर

नगर परिषद की साधारण सभा में हंगामा

ब्यावर। गुरुवार को पुलिसकर्मियों की मौजूदगी के नगर परिषद सभागार में बैठक शुरू हुई। शुरू से ही बैठक में तनाव का माहौल बन गया। नगर परिषद की वित्त कमेटी के अध्यक्ष और सभापति के पति नवरत्न बोथरा ने बैठक के एजेंडों पर बात शुरू की तो वार्ड 29 के पार्षद भरत टांक, मनीष कच्छावा और गोविंद कड़वा भड़क गए।

भरत टांक ने कहा- नगर परिषद की कार्य शैली से नाराज होकर पिछले दिनों 24 पार्षद इस्तीफा दे चुके हैं। नगर परिषद को अपनी कार्य शैली में सुधार करना चाहिए। बोर्ड के सभी पार्षदों के वार्डों में सफाई व्यवस्था और अन्य विकास कार्य करवाने चाहिएं।इस पर नवरत्न बोथरा ने कहा- आज की बैठक में आज के एजेंडों पर ही बात करेंगे।इस जवाब के बाद दोनों पक्षों में बहस हो गई। मामला इतना बढ़ गया कि बीजेपी के ही पार्षद भरत टांक ने पार्षद नवरत्न बोथरा पर काली स्याही फेंक दी। मीटिंग में ही दोनों पक्ष मारपीट पर उतारू हो गए। इसी बीच वरिष्ठ पार्षदों ने बीच बचाव कर दोनों को अलग-अलग किया। कोतवाली थाना पुलिस पार्षद भरत टांक को बैठक से बाहर ले गई और हिरासत में ले लिया।

सभापति ने कहा- कठोर कार्रवाई की जाएगी घटना को लेकर सभापति नीतू बोथरा ने कहा-बैठक में पूरे हंगामा के बीच सक्रिय पार्षदों ने ध्वनि मत से एजेंडा पास कर दिया। यह बात कुछ पार्षदों को जमी नहीं। उन्होंने हंगामा कर दिया। स्याही फेंकने वाले पार्षदों पर कठोर से कठोर कार्रवाई की जाएगी।

नवरत्न बोथरा बोले- मुझे कमजोर करने की कोशिश - पार्षद नवरत्न बोथरा ने कहा-भाजपा और कांठोस के कुछ पार्षद काफी समय से नगर परिषद के कार्यों को बाधित करने की कोशिश कर रहे थे।गुरुवार को भी बैठक में जब एजेंडों पर बात करनी चाही तो उन्होंने बेवजह हंगामा शुरू कर दिया।

सार-समाचार

सुधार कार्यों की प्रगति की समीक्षा

अजमेर, (कासं)। जिले में सड़क सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने एवं सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के उद्देश्य से जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए अतिरिक्त जिला कलैक्टर गजेंद्र सिंह राठौड़ ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए कार्य योजनाओं पर समयबद्ध क्रियान्वयन की आवश्यकता है। राठौड़ ने कहा कि जिले में चिन्हित ब्लैक स्पॉट्स पर सड़क सुरक्षा मानकों के अनुरूप आवश्यक सुधार जैसे मीडियन कट बंद करना, चेतावनी संकेतक लगाना, सड़क की सतह का उन्नयन एवं सर्विस रोड निर्माण कार्य पूर्ण किए जाएं। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को वाहन चालकों की नेत्र जांच के लिए प्राथमिकता से चिकित्सा शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए। राजमार्गों पर दुर्घटना की स्थिति में त्वरित चिकित्सा सुविधा के लिए ट्रॉमा सेंटरों में 24 घंटे चिकित्सकीय सेवाएं, उपकरण एवं कार्मिक सुनिश्चित किए जाएं। एंबुलेंस की री पोजिशनिंग कर उन्हें रणनीतिक स्थलों पर तैनात किया जाए। इससे वे समय पर घटनास्थल पर पहुंच सकेंगी। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा को लेकर आमजन में जागरूकता बढ़ाने के लिए विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं कोचिंग संस्थानों में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। विद्यार्थियों को हेलमेट एवं सीट बेल्ट के उपयोग, तेज गति और नशे में वाहन नहीं चलाने जैसे नियमों की जानकारी दी जाए। इन नियमों के उल्लंघन पर प्रवर्तन एजेंसियां सख्त कार्रवाई करें। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री आयुष्मान जीवन रक्षा योजना के तहत सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को तत्काल सहायता पहुंचाने वाले जागरूक नागरिकों को सम्मानित कर प्रोत्साहित किया जाए। साथ ही नियम विरुद्ध संचालित मदिरा दुकानों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए। नगर निगम के अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वर्षा ऋतु को ध्यान में रखते हुए सीवरेज चैंबरों की स्थिति की जांच कर आवश्यक मरम्मत कराई जाए। साथ ही संवेदनशील स्थानों पर साइनबोर्ड, रेलिंग एवं सेफ्टी वॉल लगाकर दुर्घटनाओं की रोकथाम की जाए। राठौड़ ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए आईआरएडी पोर्टल पर दर्ज डाटा का विश्लेषण कर विभाग आपसी समन्वय से आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाएं। इस अवसर पर सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधीक्षण अभियंता गिर्राज गुप्ता, जिला परिवहन अधिकारी प्रकाश टहलयानी, अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रामलाल चौधरी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

भूखण्ड आवंटन के लिए आवेदन 12 तक

अजमेर, 31जुलाई(कासं)। अजमेर विकास प्राधिरकण, अजमेर की बहुप्रतीक्षित अटल आवासीय योजना में आवेदन करने की अन्तिम तिथि 12 अगस्त 2025 कर दी गयी है। मीडिया प्रभारी सूर्यकांत शर्मा ने बताया कि प्राधिकरण की इस आवासीय योजना में 02 जुलाई से आवेदन प्रारम्भ किये गये थे तथा आवेदन की अन्तिम 31जुलाई रखी गयी थी। योजना में भूखण्ड आवंटन के लिए अब तक विभिन्न श्रेणियों में 4351 लोगों ने लॉगिन किया तथा निरन्तर किया जा रहा है। इसके अतिरिक्ता इच्छुक व्यक्तियों द्वारा दूरभाष / व्यक्तिगत संपर्क भी किया जा रहा है। योजना के प्रति आमजन के रुझान एवं मांग के दृष्टिगत इस 12 अगसा 2025 तक बढ़ा दिया गया है। ज्ञातव्य है कि प्राधिकरण द्वारा चाचियावास स्थित अटल आवासीय योजना के 191 भूखण्डों का ऑनलाईन लॉटरी के माध्यम से आवस्टन किया जायेगा। भूखण्डों के आवन्टन में नियमानुसार विभिन्न श्रेणियों में आरक्षण का प्रावधान रखा गया है तथा ऐं एवं एक श्रेणी के आवेदकों को आरक्षित दर से क्रम 50 प्रतिशत एवं 80 प्रतिशत दर पर भूखण्ड आवंटित किये जायेंगे। योजना में भूखण्डों की आरक्षित दर रुपये 16227 वर्ग मीटर अर्थात रुपये 13568 प्रति वर्ग गज रखी गयी है।

कावड यात्रा निकाली

बोरावड(निस) । स्वर्णकार समाज बोरावड़ के तत्वावधान में नन्हे बालक-बालिकाओं की कावड़ यात्रा निकाली गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार कावड यात्रा स्थानीय नया बाजार स्थित वीर हनुमान मन्दिर से गाजों-बाजों के साथ रवाना हुई । बालक-बालिकाओं की कावड़ यात्रा यूको बैंक, व्यास चौक, सदर बाजार होते हुए स्वर्णकार मोहल्ला स्थित श्याम मन्दिर पहुंची।

We are there
in every Home.
Well, almost.

RK MARBLE
KHOOBSURAT IMAANDAARI

If you are looking for the finest in imported marble, simply come to R.K. Marble, Kishangarh. Discover a fine collection of white and coloured marble that has been hand-picked from select quarries and finished to perfection. Go on, turn your house into a dream home.

Corporate & Sales Office: Madanganj - Kishangarh - 305 801, Dist. Ajmer (Raj.)
Tel: +91-1463-277777, E-mail: info@rkmarble.com, Web: www.rkmarble.com

Call us: 911 911 8118

हेमवती नंदन बहुगुणा

'...पर अब प्रजातंत्र पुनः स्थापित कर दिया गया है'

सत्ता खोने के 28 महीने बाद इंदिरा जी पुनः चुनाव लड़कर जीत कर आईं, और सरकार बनाई। तो राजनीतिज्ञों के ज़हन में तो स्थापित हो गया कि राजनीति का मतलब ही यह है कि ''पावर एट एनी कॉस्ट'', यानी सत्ता में आना ही चाहिये, चाहे इसके लिए कुछ भी कीमत चुकानी पड़े। नशे की व सरकारी रूतबे की एक सी ही फितरत होती है। नियमित खुराक (डोसेज) बढ़ाती रहनी पड़ती है, वही पुराना ''सरूर'' पाने के लिए। और जब ''मॉरल कम्पास'' पहले ही, इंदिरा जी के समय में, इमरजैंसी के दौरान तोड़ चुके थे तो ''अपराध बोध'' (गिल्ट) का सवाल ही कहां उठता है। राजनीतिज्ञों को ''मॉरल कम्पास'' तोड़ने में इतनी आसानी इसलिए भी हुई कि वो अपना ''आइडियोलॉजिकल कम्पास'' पहले ही खो चुके थे।

अपने आंदोलन के साथी मित्रों की एकमत राय व दबाव के बावजूद जे.पी. ने यह खतों की पोटली इंदिरा जी को सौंपने का निश्चय किया, क्योंकि वे कतई नहीं चाहते थे, कि ये खत किसी ऐसे हाथों में पहुंच जायें, जो इन खतों से प्राप्त व्यक्तिगत जानकारियों का राजनीतिक दुरुपयोग करे, अतः वे दिल्ली गये, और इंदिरा जी को यह पोटली दी। यह जे.पी. की मृत्यु से दो साल पहले की बात थी। मुलाकात के दौरान इंदिरा जी ने जे.पी. से आग्रह किया, जे.पी. से मदद मांगी व कहा कि आप अपनी आलोचना का तीखापन कुछ कम कर दें। जे.पी. ने कहा, भ्रष्टाचार के खिलाफ युद्ध लड़ रहे हैं। इंदिरा जी ने कुछ नाराज़गी जताते हुए तपाक से पूछा, ''क्या आप यह कह रहे हैं, मैं व्यक्तिगत रूप से भ्रष्ट हूं?'' जे.पी. ने सीख देते हुए कहा कि, जो सबसे ऊपर बैठते हैं, उन्हें जिम्मेदारी तो लेनी ही पड़ती है। तथा वे (जे.पी.) एक परिवर्तन लाने के लिए एक आंदोलन चला रहे हैं, इसमें व्यक्तिगत कुछ भी नहीं है।

सरकार चले जाने के बाद और बेलजी की यात्रा के पश्चात् पटना लौटने पर इंदिरा जी ने जे.पी. से उनके कदम कुंआ स्थित मकान पर मिलने का समय मांगा। जे.पी. जब प्रातः उनसे मिलने का इंतजार कर रहे, उस समय वे नेहरू परिवार के अपने पुराने सम्बन्धों की यादें मन ही मन दोहरा रहे थे। उन्हें याद आ रहा था, कैसे वे 1929 में अमेरिका से सात साल बाद पढ़ाई पूरी करके भारत लौटे थे। वे विद्यार्थी जीवन में मार्कसिस्ट थे, भाई (पं. नेहरू) के समझाने पर स्वतंत्रता संग्राम में तल्लीन हो गये थे तथा उसके बाद कांग्रेस के तत्वावधान में 1934 में सोशलिस्ट नेताओं, जैसे आचार्य नरेन्द्र देव, अशोक मेहता, राम मनोहर लोहिया के साथ मिलकर कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी बनाई।

इंदिरा जी को इस बात से कुछ बेचैनी सी रही, कि एक बार नेहरू जी ने जे.पी. को अपने उत्तराधिकारी के रूप में देखा था। सन् 1953 में नेहरू जी ने जे.पी. को अपने मंत्रिमण्डल में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया था। वे चाहते थे, जे.पी. उपप्रधानमंत्री बनें। पं. नेहरू के करीबी रिश्तेदार, जो एक आई.सी.एस. अफसर थे, ने ''एड मैमोआर'' (स्मरण पत्र) में लिखा है, पण्डित नेहरू के इस आमंत्रण के बारे में, कि उन्हें मंत्रिमण्डल में ऐसा साथी चाहिए, जो बता सके कि वो, (पं. नेहरू) प्र.मंत्री के रूप में कहाँ गल्ती कर रहे हैं। पं. नेहरू जे.पी. को मंत्रिमण्डल में ही, विपक्ष की भूमिका देना चाहते थे, पण्डित नेहरू ने जे.पी. से इस प्रस्ताव को लेकर अनुनय किया, मनुहार की और विनम्र विनती की पर जे.पी. अपने इन्कार पर अडिग रहे। पं. नेहरू ने यह तर्क दिया कि वे चाहते हैं कि पुराने सोशलिस्ट कांग्रेस में लौटें, जिससे वे (पं. नेहरू) पार्टी में परम्परावादी, राइटविंग तत्व का दबाव बर्दाश्त कर सकें। जून 1953 में प्रजा-सोशलिस्ट पार्टी (पी.एस.पी.) की बैठक ने कांग्रेस-पी.एम.पी. के विलय पर मंथन भी किया। अशोक मेहता, जे.पी. के सरकार जॉइन करने के पक्ष में थे, राम मनोहर लोहिया आदि प्रस्ताव के खिलाफ। बैठक में किसी ने जे.पी. पर आरोप लगा दिया कि वे पद के भूखे हैं। आरोप सुनकर जे.पी. रो पड़े और पावर पॉलिक्टिस से दूर रहने का निश्चय किया।

जे.पी. की पसंद शायद महात्मा गांधी का उत्तराधिकारी बनने की ज्यादा थी, बनिस्पत पं. नेहरू के सहायक। गांधी जी ने भी एक बार जे.पी. से कहा था कि तुम मेरे सच्चे शिष्य हो, जो अंग्रेजों की ''लैगेसी'' (विरासत) को मिटाना चाहता है, जबकि नेहरू केवल अंग्रेजों को हटाना चाहते हैं, तथा जे.पी. एक नैतिक द्वन्द में फंसे रहते हैं, सही उद्देश्य की पूर्ती के लिए, सही रास्ता व साधन प्राप्त करने के लिये। जैसे विनोबा भावे का भूदान आंदोलन तथा चम्बल के डाकुओं को आत्मसर्मपण कराना आदि। इंदिरा गांधी, जे.पी. के इन आन्दोलनों को ''कन्फ्यूज्ड'' व अव्यावहारिक मानती थीं। पर वे जानती थीं कि जे.पी. की ''मॉरल अथॉरिटी'' (नैतिकता) भारी है, और इसलिए बेलजी के बाद, पदच्युत् इंदिरा गांधी, पुनः स्थापित होने की लड़ाई के दौरान जे.पी. से मिलने आईं थीं। मीटिंग पचास मिनट चली। पत्रकार ऊपर आये, जे.पी. की मीटिंग के बारे में प्रतिक्रिया लेने, क्योंकि इंदिरा जी हाथ हिलाते हुए, यह कहकर चली गईं थीं, ''यह तो व्यक्तिगत मुलाकात थी।'' जे.पी. ने यह जरूर कहा कि, उन्होंने इंदिरा जी से कहा कि, ''जितना तुम्हारा भूतकाल उज्जवल रहा है, उतना ही तुम्हारा भविष्य भी उज्जवल हो।''

जब यह बात फैली कि, जे.पी. ने इंदिरा जी से क्या कहा, तो हंगामा मच गया कि, जे.पी. इंदिरा गांधी के बारे में ऐसा कैसे कह सकते थे? कुलदीप नैय्यर ने फोन करके, जे.पी. के पुराने विश्वासी, निजी सहायक प्रशान्त से कहा, ''इंदिरा गांधी का भूतकाल एक काला अध्याय था, उज्जवल नहीं।'' कुलदीप इमरजैंसी का जिक्र करते थे। जनता पार्टी के अन्य नेता भी इतने ही क्रुद्ध थे। प्रशान्त ने सारे ''मैसेज'' जे.पी. तक पहुंचा दिये।

जे.पी. ने प्रत्युत्तर में कहा, ''घर आये को दुआ दी जाती है, या बद्दुआ देनी चाहिये।'' पर, सच बात तो यह भी है कि, जे.पी. का जनता पार्टी के नेताओं से मोहभंग सा हो गया था, तथा शायद वे इन जनता पार्टी के नेताओं से ज्यादा नाराज़ थे, बनिस्पत इंदिरा गांधी से। जे.पी. ने जनता पार्टी को एक साल का समय दिया था, अपना काम दिखाने के लिए, तथा जो प्रगति इन नेताओं ने इस दिशा में दिखाई थी, उससे जे.पी. काफी असंतुष्ट थे।

अक्टूबर 1978 में जनता पार्टी के नेताओं ने जे.पी. से बहुत आग्रह किया, कि वो एक वक्तव्य जारी करके अपील करें, कि जनता इंदिरा गांधी को वोट न करें। उस समय इंदिरा गांधी, चिकमंगलूर, कर्नाटक से उपचुनाव लड़ रही थीं, संसद में जाने के लिए। जॉर्ज फर्नांडिंस, जो उस समय जनता पार्टी की केन्द्रीय सरकार में उद्योग मंत्री थे, ने जे.पी. से बहुत मिन्नतें कीं कि वे अपील जारी करें। जे.पी. ने मना कर दिया, ''मैं कोई राजनीतिक लड़ाई नहीं लड़ रहा हूं। मेरे लिए वह अध्याय समाप्त हो गया है। अब आप लोग यह राजनीतिक लड़ाई लड़ रहे हैं।'' इंदिरा गांधी की तानाशाही हुकूमत को खत्म करने के लिए उन्होंने जो राजनीतिक लड़ाई लड़ी थी, वो जे.पी. के अनुसार उस दिन खत्म हो गई, जब उन्होंने (जे.पी. ने) मोरारजी देसाई का प्रधानमंत्री के रूप में चयन किया था।

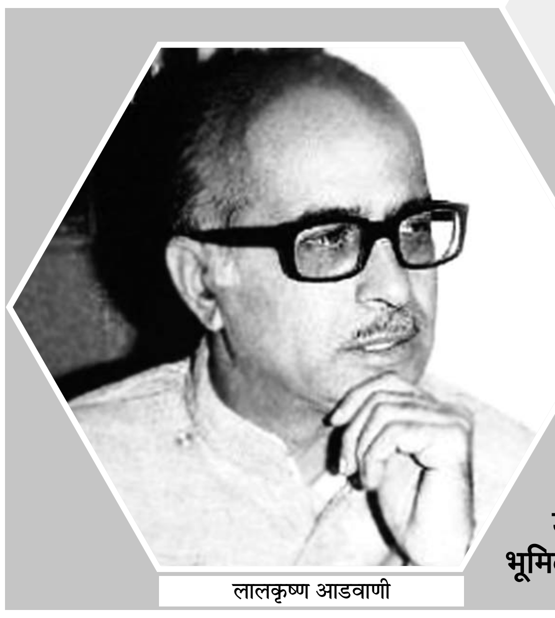
लालकृष्ण आडवाणी

राजनारायण

इस बहस से शायद कभी भी किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंच पायेंगे, कि, मतदान की तिथी इंदिरा गांधी के लिए माफिक और उपयुक्त थी या नहीं। पर इस बात की सत्यता को नहीं नकारा जा सकता कि, उनको हराने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका एक ही व्यक्ति की थी, जयप्रकाश नारायण की।

एक सवाल का पूर्ण जवाब आज तक नहीं मिला कि 18 जनवरी 1977 को इमरजैंसी के दौरान इंदिरा गांधी ने यकायक देश में आम चुनाव कराने की घोषणा क्यों की। उनको उस समय यह घोषणा करने के लिए मजबूर करने वाला, कोई विशेष कारण नज़र नहीं आता। सतही तौर पर यह लगने लगा था कि, अब उनकी खिलाफत कुछ कम हो रही थी, तथा अब राजगद्दी पर उनकी पकड़ पहले से ज्यादा दिख रही थी, और कानूनी तौर पर पन्द्रह महीने बाकी थे, उनका कार्यकाल पूरा होने में। आर.के. धवन, बंशीलाल, संजय गांधी और उनके मित्र उस समय चुनाव कराने के सख्त खिलाफ थे। संजय की राय थी, ''इन लोगों को फरवरी में जेल से रिहा कीजियेगा तथा उसके बाद, मानसून के बाद, अक्टूबर/नवम्बर में चुनाव कराइयेगा। क्योंकि तब तक ''ये लोग कुत्ते बिल्ली जैसे लड़ रहे होंगे।''

पर, नवज्योति के तत्कालीन सम्पादक महेश शर्मा, जो चुनाव की घोषणा के दिन शाम को राष्ट्रदूत के दफ्तर आये थे, कुछ राजनीतिक गुफ्तगू करने, उनकी सोच ठीक इसके विपरीत थी। महेश जी ने मुझे सम्बोधित करते हुए कहा था, ''आपका तो पटना से सम्पर्क बहुत पुराना है। वहां अनाज स्टोर करने के लिए एक अजीबोगरीब पर विशाल गोलघर के निर्माण का मकसद था, अकाल के समय के लिए जनता के वास्ते, अनाज इकट्ठा करके रखा जाये। दुर्भिक्ष के वक्त एलान किया गया कि तुरन्त गोलघर पहुंचिये और अनाज ले लीजिए। अकाल काफी दिनों से चल रहा था, जनता तुरन्त आनन-फानन में पहुंची, क्योंकि मन में भय था, कि अगर देर से पहुंचे, तो तब तक गोदाम खाली न हो जाये।'' महेश जी के कहने का भावार्थ था, इतनी जल्दी इन लोगों के जेल से छूटते ही चुनाव कराये जा रहे हैं, कि विपक्ष को कुछ तैयारी कराने का मौका ही नहीं मिलेगा। अपने चुनाव चिन्ह से भी जनता को अच्छी तरह अवगत नहीं करा पाएंगे। चुनाव का घोषणा पत्र भी तैयार नहीं हो पायेगा। उम्मीदवार ही नहीं मिल पायेंगे। दुर्भिक्ष पीड़ित जनता की तरह, अपने कुर्ते की झोली बनाकर, जितना ले जा सकें ले लें।

कुछ ऐसी ही राय आई.बी. व अन्य इंटैलिजैंस एजेंसियों ने इंदिरा गांधी को शायद दी होगी, की इंदिरा जी की जीत आसान होगी। एक थिंक टैंक ने आकलन दिया था, कि इंदिरा जी पुनः सत्ता में लौटेंगी। नटवर सिंह ने इस मुद्दे पर कहा, ''यह बात सबके मन में साफ होनी चाहिए, कि, इंदिरा गांधी ने विपक्ष के नेताओं की रिहाई के बाद तुरन्त चुनाव कराने का निर्णय, इसलिए लिया, क्योंकि उन्हें पूर्ण विश्वास था, कि, वे जीतेंगी।''

इस बहस से शायद कभी भी किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंच पायेंगे, कि, मतदान की तिथी इंदिरा गांधी के लिए माफिक और उपयुक्त थी या नहीं। पर इस बात की सत्यता को नहीं नकारा जा सकता कि, उनको हराने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका एक ही व्यक्ति की थी, जयप्रकाश नारायण की। जे.पी. ने विपक्ष की सब पार्टियों को, उनके नेताओं को एक ही माला में पिरोकर रखा। जे.पी. ने सीधी, सरल एक ही बात कही जनता से, इंदिरा गांधी की तानाशाही, भ्रष्टाचार को हटाना है, और जनता ने वह कर दिखाया। जब मेनका गांधी ने जे.पी. को अपनी व्यक्तिगत दिक्कतें गिलाईं, कैसे उनके ''फोन टैप'' किये जा रहे हैं, उनके खत उन तक पहुंचने से पहले ही खोल लिये जाते हैं, जे.पी. वाकई में बहुत कुपित हुए। उनके एक साथी से पूछे बिना नहीं रहा गया, ''फिर इंदिरा गांधी ने भी तो विपक्ष के नेताओं के फोन ''टैप'' किये थे....?'' जे.पी. ने बेवाक जवाब दिया, ''पर अब प्रजातंत्र पुनः स्थापित कर दिया गया है।''

जब तक जे.पी. मन से इंदिरा गांधी सरकार को हटाने के युद्ध में शामिल थे, विपक्ष के पास ''आइडियोलॉजिकल कम्पास'' (सोच और विचार धारा की दृष्टि से सही रास्ता दिखाने वाली कम्पास) थी। ''सम्पूर्ण क्रान्ति'' केवल सत्ता में आने के लिए अपनाया गया, सुविधाजनक नारा नहीं था। पर, जनता पार्टी की सरकार बनने के बाद, जे.पी. का मन उचाट हो गया, क्योंकि जिन ''कारणों से'' जनता ने नई पार्टी का साथ दिया था, ईमानदारी से, उत्साह से, वो स्मृतियाँ शेष होने लगे थीं, और जनता पार्टी के शीर्षस्थ नेताओं का ''फुल टाइम'' काम राजनीतिक उठा पठक हो गया था।

जे.पी. ने जनता पार्टी की अन्तिम सेवा यह की, कि जब चौधरी चरण सिंह, बाबू जगजीवन राम व मोरारजी देसाई के बीच संघर्ष सा छिड़ गया कि प्रधानमंत्री कौन बने, तब जे.पी. को जिम्मेवारी सौंपी गई, जिसे उपयुक्त समझें, उसके नाम पर ''टिक'' कर दें। जे.पी. की ''चॉइस'' मोरारजी देसाई थे। इसके बाद किसे कौन सा ''विभाग'' मिले: चौधरी साहब को गृह विभाग सौंपा गया, जनजीवन बाबू केवल ''रक्षामंत्री'' बनने को तैयार नहीं थे, उपप्रधानमंत्री का पद भी चाहते थे। जे.पी. ने हस्तक्षेप करके उन्हें यह कहकर राजी किया कि रक्षामंत्री भी उतना ही बड़ा व महत्वपूर्ण ओहदा है।

पर इस प्रकरण से और पार्टी के ऐसे ही कुछ प्रकरणों से जे.पी. का मन काफी खट्टा हो चुका था। यहां तक कि वे जनता पार्टी की विजय के उत्सव के रूप में रामलीला मैदान पर आयोजित आमसभा में भी नहीं गये। मधु लिमये उन्हें सम्मान पूर्वक लेने भी आये और काफी देर बैठे भी रहे, जे.पी. का निर्णय बदलवाने के प्रयास में। लेकिन जे.पी. ने साफ कहा, ''मेरा युद्ध, इंदिरा जी की भ्रष्ट व डिक्टेटरशिप वाली सरकार हटाने तक सीमित था। आगे आप लोगों की लड़ाई है, आप ही लड़िये।''

मधु लिमये के लौट जाने के बाद, वे इंदिरा जी से मिलने गये। वे बाहर ''पोर्च'' पर उनके आने का इन्तजार कर रही थीं। ''जे.पी. के विश्वासपात्र पी.ए. कुमार प्रशान्त के अनुसार, जे.पी. ने इंदिरा जी के कंधे पर हाथ रखा और यह कहते हुए घर में दाखिल हुए, ''खेल में हारजीत होती रहती है, इसको खेल की तरह ही लेना चाहिए।''

जनता पार्टी से जे.पी. की दूरियां बढ़ने से पार्टी को ''नुकसान'' तो हुआ ही, देश का राजनीतिक माहौल और मूल्य इस तरह बदले कि अभी तक नीचे गिरने की वह यात्रा बदस्तूर जारी है, और कई बार तो विश्वास नहीं होता कि हम मूलतः वो ही लोग हैं, जिन्होंने महात्मा गांधी के कहने पर स्वतंत्रता संग्राम लड़ा था, जो नैतिक सिद्धांत व फिलॉसफी पर आधारित था और उसी तरीके से लड़ा गया था, वो आज केवल कल्पना लगती है। यह राजनीतिक पतन अपने यौवन और तरुणाई पर आया इमरजैंसी में, और पूर्ण परिपक्व हुआ उस समय, जब इंदिरा गांधी ने पुनः सत्ता में आने के लिए ''साम, दाम, दण्ड और भेद'' का खुलकर उपयोग किया। उन दिनों पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने अपने प्रतिद्वंदंदियों को सम्बोधित किया, ''मेरे पिता सन्त थे, मैं नहीं हूं।'' नैतिकता (मॉरैलिटी) व राजनीति का पूर्ण विग्रह हुआ, तीनों वरिष्ठ वयोवृद्ध नेताओं, देसाई, चरणसिंह और बाबू जगजीवनराम, की असुरक्षा की भावना का ही नहीं, वरन् हर कमज़ोरी का सुनियोजित तरीके से इंदिरा जी ने पूरा लाभ उठाया। और धोखा, साजिशें, पीठ में छुरा घोंपना, ऐसी 'नैचुरल'' बात हो गईं जैसे सांस लेना। और इंदिरा जी वापस आ गईं। और राजनीतिज्ञों की दृष्टि में यह प्रमाणित हो गया, कि राजनीति का मतलब ही यह होता है। इंदिरा गांधी ''रोल मॉडल'' हो गईं, उनके बाद आने वाली राजनीतिज्ञों की पीढ़ियों के लिए, चाहे वे किसी पार्टी के हों। वे उनका पूर्णतया अनुसरण करने लगे। कैसे इंदिरा जी ने अपने प्रतिद्वंदियों को धूल चटाई थी। उनका (इंदिरा जी का) आकार पार्टी से भी बड़ा हो गया। देश की जनता हतप्रभ थी। उसने तो सोचा था, कि उसने आपातकाल के उन्नीस महीनों में जो भय और यातनाएं सही थीं, उसके कारण सम्पूर्ण क्रान्ति का स्वप्न पूरा हुआ था और इसीलिए इंदिरा गांधी का तख्ता पलटा था। पर राजनीतिज्ञों ने जनता की इस जीत का श्रेय अपने-अपने राजनीतिक चातुर्य, साजिशों और चालों को भी दिया। वे भूल गये कि आपतकाल के दौरान संजय गांधी के नाम से रुह कांपती थी। जनता में सिरहन फैल जाती थी। संजय गांधी ने निर्दयतापूर्ण ''सौंदर्यीकरण अभियान'' चलवाया था। उसका सबसे बड़ा उदाहरण था, अप्रेल 1976 में जामा मस्जिद के पास तुर्कमान गेट पर बुलडोज़र से डेढ़ सौ पक्के मकानों को ध्वस्त करना। महिलाएं चीखती चिल्लाती रहीं, और बच्चे दहाड़-दहाड़ कर रोते रहे। परिवारों को, जहां वे जिन्दगी भर से रह रहे थे, वहां से 24 किलोमीटर दूर ''बसाया'' गया। लोग इतने डरे हुए थे, कि, वे इस बारे में बात भी नहीं कर रहे थे, कि ''क्या हुआ।'' क्योंकि समाचार पत्रों पर सेंसर लगा था, शायद ही कुछ छपा हो इस बारे में अखबारों में।

संजय गांधी के जबरन नसबंदी प्रोग्राम को ''फैमिली प्लानिंग'' का ''सभ्य'' नाम दिया गया था। उस समय के सरकारी आंकड़ों के अनुसार 70 लाख पुरुष 1976 में ''स्टैरलाइज़'' हुए थे। ऐसे भी किस्से आये थे कि किसानों को धमकी देकर, दबाव से ''स्टैरलाइज़'' किया गया। धमकी प्रायः यह होती थी, कि पानी व बिजली बंद कर दी जायेगी, अगर उन्होंने ''बात'' नहीं मानी। पिताओं को डराया गया, कि उनके बच्चों को स्कूल में एडिमशन नहीं मिलेगा, अगर वे स्टैरलाइज़ नहीं हुए।

धीरे-धीरे निराशा व भय, क्रोध में तब्दील होने लगा। 1976 के अन्त में, जब कुछ पत्रकार मित्रों के साथ मैं तुर्कमान गेट ''रीसैटलमैंट'' कॉलोनी गया, तो लोगों को बुदबुदाते सुना, ''एक बार चुनाव आने दो, हम सबक सिखायेंगे।'' जनता का विश्वास था, उसने आपातकाल में अपने हृदय में ''पूर्ण क्रांति'' की पवित्र आग, ऐसे जलाकर रखी जैसे ''मंदिर में लौ दिये की।'' पर राजनीतिज्ञ उसे समझ नहीं पाये और इस संदर्भ में ये पंक्तियां याद आती हैं, ''मैं दिल हूँ इक अरमान भरा, तू आके मुझे पहचान ज़रा...।'' राजनीतिज्ञों ने जनता की ''मंदिर के दिये की लौ'' को एक दियासलाई की तिल्ली समझा, जिससे, सिगरेट तो सुलग गयी और तिल्ली को जमीन पर फेंककर आगे बढ़ गये।

सत्ता खोने के 28 महीने बाद इंदिरा जी पुनः चुनाव लड़कर जीत कर आईं, और सरकार बनाई। तो राजनीतिज्ञों के ज़हन में तो स्थापित हो गया कि राजनीति का मतलब ही यह है कि ''पावर एट एनी कॉस्ट'', यानी सत्ता में आना ही चाहिये, चाहे इसके लिए कुछ भी कीमत चुकानी पड़े।

जे.पी. मार्च 1977 से जनता पार्टी से अलग हो गये थे, तथा अक्टूबर 79 में गुज़र गये, अतः राजनीति के बारे में दूसरा पहलू समझने व समझाने वाला बचा ही नहीं था। एक तरह से होड़ सी लग गई, कौन कितना सिद्धांत हीन, अनैतिक, असंवैधानिक काम कर सकता है, सत्ता पाने के लिए और फिर सत्ता में बने रहने के लिए। जनता पार्टी की सरकार बनने के कुछ दिन बाद, केबिनेट ने गृहमंत्री चौधरी चरण सिंह की पहल पर निर्णय लिया कि नौ राज्यों की कांग्रेस सरकारों को बर्खास्त किया जाए। तर्क यह दिया गया कि इन राज्य सरकारों ने भी, इंदिरा गांधी की आम चुनाव में हार के बाद हुकूमत करने का जनाधार (मैनडेट) खो दिया था। 11 जून 1977 को इन राज्यों में चुनाव हुए, तथा जनता पार्टी सात राज्यों, यूपी, मध्य प्रदेश, राजस्थान, हिमाचल, हरियाणा, बिहार और उड़ीसा में जीती। दो गैर कांग्रेस पार्टियां, सी.पी.एम और अकाली दल पश्चिम बंगाल और पंजाब में जीतीं। कांग्रेस इन सभी राज्यों में बुरी तरह हारी। फिर चौधरी साहब की पार्टी लोकदल (बी.एल.डी.), समाजवादी पार्टी व जनसंघ ने जीत का केक बांट लिया। लोकदल ने बिहार में पुराने सोशलिस्ट कर्पूरी ठाकुर, यू.पी. में राम नरेश यादव और हरियाणा में देवीलाल को मुख्यमंत्री बनवा लिया। जनसंघ के हिस्से में राजस्थान, हिमाचल व मध्य प्रदेश आए, जहां भैरोंसिंह शेखावत, शान्ता कुमार व कैलाश जोशी को मुख्यमंत्री बनवाया जनसंघ हाई कमान ने। विधायकों की बैठक में मतदान कराकर मुख्यमंत्री की घोषणा के प्रजातंत्रीय तरीके को तिलांजलि दे दी गई थी। उदाहरण के लिए महारावल डूंगरपुर लक्ष्मण सिंह को विधान सभाध्यक्ष बनाकर साइड-लाइन किया गया, क्योंकि वे स्वतंत्र पार्टी के सदस्य थे, जनसंघ के नहीं थे।

गठन के 28 महीने बाद ही जनता पार्टी की सरकार गिर गई, और फिर चुनाव हुए। इंदिरा जी की पार्टी 353 लोकसभा सीटें जीती। बंगला देश के युद्ध के बाद, पाकिस्तान के विभाजन के बाद, अपनी लोकप्रियता के शिखर के समय, इंदिरा जी ने इससे एक सीट कम जीती थी। परन्तु लोकसभा चुनाव के बाद इंदिरा गांधी ने नौ राज्यों की सरकार को बर्खास्त कर दिया। वो ही तर्क देकर, जैसा 1977 के मध्य में जनता पार्टी ने दिया था, कि केन्द्र में हार के बाद इन पार्टियों ने हुकूमत करने का जनाधार (मैनडेट) खो दिया है।

नशे की व सरकारी रूतबे की एक सी ही फितरत होती है। नियमित खुराक (डोसेज) बढ़ाती रहनी पड़ती है, वही पुराना ''सरूर'' पाने के लिए। और जब ''मॉरल कम्पास'' पहले ही, इंदिरा जी के समय में, इमरजैंसी के दौरान तोड़ चुके थे तो ''अपराध बोध'' (गिल्ट) का सवाल ही कहां उठता है। राजनीतिज्ञों को ''मॉरल कम्पास'' तोड़ने में इतनी आसानी इसलिए भी हुई कि वो अपना ''आइडियोलॉजिकल कम्पास'' पहले ही खो चुके थे। और इस प्रक्रिया का खुला नृत्य, इमरजैंसी व उसके बाद की उठापटक में देखने को मिला। तब शायद ही कोई राजनीतिज्ञ बचा था, जिसने अपनी निष्ठा नहीं बदली, चाहे फर्नांडिस, राजनारायण या जगजीवन राम जैसे वरिष्ठ नेता हों। छोटे मोटे नेताओं की बिसात ही नहीं थी।

इंदिरा जी के बारे में विस्तार से लिखने वाले एक लेखक ने इंदिरा जी की विचारधारा की ''ग्रोथ'' व परिपक्वता के बारे में कहा है कि 1930 के दशक में इंग्लैंड में, अपने पिता पं. नेहरू व पति फिरोज़ गांधी के प्रभाव में इंदिरा जी का राजनीतिक सोच वाकई में ''उदारवादी'' व लैफ्टलीनिंग, ''लैफ्ट उन्मुख'' था। पर 1950 के दशक में, उनका सोच कांग्रेस के महारथियों, गोविन्द वल्लभ पन्त व यू.एन. ढ़ेवर से प्रेरित हुआ और वे ''राइटिस्ट'' हो गईं। इसके बाद, 1960 के दशक में तथा 1970 के दशक की शुरूआत में उनका और उनकी सरकार के चिंतन ने पुनः ''लैफ्ट टर्न'' लिया, मार्क्सवादी पी.एन. हक्सर और वामपंथी मित्रों के नजदीकी सानिध्य के कारण। 1973-74 के बाद जब से संजय गांधी, जो घोर साम्यवाद विरोधी थे, कांग्रेस पार्टी के मामलों में निर्णायक भूमिका निभाने लगे थे, इंदिरा जी भी, सरकार संचालित (ड्रिवन) विकास के रास्ते से विमुख सी होने लगी थीं, पर उनकी भाषा तब भी समाजवादी (सोशलिस्ट) ही होती थी। इसी धारा में 1 मार्च 1982 में उन्होंने लोकसभा में कहा, ''रैग्युलेशन्स'' (नियम-कायदों) की एक ही 'वर्च्यू'' (गुण) है, कि यह उत्पादन पर ''रिस्ट्रिक्शन'' (नियंत्रण) लगाता है। उत्पादन को प्रतिबंधित करता है।

''कृपया हमें और समाजवादी मत बनाइये,'' 1963 में एक स्पष्ट (कैन्डिड) इंटरव्यू में उन्होंने स्वीकार किया, ''मेरी कोई पॉलिटिकल फिलॉसफी'' (राजनीतिक विचारधारा व दर्शन) नहीं है। मैं किसी ''वाद'' (इज़्म) में विश्वास नहीं करती हूं। मैं यह भी नहीं कह सकती कि, समाजवाद में रूचि केवल इसलिए है, क्योंकि यह समाजवाद है। मेरे लिए, वह सिर्फ एक औज़ार है (''फॉर मी इट इज़ जस्ट ए टूल'')।

इसलिए धीरे-धीरे, अगर इस सोच के कारण, इमरजैंसी और उसके बाद की असफल ''खिचड़ी'' सरकार, देश का राजनीतिक पर्व बनकर रह गई तो कोई आश्चर्य नहीं हुआ। पर राजस्थान में ऐसा नहीं हुआ। क्योंकि एक ''सिम्पिलस्टिक थ्योरी'' यह है कि इन दोनों घटनाओं ने इस राज्य का कल्चर, चरित्र व प्रशासनिक शैली बदल दी। इस ''सामन्तवादी'' राज्य में कमाई करने वाला बनिया, वैश्य, व्यापारी, बाहर जाकर कमाई करता था और योद्धा एवं वीर अन्यत्र युद्ध करके, अपनी सल्तनत बढ़ाते थे। राजस्थान की भूमि ने कोई खास वर्ग संघर्ष नहीं देखा था, या भोगा था। अतः आंख की शर्म, लिहाज, मुरव्वत, रूतबा, अहमियत रखते थे। यह माहौल प्रारम्भिक काल में राजस्थान की विधानसभा में साफ दिखता था, जाने-माने राष्ट्रीय स्तर की सी.पी.आई. के नेता, जोधपुर के एच.के.व्यास, पहली विधानसभा के सदस्य थे, उनके करीबी मित्र हजारी बाबू, ''रैडिकल ह्यूमनिस्ट'' और संभ्रात कुलीन, लखनऊ में पढ़े लिखे मथुरा दास माथुर से हंसी मजाक में कहते थे, ''तुम भी अपने नेता (सुखाड़िया) जैसे अब पूंजीवादी हो गये।'' माथुर साहब भी उसी लहजे में जवाब देते थे, ''एक फर्क है, सर। मैं मूलतः ''प्रोग्रेसिव'' हूं, पर कभी-कभी पूंजीवादी हो जाता हूं। पर मेरा नेता मूलतः पूंजीवादी है, कभी-कभी सुविधानुसार, ''प्रोग्रेसिव'' जामा पहन लेता है।'' यह लिहाज-मुरव्वत का, नोक-झोंक का विधानसभा का मजमा टूटा जब अशोक गहलोत पहली बार विधायक बने, तब भैरोंसिंह शेखावत मुख्यमंत्री थे। जब विधानसभा में दोनों का आमना-सामना हुआ, तब गहलोत की आंखों में शेखावत के रूतबे का सम्मान, उम्र की वरिष्ठता का लिहाज नहीं था, एक तिरस्कार की, एक चुनौती की खनक थी। आखिर गहलोत इमरजैंसी की संतान थे, खिचड़ी सरकार की उठा-पटक व राजनीतिक धोखाधड़ी को देखते हुए बड़े हुए थे। इन्हीं संस्कारों की मोहर उनके तीन शासन काल में प्रखर से प्रखरतम की ओर बढ़ती चली गई। चरमराते प्रशासनिक ढांचे को किसी तरह परम्पराओं की जर्जर दीवारों ने संभाला हुआ था, जो अब, पूरी तरह ढह गई। फोन टैपिंग, बजरी ठेके, ट्रांसफर पोस्टिंग के खर्च, अखबारों का आर्थिक गला घोंटने की प्रक्रिया को और मजबूत और ''एफिशियन्ट'' बनाने पर जैसे गहन अनुसंधान किया गया हो। पर भाषा वो ही ''सोशलिज़्म'' की थी। कोई आश्चर्य नहीं कि सरकारी स्कूलों की छत गिर रही हैं। जयपुर की एतिहासिक विरासत यह है कि रोड पर गढ्ढे ज्यादा हैं, सड़कें कम। काश इमरजैंसी, राजस्थान में भी पर्व होकर ही रह जाती, और टूटा हुआ प्रशासनिक ढांचा देकर नहीं जाती, संस्कृति व कल्चर को विकृत नहीं कर जाती, योग्य ''चिन्तनशील,'' तीन बार के मुख्यमंत्री की महत्वाकांक्षा तिरस्कार तो दिला रही है, पर मरने नहीं देती।

हाल ही में गहलोत ने इमरजेंसी लगाने के फैसले को प्रतिरक्षा देते हुए कहा कि इमरजेंसी किन्हीं विशिष्ठ कारणों में लगाई गई थी, उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि वर्तमान भाजपा सरकार ने ''अनडिक्लेयर्ड'' (अघोषित) इमरजेंसी आपातकाल लगाया है।

परन्तु सवाल यह है कि इमरजेंसी के दौर में अपना राजनैतिक जन्म लेने वाले इन राजनेतागण, जिन्होंने स्वयं सत्ता का स्वाद लेकर, सत्ता में बने रहने के लिए सभी तरह के हथकंडें अपनाए और संवेदानिक नैतिकता का गला घौटा है, को अधिकार है कि वे किसी भी सरकार के खिलाफ टीका टिप्पणी करने, जिसने भी अपने कार्यकाल में संवैधानिक सीमाओं को तोड़ा हो? ऐसे नेताओं को सवाल उठाने का क्या नैतिक अधिकार है? क्योंकि गहलोत ने भी तानाशाही रवैये में ऐसे ही हथकंडों को अपनाये थे। और तीसरे कार्यकाल के 60 महीनों में ही 42 पत्रकारों के खिलाफ एफ.आई.आर. दर्ज करवाई थी।

इन बयानबाजियों के प्रचार-प्रसार से गहलोत और उन जैसे सत्ता भोग चुके राजनैताओं को सस्ते प्रचार और गांधीवादी छवि बनाने का मौका तो मिलता है परन्तु उन अखबारो, पत्रकारों और विपक्षी नेताओं की आलोचनाएं केवल एक दिखावा और खोट से भरा पांखड़ लगता है। इन नए तरीकों से सुर्खिया तो बटोरी जा सकती है, परन्तु पाठकों के मन में केवल अविश्वास ही पैदा होता है।

राजेश शर्मा

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, जयपुर कार्यालयः सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोनः 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोनः 2386031, 2386032,फैक्सः0744-2386033, उदयपुर कार्यालयः आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, फैक्स : 0294-2410146, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोनः 2200660, फैक्स 0151-2527371, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोनः 226422, 226423, फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्सः 01562-256908

Janardan Rai Nagar Rajasthan Vidyapeeth (Deemed To Be University)

जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ (डीम्ड टू बी विश्वविद्यालय)

1937
सरस्वती देवयन्ते हवन्ते

Pratap Nagar, Udaipur – 313001 (Raj.) Ph. & Fax : 0294-2492440, Email: admissions@jrnrvu.edu.in

समस्त पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) से मान्यता प्राप्त

ADMISSIONS OPEN - 2025-26

Manikyalal Verma Shramjeevi College

Faculty of Social Sciences and Humanities : Mob. : 9413263428, 9414353154

B.A. : English, Hindi, Sanskrit, History, Sociology, Geography, Economics, Political Science, Environmental Science

M.A. : English, Hindi, Sanskrit, History, Sociology, Geography, Economics, Political Science

Diploma Course : Diploma in Panchgavya, Diploma in Acupressure, P.G. Diploma in GIS & Remote Sensing, Bachelor of Journalism and Mass Communication **Certificate Course :** Spoken English, Proficiency in English and Communication Skills, Culture of Rajasthan, Research Methods and Data Analyst, Human Rights, Acupressure, Sanitation and Modern Society, Health Awareness

Jyotish and Vastu Sansthan - 9460030605

M.A. (ज्योतिर्विज्ञान), Diploma and Certificate Courses in Astrology (ज्योतिष), Vastu (वास्तु), Palmistry (हस्तरेखा), Worship System (पूजा पद्धति), Rituals (अनुष्ठान), Vedic Culture (वैदिक संस्कार संस्कृति).

Faculty of Commerce : Mob. : 9460372183, 9461180053

B.Com., M.Com. (Accounting, Business Administration), Master of NGO Management, P.G. Diploma in Training & Development Certificate Course: Plastic Processing and Manufacturing Skills, Tally ERP-9.0, Goods and Service Tax (GST)

Faculty of Science : Mob. 7852803736, 9828072488

B.Sc. : Physics, Mathematics, Chemistry, Statistics, Computer Science, Botany, Zoology, Biotechnology, Environmental Science, Geology
M.Sc. Chemistry (Inorganic, Organic, Physical, Industrial)
M.Sc. : Mathematics, Physics, Botany, Zoology, Environmental Science, Statistics, Bioinformatics, Biotechnology, Renewable Energy

Faculty of Education - 9460693771

B.A.B.Ed. & B.Sc.B.Ed. (Four Year Integrated Course)

महाराणा कुम्भा कला केंद्र - 6376147607

भूषण, प्रभाकर प्रथम, द्वितीय (शिक्षा विभाग बीकानेर द्वारा संचालित)
डिप्लोमा : तबला, ढोलक, बांसुरी, ड्रम, कांगो, गिटार, हारमोनियम, केसियो

Manikyalal Verma Shramjeevi Evening College Mob. - 9414291078, 8209630249

- B.A
- BA (Additional)
- B.Lib MA (All Subjects)
- MA (Music)
- M.Com
- M.Sc (Chemistry/Botany /Zoology/Physics/Maths, Biotechnology/ Environmental Science)
- MA / M.Sc (Psychology)
- M.Lib
- PG Diploma in Guidance counseling
- PG Diploma in Mental Health Counselling
- B.Ed in Special Education (ID)
- B.Ed Special Education (HI)
- D.Ed. Special Education (IDD)
- D.Ed. Special Education (HI)
- D.Ed. Special Education (VI)
- (BA/B.Com/B.Sc Integrated BEd special Education Eligibility 10+2)
- DCBR (Diploma in Community Based Rehabilitation)
- DISLI (Diploma in Indian sign language interpretation (subject to RCI approval)
- D.Lib
- Diploma in Music
- MPT (Master of Physiotherapy (eligibility: BPT)
- BOT (Bachelor of Occupational Therapy (eligibility : 10+2 Science)
- BA-BEd Special Education ID (ISITEP ID) (eligibility : 10+2) 5:48 PM

Department of Physical And Yoga Education M.V. Shramjeevi Collage Campus, Mob. 9352500445

M.A.Yoga, P.G. Diploma In Yoga, Physical Education, M.A. Physical Education, Bachelor of Physical Education & Sports, (B.P.E.S),

Department of Physical Education, Pratap Nagar Campus - 9829943205

M.P.Ed., PG Diploma in Yoga.

Department of Law, Mob. 9414343363, 9887214600

B.A.LL.B. (5 Year Integrated Course), LL.B. (3 Year Degree Course), LL.M. (2 Years), PG Diploma (1 Year Course) in Labour Law (PGDLL). Cyber Law (PGDCL), Law & Forensic Science (PGDLFS). Accountancy & Taxation (PGDLTA) and Intellectual Property Laws (PGDIPL). LLM 2 years (Criminal and Business Law), Diploma in Criminal Psychology

जन शिक्षण एवं विस्तार कार्यक्रम निदेशालय, प्रतापनगर (6376147607, 9414296535)

- कम्युनिटी सेंटर्स : बेदला, नाई, टीडी, खरपीणा, झाड़ोल (सराड़ा), सलूम्बर, कानपुर, साकरोदा
- कम्प्यूटर डिप्लोमा (1 वर्ष)
- कम्प्यूटर में प्रमाणपत्र (6 माह)
- सिलाई में प्रमाणपत्र (6 माह)

Department of Pharmacy - 9414869044, 9772982280, 9983938888

B. Pharm (4 year Degree Course), **D. Pharm** (2 year Diploma Course)

- आईआईआरएफ रैंकिंग 2024 में राष्ट्रीय स्तर पर 37वां स्थान
- ईपीएसआई रैकिंग 2024 में भारत के विश्वविद्यालयों में 32वां स्थान
- आईआईआरएफ रैंकिंग 2023 में प्रदेश में प्रथम
- इम्पैक्ट रैंकिंग में राजस्थान में द्वितीय स्थान
- यूनी रेंक में उदयपुर में पहला स्थान
- **RECENT IPR GRANTED**
  - **Patent : 28**
  - **Trade & Design: 40**
  - **Copyright : 5**
  - **Monograph, Book Chapter, Books, No. of Articles**

Faculty of Engineering - Rajasthan Vidyapeeth Technology College Mob. 9950304204, 9414738278

Diploma in Engineering- Civil Engineering, Electrical Engineering, Mechanical Engineering. Electronics & Communication Engineering, Computer Science. BCA (AICTE APPROVED)

Faculty of Computer Science and Information Technology Mob. 9414737125, 9461260408

B.C.A. (AICTE APPROVED), M.C.A.(AICTE APPROVED), M.Sc.(CS), P.G.D.C.A., B.Voc in Software Development, DCA (Diploma in Computer Applications).

Department of Physiotherapy - Mob. 0294-2656271, 9414234293

Bachelor of Physiotherapy (B.P.T.). Master of Physiotherapy (M.P.T.). Master of Hospital Management. Fellowship in Palliative Care and Oncology Rehabilitation, Fellowship in Neurological Rehabilitation, MBA in Health Care Management. Fellowship in Geriatric Care and Rehabilitation, Fellowship in Sports Rehabilitation, M.Sc. Osteopathy

Department of Nursing - Mob.9772982280, 7597348944 (2024-25 & 2025-26)

B.Sc. Nursing - 4 year
G.N.M. Nursing - 3 year

Udaipur School of Social Work - Mob. 8118806319, 9829445889

MSW, PG Diploma in HRM, PG Diploma in CSR
MSW - Self Finance Evening Batch, PG Diploma in Labour Welfare

Sahitya Sansthan (Institute of Rajasthan Studies) Mob. 8003636352

M A in Ancient Indian History, Culture and Archaeology;
PG Diploma in Archaeology.

School of Agricultural Sciences, Dabok - 9460728763

B.Sc. (Hons.) Agriculture, B.Sc. Horticulture, B.Tech. Food Technology, M.Sc. in Agronomy, Horticulture, Plant Pathology and Genetics & Plant Breeding

Manikyalal Verma Shramjeevi Girls College, Dabok Mob.9694881447, 9079919960

B.A., B.Com., B.Sc., M.A. (English, Hindi, Sanskrit, Pol. Sc., History. Geography, Sociology, Economics), M.Com (Accountancy), M.Com in Business Adm., Special Classes for English Speaking and Computer Basics. Special classes for competition exams (free of charges)

R.V. Homoeopathic Medical College and Hospital, Dabok Mob. 9928253150, 8769746883

BHMS - 5 1/2 years Course (ADMISSION FROM ALL INDIA QUOTA)
M.D (Homoeopathic) 1:- PAEDIATRICS 2:- PRACTICE OF MEDICINE,
3 years regular course & Homoeopathic Pharmacy course, 2 years course & 1 year integrated course, PG diploma in yoga(Ayush system of Medicine)

Faculty of Management Studies (FMS) Mob. 8112281461, 7737623462

M.B.A (H.R / Marketing / Finance / Production & Operation Management / I.B / I.T / Tourism and Travel / Retail Management / Agri- Business / Family Business Management), M.H.R.M.

- BBA (Bachelor of Business Administration) - **9950489333**
- BBA (Travel & Tourism) Specialisation in Hotel Management (AICTE approved)
- Diploma in Hotel Management (Food & Beverage Service)
- Diploma in Hotel Management (Food Production)
- Diploma in Hotel Management (Housekeeping)

Manikyalal Verma Shramjeevi College, Pratapnagar, Udaipur Mob. : 9799693124, 9929939963

B.A., B.Com, B.Sc.,
M.A., M.com. : (All Subjects), Regular special classes for competitive exams (free of charges)

Lokmanya Tilak Teachers Training College, Dabok Mob. 9414812900, 9414472016, 8306182436

बी.एड. (बाल विकास) B.Ed., M.Ed., M.A. Education, B.A.B.Ed., B.Sc.B.Ed. (4 Year Integrated), B.Ed.-M.Ed. (3 Year Integrated), D.El.Ed., PG Diploma in Yoga

Note : For more information about the admission in various courses like minimum percentage, fee structure etc. please go through our website : **www.jrnrvu.edu.in**, respective prospectus or contact concerned department

REGISTRAR

SHIVA © 9828244344

क्यूरेटर ने संभवतः भारतीय टीम में चिंगारी सुलगा दी है। विपक्षी ने भारतीय टीम के अंदर के बेस्ट को उभार दिया है।

– आर. अश्विन

पूर्व भारतीय गेंदबाज, क्यूरेटर और गंभीर के बीच हुई नोकझोंक को लेकर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

दिव्या देशमुख

युवा शतरंज खिलाड़ी दिव्या देशमुख, जिन्होंने हाल ही में जॉर्जिया के बटुमी में फिडे महिला विश्व शतरंज कप 2025 का खिताब जीता, का नागपुर में भव्य स्वागत किया गया। समारोह की शुरुआत डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हुई, जहां दिव्या का भव्य स्वागत किया गया। शहर द्वारा अपनी शतरंज रानी का सम्मान किए जाने पर हवाई अड्डा जयकारों, तालियों और पारंपरिक बैंड की धुनों से गूंज उठा। हवाई अड्डे से, एक भव्य अभिनंदन रैली शहर के मध्य की ओर बढ़ी, जिसके मार्ग में लोग पुष्प वर्षा कर रहे थे और तिरंगा लहरा रहे थे।

क्या आप जानते हैं ?... आईपीएल 2026 के लिए कोलकाता नाइट राइडर्स केएल राहुल को अपनी टीम में ना सिर्फ शामिल करना चाहती है बल्कि उन्हें बतौर कप्तान भी बनाना चाहती है।

लॉर्ड्स टेस्ट में टीम इंडिया के साथ हुई थी बेईमानी, 30 ओवर पुरानी गेंद मिली

लंदन, 31 जुलाई। इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के दौरान गेंद बदलने के प्रोटोकॉल से भारतीय टीम प्रबंधन नाखुश है। उसने मैच रफेरी को अपनी चिंता बताई है। प्रबंधन का ये भी मानना है कि इस महीने की शुरुआत में लॉर्ड्स टेस्ट में खेले गए सीरीज के अहम तीसरे टेस्ट मैच की शुरुआत में गेंद चुनने के मामले में बेईमानी हुई। खबर के अनुसार, लॉर्ड्स में इंग्लैंड की पहली पारी के दौरान, जब दूसरी नई गेंद 10 ओवर के बाद खराब हो गई तो नई गेंद 30-35 ओवर पुरानी गेंद मिली। प्रोटोकॉल के अनुसार नई गेंद मूल गेंद जितनी ही पुरानी होनी चाहिए, लेकिन पता चला कि अंपायर्स ने टीम को बताया कि स्टॉक में कोई भी गेंद 10 ओवर पुरानी नहीं थी। भारतीय टीम का मानना है कि चूंकि उन्हें पहले 10 ओवरों में स्विंग और सीम मूवमेंट वाली सख्त गेंद की जगह एक नरम और पुरानी गेंद मिली थी, इसलिए टेस्ट में उन्हें नुकसान हुआ। इंग्लैंड ने अंततः 22 रनों से जीत हासिल कर सीरीज में 2-1 की बढ़त बना ली। रोमांचक चौथा टेस्ट ड्रॉ पर समाप्त हुआ और आखिरी मैच गुरुवार से शुरू होगा। वहीं भारतीय टीम के एक अधिकारी ने बताया कि, लॉर्ड्स में लगभग 10 ओवर के बाद ड्यूक्स गेंद अपना आकार खो बैठी, जैसा कि इस सीरीज में अक्सर होता रहा है। गेंद दोनों रिंग से नहीं गुजर पाई। हालांकि, अंपायर्स के पास 10 ओवर पुरानी गेंद नहीं थी, इसलिए मैच के एक अहम मोड़ पर भारतीय टीम को 30-35 ओवर पुरानी गेंद मिली। इसके बाद खेल कैसे बदला, ये जानने के लिए स्कोरबोर्ड देखें। गेंदबाजों की स्विंग कम हो गई और इंग्लैंड ने आसानी से रन बनाए लिए।

जयपुर की कशिश और कोटा के तेज राठौर बने 100 मीटर दौड़ के चैम्पियन

जयपुर, 31 जुलाई। जयपुर की कशिश चौमाल और कोटा के तेज राठौर ने मंगलवार को झुंझुनू में शुरू हुई राजस्थान अंडर 23 एथलेटिक्स चैंपियनशिप की 100 मीटर दौड़ में क्रमशः महिला और पुरुष वर्ग का स्वर्ण पदक जीत लिया। पुरुष वर्ग में उदयपुर के जैसन ने रजत और जयपुर के वीरेंद्र प्रताप ने कांस्य पदक जीता। वहीं महिला वर्ग में चूरू की प्रीति ने रजत और झुंझुनू की सबीना ने कांस्य पदक अपने नाम किया। इससे पूर्व मुख्य अतिथि राजस्थान ओलंपिक संघ के महासचिव सुरेंद्र सिंह गुर्जर ने झुंझुनू के योगी स्टेडियम में चैंपियनशिप का उद्घाटन किया।

क्रिस वोक्स को लगी गंभीर चोट, भारत 197/6

लंदन, 31 जुलाई। इंडिया वर्सेस इंग्लैंड 5 मैच की टेस्ट सीरीज का पांचवां और आखिरी मुकाबला आज से लंदन के केनिंग्टन ओवल मैदान पर खेला जा रहा है। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 विकेट गंवा दिए हैं।

इंडिया वर्सेस इंग्लैंड 5 मैच की टेस्ट सीरीज का पांचवां और आखिरी मुकाबला लंदन के केनिंग्टन ओवल मैदान पर खेला जा रहा है। तीसरे सेशन में भारत ने साई सुदर्शन, रविंद्र जडेजा और ध्रुव जुरेल का विकेट गंवा दिया है। इससे पहले भारत को तीसरा झटका कप्तान शुभमन गिल के रूप में लगा जो रन आउट हुए। इससे पहले टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी टीम इंडिया को यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल के रूप में दो झटके क्रमशः गस एटकिंसन और क्रिस वोक्स ने दिए।

क्रीज पर ध्रुव जुरेल के साथ करुण नायर मौजूद हैं। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज क्रिस वोक्स को बाउंड्री लाइन के पास गेंद को रोकने के प्रयास में गंभीर चोट लगी है। वह कंधे को पकड़े हुए मैदान के बाहर गए हैं। करुण नायर और वॉशिंगटन सुंदर ने पारी को संभाला है भारत और इंग्लैंड के बीच एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी का पांचवां टेस्ट लंदन में खेला जा रहा है। द ओवल स्टेडियम इंग्लैंड ने गेंदबाजी चुनी। पहले दिन के तीसरे सेशन का खेल जारी है। भारत ने पहली पारी में 6 विकेट खोकर 197 रन बना लिए हैं। करुण नायर और वॉशिंगटन सुंदर पिच पर हैं। ध्रुव जुरेल 19 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें गस एटकिंसन ने हैरी ब्रूक के हाथों दूसरे स्लिप पर कैच कराया। उन्होंने यशस्वी जायसवाल (2 रन) को भी पवेलियन भेजा। जोश टंग ने रवींद्र जडेजा (9 रन) और साई सुदर्शन (38 रन) के विकेट झटके। भारतीय कप्तान शुभमन गिल 21 डायरेक्ट थ्रो पर रनआउट हुए। जबकि केएल राहुल (14 रन) क्रिस वोक्स ने बोल्ड किया।

57वें ओवर की आखिरी बॉल पर क्रिस वोक्स के कंधे पर चोट लगी। ऑफ स्टंप के पास की फुलर लेंथ बॉल को नायर ने मिड ऑफ की ओर खेला।

इसे रोकने के लिए क्रिस वोक्स ने दौड़ लगाई। उन्होंने बॉल रोकने के लिए डाइव लगा दी। इसी दौरान उनके बाएं कंधे में चोट लगी। हालांकि, वे दाएं हाथ से गेंदबाजी करते हैं। लेकिन फिजियो की सलाह पर उन्हें बाहर जाना पड़ा है।

बारिश के कारण 2 बार रोकना पड़ा खेल

साउथ लंदन स्थित द ओवल मैदान पर बारिश के कारण दिन का खेल दो बार रोका जा चुका है। पहली बार बारिश के कारण जल्दी लंच करना पड़ा, जबकि दूसरी बार बारिश के बीच टी-ब्रेक हुआ। रात 8 बजे दूसरी बार खेल रोकने के बाद रात 9:15 बजे आखिरी सेशन शुरू हुआ।

गिल ने तोड़ा गावस्कर का रिकॉर्ड, बने नंबर-1 भारतीय कप्तान

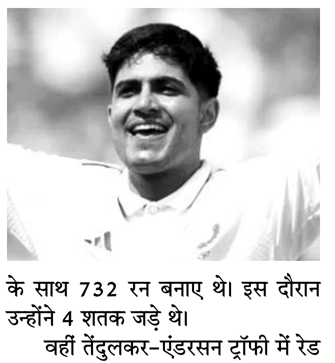

लंदन, 31 जुलाई। इंडिया और इंग्लैंड के बीच द ओवल में आखिरी टेस्ट मैच खेला जा रहा है। इस मैच में भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने सुनील गावस्कर का 46 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया है। ये रिकॉर्ड था बतौर कप्तान एक टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने का। इंग्लैंड के खिलाफ 11 रन बनाते ही गिल ने इस रिकॉर्ड को अपने नाम कर लिया और वह भारत के नंबर-1 कप्तान बन गए हैं। बता दें कि, टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी टीम इंडिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही। 38 रन के स्कोर पर भारत को दो झटके लग गए।

जहां यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल का विकेट गिरने के बाद बल्लेबाजी करने आए शुभमन गिल पर काफी दबाव था। हालांकि, महज 11 रन बनाते ही उन्होंने बतौर कप्तान एक सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। सुनील गावस्कर ने 1978/79 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 6 मैचों की 9 पारियों में 91.50 की औसत के साथ 732 रन बनाए थे। इस दौरान उन्होंने 4 शतक जड़े थे।

वहीं तेंदुलकर-एंडरसन ट्रॉफी में रेड हॉट फॉर्म में चल रहे शुभमन गिल ने अब तक इस रिकॉर्ड को तोड़ दिया है। वहीं खबर लिखे जाने तक गिल 23 गेंदों पर 15 रन बना चुके हैं। उनके नाम अब इस सीरीज में 737 रन हो गए हैं।

फिलहाल, अब उनकी नजरें बतौर सर डॉन ब्रैडमैन के रिकॉर्ड पर हैं। जो कप्तान एक टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड सर डॉन ब्रैडमैन के नाम है। गिल अब ब्रैडमैन के रिकॉर्ड को तोड़ने से महज 73 रन ही पीछे हैं।

सेंट्रल इंडिया स्लैम में राजस्थान के खिलाड़ियों का प्रभावी प्रदर्शन

दिव्यांशी ने अंडर-13 और सुभाष ने अंडर-19 वर्ग का खिताब जीता

Daly College
Central India Slam 2025

जयपुर, 31 जुलाई। इन्दौर के डेली कालेज में गुरुवार को संपन्न हुई सेंट्रल इंडिया स्लैम स्क्वैश चैंपियनशिप में राजस्थान के खिलाड़ियों ने प्रभावी प्रदर्शन करते हुए दो वर्गों के खिताब अपने नाम किए। राजस्थान की दिव्यांशी जैन ने गर्ल्स अंडर-13 वर्ग के फाइनल में महाराष्ट्र की शनाया राय को 8-11, 11-5, 11-2, 11-3 से हरा खिताब अपने नाम किया, वहीं सुभाष चौधरी ने फाइनल में महाराष्ट्र के रचित शाह को 12-10, 11-7, 11-5 से हरा बॉयज अंडर-19 का खिताब हासिल किया।

राजस्थान स्क्वैश एसोसिएशन के सचिव धीरज सिंह ने आज यहां बताया कि राजस्थान के अन्य खिलाड़ियों का प्रदर्शन भी अच्छा रहा। प्रभव बाजोरिया अपने आयु वर्ग में तीसरे स्थान पर रहे, वहीं धैर्य गोगिया और गौरवी अजमेरा ने अपनी कैटेगरी में चौथा स्थान हासिल किया।

भारत और इंग्लैंड को विश्व कप में हराना सबसे मुश्किल होगा : एलिसा हीली

सिडनी, 31 जुलाई। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान एलिसा हीली ने भविष्यवाणी की है कि इस साल होने वाले आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप में उनकी टीम के लिए भारत और इंग्लैंड दो ऐसी टीमें होंगी जिन्हें हराना सबसे मुश्किल होगा। हीली ने आज यहां क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के एक प्रायोजन कार्यक्रम में पत्रकारों से बात की और इस अनुभवी विकेटकीपर ने खुलासा किया।

प्रो. कबड्डी लीग सीजन 12 का आगाज 29 अगस्त से

मुंबई, 31 जुलाई। प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) अपने 12वें सीज़न के साथ 29 अगस्त 2025 से शुरू होने जा रही है। यह सीज़न देशभर के कबड्डी प्रेमियों के लिए जबरदस्त रोमांच और प्रतिस्पर्धा से भरपूर होगा। इस बार मुकाबले चार शहरों - विशाखापट्टनम (वीईजेग), जयपुर, चेन्नई और दिल्ली- में खेले जाएंगे और हार बार की तरह इस बार भी देश की 12 सर्वश्रेष्ठ टीमें खिताब के लिए भिड़ेंगी।

प्रो कबड्डी लीग के लीग कमिश्नर और मशाल स्पोर्ट्स के बिज़नेस हेड अनुपम गोस्वामी ने इस मौके पर कहा, टूर्नामेंट की शुरुआत शुक्रवार को विशाखापत्तनम के राजीव गांधी इंडोर स्टेडियम से होगी, जहां उद्घाटन मुकाबले में तेलुगू टाइटंस का सामना तमिल थलाइवाज़ से होगा। उसी दिन दूसरा मैच बेंगलुरु बुल्स और पुनेरी पलटन के बीच खेला जाएगा।

ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भारत अंडर-19 की अगुवाई करेंगे म्हात्रे

मुंबई, 31 अगस्त। मुंबई के बल्लेबाज आयुष म्हात्रे ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भारत अंडर-19 दल की अगुवाई करेंगे जो कि 21 सितंबर से शुरू होगा। 17 सदस्यीय दल में 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी को भी जगह मिली है। भारत ऑस्ट्रेलिया दौरे पर कुल पांच मैच खेलेगा जिसकी शुरुआत तीन वनडे मैच से होगी।

राजधानी

राजधानी में हरियाली के नाम पर ग्रेटर निगम में धांधली की तैयारी?

10 फीट का जो पेड़ ग्रेटर निगम 270 में खरीदेगा, हैरिटेज उसके 135 से 150 रु. ही चुकाएगा

– कार्यालय संवाददाता–

जयपुर। ग्रेटर निगम के अफसर और ठेकेदार हरियाली के नाम पर ''ग्रेट'' धांधली की तैयारी में जुटे है। इस मानसून में वन टाइम प्लांटेशन के लिए ग्रेटर निगम प्रशासन 10 फीट के जो पेड़ ठेकेदारों से 270 से 285 रुपए तक में खरीदेगा, वहीं पेड़ हैरिटेज निगम में आधी कीमत यानी कि 135 से 150 रुपए तक में खरीदे जाएंगे। इसका खुलासा गुरुवार को टैंडर की वित्तीय बीड जारी होने के बाद हुआ है।

- **जेडीए ने भी 160 से 170 रुपए में ही खरीदे है ठेकेदारों से 10 फीट ऊंचे पेड़, फिर आमजन को 50 रुपए की रियायती दरों पर बांटे थे**
- **हेरिटेज नगर निगम ने भी ''वन टाइम प्लांटेशन'' के लिए करीब 25 से 29 लाख रुपए तक के 4 जोन में टैंडर लगाए थे। परन्तु यहां सभी ठेकेदारों को निविदा में भाग लेने का अवसर मिला, इसका नतीजा यह हुआ कि यह टेंडर करीब 50 से 55 प्रतिशत कम राशि पर खुले**

मजेदार बात यह है कि जेडीए प्रशासन ने भी यही पेड़ ठेकेदारों से 160 से 170 रुपए के बीच खरीदे है। ऐसे में सवाल यह उठ रहे है कि आखिर ग्रेटर निगम प्रशासन ही जानबूझकर करोड़ों रुपए का आर्थिक नुकसान क्यों झेलने पर उतारू है। जबकि तीनों विभागों ने पौधों की एक समान खरीद दर 300 रुपए तय की थी। जिसमें नीम, शीशम, करंज, गुलमोहर, अमलतास, अशोक, चंपा, आंवला, सीताफल, खेजड़ी, अर्जुन, बालम खेड़ा, कनेर, हरसिंगार, शहतूत, अमरूद, पीपल, जामुन, बेलपत्र, गुड़हल, मौलश्री, चंदन और आम के पेड़ शामिल है।

महेश जोशी की जमानत याचिका पर सुनवाई अगले सप्ताह

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने जल जीवन मिशन घोटाले से जुड़े ईडी प्रकरण में आरोपी पूर्व जलदाय मंत्री महेश जोशी की जमानत याचिका को जमानत सुनने के लिए तय की गई एकलपीठ के समक्ष सूचीबद्ध करने को कहा है। जहां जोशी की जमानत पर आगामी सप्ताह में सुनवाई होगी। जस्टिस आशुतोष कुमार की एकलपीठ ने यह आदेश महेश जोशी की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि याचिकाएं सुनने के लिए नया रोस्टर आ गया है। ऐसे में प्रकरण को नियमित बेंच के समक्ष भेजा जा रहा है। जमानत याचिका में कहा गया कि प्रकरण में उसे फंसाया गया है। प्रकरण को लेकर एसीबी में दर्ज मूल केस में याचिकाकर्ता का नाम नहीं है। याचिकाकर्ता को एक साल पहले नोटिस दिया गया। इसके बाद बिना कोई परिस्थिति बदले याचिकाकर्ता को गिरफ्तार कर लिया गया।

हाईकोर्ट एल.डी.सी.भर्ती में नकल करने वाले पकड़े

हर माह देनी होगी थाने में हाजिरी

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने हाईकोर्ट की ओर से आयोजित एलडीसी भर्ती-2022 में ब्लूटूथ से नकल कर चयनित होने के मामले में आरोपी राकेश कस्वां को जमानत पर रिहा करने के आदेश दिए हैं। अदालत ने आरोपी को आदेश दिए हैं कि वह हर माह की 25 तारीख को संबंधित थाने में पेश होकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराए और थानाधिकारी उसकी उपस्थिति की मासिक रिपोर्ट संबंधित निचली अदालत में पेश करे। जस्टिस प्रवीर भटनागर की एकलपीठ ने यह आदेश राकेश कस्वां की द्वितीय जमानत याचिका को स्वीकार करते हुए दिए।जमानत याचिका में कहा गया कि प्रकरण में उसे झूठा फंसाया गया है। वह गत 30 जनवरी से जेल में बंद है। याचिकाकर्ता के अपनी पहली जमानत याचिका को मामले में आरोप पत्र पेश होने के बाद पेश करने का कहकर वापस लेने के आधार पर हाईकोर्ट ने खारिज कर दी थी। मामले में अब निचली अदालत में आरोप पत्र पेश हो चुका है। जिसमें अभियोजन पक्ष के 54 गवाह है। ऐसे में प्रकरण की सुनवाई पूरी होने में समय लगेगा। वहीं प्रकरण के सह आरोपी को सुप्रीम कोर्ट से अंतरिम जमानत मिल चुकी है। ऐसे में उसे जमानत पर रिहा किया जाए। जिसका विरोध करते हुए राज्य सरकार की ओर से कहा गया कि याचिकाकर्ता भर्ती में नकल करने का दोषी है। वह हाईकोर्ट की ओर से आयोजित एलडीसी भर्ती में नकल कर चयनित हुआ है। ऐसे में उसकी जमानत याचिका को खारिज किया जाए। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने आरोपी को जमानत पर रिहा करने के आदेश देते हुए ।

तुलसीदास जयंती मनाई

जयपुर। जगद्गुरु रामानंदाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय के दर्शन विभाग में गुरुवार को गोस्वामी तुलसीदास की 528वीं जयंती के अवसर पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में दर्शन विभाग के अध्यक्ष शास्त्री कोसलेंद्रदास ने रामभक्ति परंपरा में रामचरितमानस विषय पर व्याख्यान दिया।

उन्होंने कहा कि गोस्वामी तुलसीदास केवल भक्त कवि ही नहीं थे, वे मर्यादा के सबसे बडत्रे ग्रंथ के निर्माणकर्ता भी थे। रामचरितमानस केवल एक धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि भारतीय समाज की नैतिकता, मर्यादा और सांस्कृतिक चेतना का जीवंत दस्तावेज है। इसमें नीति, भक्ति, लोक-व्यवस्था, समाजशास्त्र, करुणा और धर्म के ऐसे सूत्र हैं, जो आज भी प्रासंगिक हैं।

उन्होंने कहा कि तुलसीदास ने श्रीराम को ऐसे लोकनायक के रूप में प्रस्तुत किया जो मर्यादा, समता और करुणा के प्रतीक हैं।

कनिष्ठ लिपिक और संविदा कर्मी पैंतीस हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार

कर्मवीर सिंह हाडा और शिव महेश योगी को पैंतीस हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया।

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की बूंदी टीम ने कार्रवाई करते हुए कार्यालय उपखंड अधिकारी लाखेरी जिला बूंदी के कनिष्ठ लिपिक (रीडर) कर्मवीर सिंह हाडा और संविदाकर्मी कम्प्यूटर ऑपरेटर शिव महेश योगी को पैंतीस हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। आरोपित परिवादी से भारतमाला सड़क परियोजना में अवाप्तशुदा स्वयं की जमीन का मुआवजा प्राप्त करने के लिए दावा उपखंड कार्यालय लाखेरी में किया गया था और इसके वाद का निर्णय परिवादी के पक्ष में करवाने की एवज में रिश्वत मांगी थी। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक स्मिता श्रीवास्तव ने बताया कि एसीबी बूंदी टीम को परिचादी ने शिकायत दी कि कनिष्ठ लिपिक (रीडर) कर्मवीर सिंह हाड़ा द्वारा परिवादी से भारतमाला सड़क परियोजना में अवाप्तशुदा स्वयं की जमीन का मुआवजा प्राप्त करने के लिए दावा उपखंड कार्यालय लाखेरी में किया गया था। उक्त वाद का निर्णय परिवादी के पक्ष में करवाने की एवज में 50 हजार हजार रिश्वत की मांग की जा रही थी। जिस पर एसीबी उप पुलिस अधीक्षक हरीश भारती के नेतृत्व में ट्रेप की कार्रवाई करते हुए संविदा कर्मी कंप्यूटर ऑपरेटर कार्यालय उपखंड अधिकारी लाखेरी जिला बूंदी शिव महेश योगी के माध्यम से 35 हजार रुपये रिश्वत लेते गिरफ्तार किया।

जिला आबकारी टीम ने नकली शराब सहित नौ आरोपियों को गिरफ्तार किया

जयपुर। जिला आबकारी अधिकारी जयपुर शहर देविका तोमर के निर्देशन में छापेमारी की कार्रवाई को अंजाम देते हुए 29 अभियोगों में नकली शराब के साथ नौ आरोपितों गिरफ्तार किया

- **अभियान के दौरान स्कॉर्पियो से 40 पेटी नकली होलोग्राम युक्त देशी मदिरा बरामद कर गिरफ्तार शुदा आरोपितोंसे पूछताछ के आधार पर 5 अन्य ठिकानों पर दबिश देकर माल जब्त किया**

गया है। सहायक आबकारी अधिकारी प्रदीप बिश्नोई एवं आबकारी अधिकारी आबकारी निरोधक दल शिवकुमार चौधरी की अगुवाई में आबकारी निरीक्षकों एवं प्रहराधिकारियों ने कार्रवाई को अंजाम दिया। जिला आबकारी अधिकारी जयपुर शहर द्वारा जारी विशेष निरोधात्मक अभियान के तहत अभियोग 29 दर्ज किये। जिसमें से 7 अभियोग विशेष प्रकृति के दर्ज किए गए। विशेष निरोधात्मक अभियान के दौरान दो चौपहिया वाहन 1 स्कॉर्पियो एवं 1 इनोवा क्रिस्टा तथा 01 दोपहिया वाहन के साथ 9 मुल्जिम गिरफ्तार किये। अन्य राज्य में विक्रय हेतु 11 बोतले एक कार में जब्त कर अभियुक्त को गिरफ्तार किया।

अभियान के दौरान स्कॉर्पियो से 40 पेटी नकली होलोग्राम युक्त देशी मदिरा बरामद कर गिरफ्तार शुदा आरोपितोंसे पूछताछ के आधार पर 5 अन्य ठिकानों पर दबिश देकर माल जब्त किया तथा अन्य अभियोगों में देशी मदिरा के 3 हजार 599 पव्वें, 04 अंग्रेजी अद्दे, 20 अंग्रेजी पव्वे, 03 बीयर, 01 फीज बरामद किया गया। अवैध मदिरा के विक्रय भण्डारण एवं परिवहन पर पूर्णतया अंकुश लगाने के लिए निरोधात्मक कार्यवाही लगातार जारी है।

RJ 14 VH
6144

जिला आबकारी ने दो चौपहिया वाहन 1 स्कॉर्पियो एवं 1 इनोवा क्रिस्टा तथा 01 दोपहिया वाहन के साथ 9 मुल्जिम गिरफ्तार किये।

'मालेगांव ब्लास्ट पर ऐतिहासिक फैसला और सत्य की जीत'

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एंव राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ ने मालेगांव ब्लास्ट मामले में न्यायालय के फैसले को ऐतिहासिक करार देते हुए सत्य की जीत बताया है। उन्होंने कहा कि इस निर्णय ने भारतीय न्यायपालिका की निष्पक्षता, दृढ़ता और सत्यनिष्ठा को एक बार फिर प्रमाणित कर दिया है। राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस ने सत्ता के नशे में चूर होकर एक गहरी राजनीतिक साजिश के तहत इस मामले को भगवा आतंकवाद और हिंदू टेरर की दिशा देने की कोशिश की। साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर, लेफ्टिनेंट कर्नल श्रीकांत पुरोहित और अन्य निर्दोष राष्ट्रभक्तों को झूठे आरोपों में फंसाया गया। एक साधारण मोटरसाइकिल को सबूत बनाकर झूठी चार्जशीट दाखिल की गई, मनगढ़ंत कहानियां रची गईं और झूठे गवाह तैयार किए गए, जो अदालत की सख्त निगाहों के आगे टिक नहीं पाए।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि यह महज एक जांच एजेंसी की भूल नहीं थी, बल्कि कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व द्वारा रची गई राजनीतिक साजिश थी। सुशील कुमार शिंदे, दिग्विजय सिंह, और पी. चिदंबरम जैसे नेताओं ने बार-बार भगवा आतंकवाद और हिंदू टेरर जैसे अपमानजनक शब्दों का प्रयोग किया, जिससे न केवल देशवासियों की भावनाएं आहत हुईं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हिंदू संस्कृति को कलंकित करने की कोशिश की गई। कांग्रेस की इस नीति का मकसद केवल वोट बैंक की राजनीति करना था ।

महात्मा गांधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय
(संसद के अधिनियम द्वारा स्थापित एक केन्द्रीय विश्वविद्यालय)
Dr. Ambedkar Administrative Building, Motihari,
East Champaran-745401, Bihar
ईमेल-osdadmin@mgcub.ac.in वेबसाइट-www.mgcub.ac.in
वैधानिक पदों के लिए भर्ती सूचना
प्रथम वित्त अधिकारी और परीक्षा नियंत्रक के पदों के लिए पात्र उम्मीदवारों से नियमित/प्रतिनियुक्ति/संविदा आधार पर ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जात हैं। अधिक जानकारी के लिए कृपया विश्वविद्यालय की वेबसाइट (www.mgcub.ac.in) देखें। ऑनलाइन आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 5 अगस्त 2025 है।
CBC 21336/12/0001/2526

मुख्यमंत्री भजनलाल ने लोकदेवता बाबा रामदेव मंदिर के दर्शन किये

उन्होंने एक किलोमीटर पैदल यात्रा के बाद मैगा आई स्क्रीनिंग कैंप का उद्घाटन किया

जैसलमेर/पोकरण, 31 जुलाई (नि.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा गुरुवार को बाबा रामदेव की नगरी रामदेवरा पहुंचे। मुख्यमंत्री ने सबसे पहले बाबा रामदेव पैनोरमा का दौरा किया। इसके बाद, वे पैनोरमा से रामदेवरा मंदिर तक पैदल चल कर बाबा रामदेव के दर्शन करने पहुंचे। इस दौरान सीएम ने मेगा आई स्क्रीनिंग कैंप का उद्घाटन किया।

- सक्षम संस्था द्वारा लगाया जा रहा नेत्र कुंभ 33 दिन चलेगा। इसमें मरीजों को चश्मा, दवाई तथा इलाज निशुल्क किया जायेगा।

भजनलाल शर्मा हाथ में ध्वजा लिए पैनोरमा से करीब एक किलोमीटर की पैदल यात्रा करके बाबा रामदेव के समाधि परिसर पहुंचे। यहां उन्होंने लगभग 20 मिनट तक पूजा-अर्चना की।

उन्होंने कहा कि लोक देवता बाबा रामदेव की पुण्यभूमि पर पहली बार ऐतिहासिक नेत्र-कुंभ का आयोजन हो रहा है। मेरा सौभाग्य है कि आज मुझे यहां आने का अवसर प्राप्त हुआ।

उन्होंने कहा, पोकरण, जैसलमेर, बाड़मेर और फलोदी की पहचान विश्व स्तर पर पर्यटन के क्षेत्र में रही है। बाबा रामदेव ने इस पावन भूमि पर जन्म लेकर सामाजिक समरसता की स्थापना की थी। इस नेत्र-कुंभ में, मेले में आने वाले लगभग सवा लाख लोगों की निशुल्क नेत्र जाँच की जाएगी। ये कैंप सक्षम संस्था की ओर से लगाया जा रहा है। सक्षम संस्था के राष्ट्रीय संगठन मंत्री चंद्रशेखर ने बताया कि रुचिचा धाम में 33 दिनों तक चलने वाले इस नेत्र-कुंभ में मरीजों की आंखों की जांच की जाएगी।

रुणिचा धाम परिसर में लगभग 1 एकड़ भूमि पर अस्थायी अस्पताल तैयार किया गया है। यहां आधुनिक चिकित्सा उपकरणों और विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम मौजूद रहेगी। कमजोर नज़र वाले लोगों को चश्मा दिया जाएगा। फ्री दवाइयां दी जायेंगी, तथा गंभीर मरीजों का कैंप में ही इलाज भी होगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को रामदेवरा में लोकदेवता बाबा रामदेव के दर्शन किये। उन्होंने हाथ में ध्वजा लेकर पैनोरमा से बाबा रामदेव के समाधि परिसर तक पैदल यात्रा की।

अमेरिका पाकिस्तान का तेल भंडार विकसित करेगा

नयी दिल्ली, 31 जुलाई। भारत और रूस के बीच दशकों पुराने सहयोग और मित्रता से बुरी तरह चिढ़े हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प ने भारत पर 25 प्रतिशत आयात शुल्क और जुर्माना लगाने के बाद अब पाकिस्तान के तेल भंडार के विकास में सहयोग के लिए उसके साथ एक नया समझौता किया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर बुधवार रात पाकिस्तान के तेल भंडार विकास समझौते की घोषणा की। उन्होंने लिखा कि पाकिस्तान से एक नये व्यापार ढांचे को अंतिम रूप दे दिया गया है। इसका मकसद पाकिस्तान के अप्रयुक्त तेल भंडार विकसित करना और आयात शुल्क घटाना है। इस काम के लिए अमेरिकी तेल कंपनी का चयन अभी नहीं हुआ है। यह कंपनी पाकिस्तान के 'विशाल तेल भंडार' के विकास का काम करेगी। अमेरिकी राष्ट्रपति ने लिखा, हमने अभी-अभी पाकिस्तान के साथ एक समझौता किया है, जिसके तहत पाकिस्तान और अमेरिका अपने विशाल तेल भंडार को विकसित करने के लिए मिलकर काम करेंगे।

- ट्रंप ने कहा, मुझे परवाह नहीं है कि भारत-रूस के साथ क्या करता है। मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता कि दोनों मिल कर अपनी मृत अर्थव्यवस्थाओं को डुबा दें।

क्या दिल्ली व वॉशिंगटन एक...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ऊर्जा और रक्षा संबंधों का गहराना और ब्रिक्स में उसकी मुखर भूमिका, इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में अमेरिकी प्रभुत्व के लिए खतरा है। लेकिन भारत को टैरिफ से सज़ा देने की इस कोशिश में ट्रंप उस व्यापक रणनीतिक ढांचे की अनदेखी कर रहे हैं, जिसे बुश, ओबामा और बाइडन जैसे पूर्व राष्ट्रपतियों ने मिलकर तैयार किया था तथा जिसमें भारत को चीन के मुकाबले एक अहम संतुलन और लोकतांत्रिक साझेदार के रूप में देखा गया था।

रैंड कॉर्पोरेशन के डेरेक जे. ग्रॉसमैन ने 31 जुलाई 2025 को भारत-अमेरिका संबंधों का 1998 के बाद का सबसे बुरा दिन बताया। उनका कहना है कि लेन-देन आधारित, आवेगपूर्ण और सार्वजनिक रूप से टकराव करने वाली ट्रम्प की शैली ने इस पारंपरिक रूप से स्थिर रिश्ते को झकझोर दिया है। नवरूप सिंह ने ट्वीट किया कि 25 वर्षों की प्रगति पल भर में मिटा दी गई। यह बात, ट्वीट की गई कई अन्य विश्लेषकों की उस भावना को व्यक्त करती है, जिसमें ट्रंप की नाराज़गी के पीछे अमेरिका की विदेश नीति में भारत को लेकर सोच में बदलाव की आशंका नज़र आती है।

दक्षिण एशिया मामलों के विशेषज्ञ माइकल कुगेलमैन कहते हैं कि भारत ने ट्रंप के दूसरे कार्यकाल से मज़बूत रिश्ते की उम्मीद की थी, खासकर पहले कार्यकाल की दोस्ताना टोन के बाद। लेकिन शायद भारत ट्रंप की अनिश्चित विदेश नीति को लेकर सतर्क नहीं रहा। कृषि उत्पादों, डिजिटल टैक्स और दवाओं की कीमतों को लेकर भारत के अनमने रुख ने ट्रंप की उस लंबे समय से चली आ रही शिकायत को और हवा दी, कि व्यापार संतुलन भारत के पक्ष में है, हालाँकि हाल के वर्षों में यह अंतर कम हुआ है।

यह टैरिफ एक दोतरफा ट्रेड वॉर को जन्म दे सकता है, जिसमें भारत भी जवाबी टैरिफ या रक्षा सौदों और महत्वपूर्ण खनिजों से जुडे समझौतों को धीमा कर सकता है। लेकिन नुकसान केवल व्यापार तक सीमित नहीं रहेगा। दांव पर है भारत अमेरिका रणनीतिक साझेदारी की पूरी संरचना, मालाबार जैसे संयुक्त नौसैनिक अभ्यासों से लेकर सेमीकंडक्टर, साइबर सुरक्षा और उन्नत तकनीक में सहयोग तक। ट्रंप द्वारा भारत की अर्थव्यवस्था को मृत कहे जाने वाली टिप्पणी दिल्ली में कड़वाहट ही पैदा करेगी, जहाँ मोदी सरकार अमेरिका से निवेश आकर्षित करने और भारत को भरोसेमंद वैश्विक साझेदार दिखाने की कोशिश में लगी है।

इसके अलावा, यह कदम भारत को चीन और रूस के करीब ले जा सकता है, विशेषकर ब्रिक्स, एससीओ और ग्लोबल साउथ जैसे बहुपक्षीय मंचों में। वर्षों से भारत ने मॉस्को के साथ अपने पारंपरिक संबंधों और वाशिंगटन के साथ अपने बढ़ते सहयोग के बीच संतुलन बनाए रखा है। ट्रंप की यह कार्रवाई उस संतुलन को डगमगाने का जोखिम पैदा कर रही है।

अब, जबकि अगस्त के अंत में वार्ता का एक और दौर निर्धारित है, देखना यह होगा कि क्या कूटनीति इस रिश्ते को बचा सकती है। भारत ऐसी धमकियों के आगे झुकने वाला नहीं दिखता। नई दिल्ली एकतरफा समझौतों का लगातार विरोध करती रही है और 2026 के आम चुनावों को देखते हुए घरेलू राजनीतिक दबाव के चलते किसी भी प्रकार की ढील की संभावना कम है।

इस तरह, ट्रंप की टैरिफ नीति ने न केवल आर्थिक रिश्तों को खतरे में डाला है, बल्कि उस व्यापक रणनीतिक साझेदारी को भी संकट में डाल दिया है, जो 21वीं सदी की भू-राजनीति की नींव बन गई थी। अगर यह सिलसिला यूँ ही चलता रहा, तो दोनों देशों के दशकों के द्विदलीय (बाय पार्टिसन) प्रयास मिट्टी में मिल सकते हैं, जो आपसी सम्मान, रणनीतिक समन्वय और लोकतांत्रिक मूल्यों पर आधारित संबंध बनाने के लिए किए गए थे। अब सवाल केवल टैरिफ का नहीं है, बल्कि यह है कि क्या वाशिंगटन और नई दिल्ली समय रहते भरोसे को फिर से स्थापित कर सकते हैं?

राहुल 15 दिन की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बातचीत करेंगे, जिन्हें मतदाता सूची से बाहर कर दिया गया है। विपक्षी नेता इस दौरान चुनाव आयोग और सत्तारूढ़ दल पर बड़ा हमला बोलेंगे। बिहार एसआईआर का मुद्दा संसद से लेकर बिहार की सड़कों तक गूंजता रहेगा, क्योंकि चुनाव आयोग जनता के जनादेश को छीनने का काम कर रहा है। बिहार में अगर मोदी एंड कम्पनी को हार का सामना करना पड़ा, तो यह उनकी राजनीति के लिए बड़ा झटका होगा।

मोदी पहले से ही कई मोर्चों पर मुश्किलों का सामना कर रहे हैं, लेकिन, जैसा कि एक वरिष्ठ भाजपा नेता ने कहा, वे किसी भी कीमत पर बिहार की हार बर्दाश्त नहीं कर सकते।

जिस जूनून से अमेरिका ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ये सभी नई संधियाँ और समायोजन अमेरिका के राष्ट्रपति की उस हताशा से जन्मे हैं, जो उन्होंने खुद को वैश्विक मामलों का निर्णायक नेता स्थापित करने के प्रयास में दिखाई है। वे व्लादिमीर पुतिन के साथ अपने 'व्यक्तिगत करिश्मा' के ज़रिए यूक्रेन संकट सुलझाने की उम्मीद कर रहे थे, जिसमें वे पूरी तरह विफल रहे।

वे इज़रायल के नेता बेंजामिन नेतन्याहू के साथ भी कोई सफलता नहीं पा सके। गाज़ा में जारी मानवीय संकट को रोकने के उनके प्रयास बार-बार विफल रहे। नेतन्याहू ने गाज़ा और सीरिया पर हमलों में बार-बार अमेरिकी राष्ट्रपति की उपेक्षा की।

विदेश नीति में ट्रम्प की असफलता उनके पूर्ववर्ती की तरह ही सामने आई है, जिनकी उन्होंने तीव्र आलोचना की थी। अब वही कलंक खुद ट्रम्प पर चिपक गया है।

इस पृष्ठभूमि में, जब ट्रम्प की "डील मेकर" की छवि पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है, ट्रंप ने यूरोपीय संघ, जापान और ब्रिटेन के साथ व्यापार एजेंडे को आगे बढ़ाया। इसी तरह, उन्होंने भारत के साथ भी एकतरफा व्यापार समझौता करने की कोशिश की, लेकिन भारत ने झुकने से इनकार कर दिया।

भारत को सजा देने की ट्रम्प की उग्रता उनकी अधीरता को दर्शाती है। उन्होंने बार-बार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ अपनी 'दोस्ती' का दावा किया है, लेकिन अब वे भारत और मोदी दोनों को एक कठिन वार्ताकार मानते हैं, जिनसे वे निराश हैं।

ट्रंप ने भारत पर अधिक टैरिफ लगा दिए, जबकि व्यापार वार्ता अभी समाप्त नहीं हुई थी। अब वे रूसी कच्चे तेल की भारतीय खरीद पर और अधिक टैरिफ लगाने की धमकी दे रहे हैं, जो अभी घोषित नहीं हुए हैं। खास बात यह है कि उन्होंने चीन पर ऐसा कोई टैरिफ नहीं लगाया है, जबकि वह भी रूस से भारी मात्रा में तेल खरीद रहा है।

इससे भारत एक दोहरे संकट में फंस गया है। अमेरिका और भारत के बीच सहयोग की अपेक्षा थी, लेकिन अब वे विरोधी पक्षों में खड़े दिख रहे हैं।

इस बीच, असली लाभार्थी चीन बन रहा है। अंतरराष्ट्रीय मीडिया की रिपोर्ट्स के अनुसार, चीन पहले से ही अमेरिका के साथ एक समझौते पर बातचीत कर रहा है और यह वार्ता स्टॉकहोम में प्रगति पर है। अगर यह सौदा हो जाता है, तो अमेरिका अपनी निगाहें भारत जैसे अन्य देशों पर केन्द्रित कर सकता है।

विपक्ष ने दिन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के बाद, शून्यकाल शुरु करते हुए सदन की कार्यवाही प्रारंभ की, लेकिन विपक्षी दलों के सदस्य हंगामा और नारेबाजी करते हुए सदन के बीचोंबीच आ गये। हंगामा बढ़ने लगा तो बिरला ने सदन की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी।

महेश जोशी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

साक्ष्य नहीं है और परिवादी यह राशि कहां से लाया, उसका भी उल्लेख नहीं है। इसके अलावा, ईडी अपनी रिपोर्ट में जोशी के बेटे की फर्म में 50 लाख रुपए का लेनदेन बता रही है। यह राशि बेटे की कंपनी ने लोन के तौर पर ली थी और उसे लौटाया भी जा चुका है। वहीं, इस राशि को लेकर सिविल केस भी लंबित चल रहा है।

ईडी कोर्ट ने गत दिनों जोशी को जमानत देने से इनकार कर दिया था और उसके बाद ईडी ने जोशी तथा उनके बेटे रोहित सहित, डेढ दर्जन आरोपियों के खिलाफ ईडी कोर्ट में आरोप पत्र पेश किया था। इस दौरान, जोशी की पत्नी का निधन होने पर कोर्ट ने उन्हें दो बार अंतरिम जमानत का लाभ दिया था।

अमेरिका-चीन-पाकिस्तान गठबंधन भारत के लिए खतरनाक - खड़गे

खड़गे ने सवाल किया कि क्या प्रधानमंत्री भारत पर लगाये ट्रंप के बेबुनियाद आरोपों पर भी चुप रहेंगे

नयी दिल्ली, 31 जुलाई। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बयानों पर चुप्पी साधने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को समझ लेना चाहिए कि भारत के खिलाफ अमेरिका पाकिस्तान तथा चीन का गठजोड़ बन रहा है और यह अत्यंत खतरनाक है।

खरगे ने कहा कि सैन्य कार्रवाई रोकने को लेकर ट्रंप के बयानों पर मोदी ने संसद में मौन व्रत धारण कर रखा था।

सवाल है कि अब ट्रंप ने भारत पर जो बेबुनियाद आरोप लगाए हैं, क्या उस पर भी प्रधानमंत्री चुप रहेंगे।

उन्होंने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने आयात शुल्क की जो वजह बताई है कि वह चौंकाने वाली है। आयात शुल्क लगाने की वजह उन्होंने भारत द्वारा रूस से तेल आयात, भारत द्वारा रूस से हथियारों की खरीद, भारत का ब्रिक्स का सदस्य होना, ब्रिक्स का अमेरिकी डॉलर पर हमला बताया है। ये भारत की रणनीतिक स्वतंत्रता वाली राष्ट्रीय नीति पर कड़ा प्रहार है।

खरगे ने कहा कि कांग्रेस के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार में डॉ. मनमोहन सिंह ने अमेरिका सहित 45 देशों से परमाणु छूट दिलाई थी।

'मोदी ने देश की अर्थव्यवस्था को बर्बाद कर दिया'

राहुल गांधी ने संसद भवन परिसर में पत्रकारों से बातचीतष करते हुये सरकार पर तीखा हमला बोला

- गांधी ने कहा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आर्थिक नीतियां पूरी तरह विफल हो गई हैं और उसने देश की अर्थव्यवस्था को चौपट कर दिया है। भारतीय अर्थव्यवस्था मर चुकी है। मोदी ने इसे खत्म कर दिया है।

नयी दिल्ली, 31 जुलाई। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा है कि आज सबसे बड़ी समस्या देश की आर्थिक नीति, रक्षा नीति और विदेश नीति की है जिसे मोदी सरकार ने बर्बाद कर दिया है।

गांधी ने संसद भवन परिसर में गुरुवार को पत्रकारों से बातचीत करते हुये सरकार पर तीखा हमला करते हुये कहा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आर्थिक नीतियां पूरी तरह विफल हो गई है और उसने देश की अर्थव्यवस्था को चौपट कर दिया है। भारतीय अर्थव्यवस्था मर चुकी है। मोदी ने इसे खत्म कर दिया है। इस राज में अडानी-मोदी साझेदारी, नोटबंदी और त्रुटिपूर्ण जीएसटी, असफल असेम्बल इन इंडिया, एमएसएमई का सफाया, किसान कुचले गए हैं। मोदी ने भारत के युवाओं का भविष्य बर्बाद कर दिया है क्योंकि नौकरियाँ नहीं हैं।

उन्होंने कहा कि आज देश की सबसे बड़ी समस्या देश की आर्थिक नीति, रक्षा नीति और विदेश नीति है जिसे मोदी सरकार ने बर्बाद कर दिया है। मोदी इस देश को बर्बाद कर रहे हैं। वह सिर्फ एक ही व्यक्ति अडानी के लिए काम करते हैं। इन लोगों ने सारे के सारे छोटे कारोबार खत्म कर दिए हैं। भारतीय अर्थव्यवस्था आज एक मृत अर्थव्यवस्था बन गयी है। उन्होंने एक अन्य सवाल पर कहा भारत एक मृत अर्थव्यवस्था है, क्या आप लोगों को इसकी जानकारी नहीं है। पूरी दुनिया जानती है- भारत की इकॉनामी डेड इकानामी है और भाजपा ने देश की इकॉनामी को खत्म किया है। क्यों खत्म किया है- अडानी की मदद करने को खत्म किया है। विदेश मंत्री भाषण देते हुए कहते हैं कि हमारी विदेश नीति बहुत ही शानदार है। एक तरफ अमेरिका, भारत को भला-बुरा कह रहा है तो दूसरी तरफ चीन हमारे पीछे पड़ा है। जब आप अपना डेलिगेशन दुनिया भर में भेजते हैं, तो कोई भी देश पाकिस्तान की निंदा नहीं करता। कांग्रेस नेता ने मोदी पर हमला करते हुये कहा कि ये देश को कैसे चला रहे हैं, इन्हें देश चलाना ही नहीं आता, पूरी तरह से भ्रमित हैं। प्रधानमंत्री मोदी अपने भाषण में ट्रंप और चीन का नाम नहीं लेते। जिस पाकिस्तानी सेना प्रमुख ने पहलगाम में हमला करवाया वह राष्ट्रपति ट्रंप के साथ लंच कर रहे हैं और हमारी सरकार कह रही है कि हमें बड़ी सफलता मिली है।

उन्होंने कहा आश्चर्य की बात यह है कि ट्रंप ने 30-32 बार कहा है कि उन्होंने दोनों देशों के बीच सैन्य कार्रवाई को रुकवाया है। उन्होंने यह भी कहा है कि पांच विमान गिरे हैं और अब वो 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने की बात बोल रहे हैं। बड़ा सवाल है कि मोदी इन सवालों का जवाब क्यों नहीं दे पा रहे हैं।

'राहुल गांधी जनता को बेवकूफ बनाने बिहार आते हैं'

मुजफ्फरपुर, 31 जुलाई। जन सुराज पार्टी के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने अपनी बिहार बदलाव यात्रा के दौरान मुजफ्फरपुर के सरैया में कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी लोगो को बेवकूफ बनाने के लिए बिहार आते हैं।

कुमार ने गांधी के आगामी बिहार दौरे और पदयात्रा पर टिप्पणी करते हुए कहा कि अब बिहार की जनता को देखना है कि वो चुनाव से पहले बिहार घूमने आ रहे हैं या उनकी मनसा बेवकूफ बनाकर वोट लेने की हैं। उन्होंने कहा कि जब बिहार के बेरोजगार बच्चे दर-दर भटक रहे थे, तब वो कहां थे, जब कोविड में लोग पैदल चलकर दिल्ली-मुंबई से बिहार आ रहे थे तब उन्होंने बिहार के लोगों की कितनी मदद की। जनसुराज के नेता ने कहा कि राहुल गांधी बतायें कि बिहार में शिक्षा के क्षेत्र में सुधार के लिए, बेरोजगारी हटाने के लिए उन्होंने कौन सा प्रयास किया।

किशोर ने कहा कि पिछले 40-45 साल से बिहार में उन्ही पार्टियों का राज रहा है जो वोट मांगने जनता के बीच उतर रही हैं। सभी राजनीतिक पार्टियों ने मिल कर बिहार को मजदूरों की फैक्ट्री बना दिया है। उन्होंने कहा कि इस बार लोग ऐसी पार्टियों के झांसे में नहीं आने वाले हैं और जनता जनसुराज के पक्ष में मतदान का मन बना चुकी है।

'तेलंगाना विधायकों की आयोग्यता विवाद पर वि.स. अध्यक्ष 3 महीने में फैसला करें'

सुप्रीम कोर्ट ने बीआरएस के 10 विधायकों के खिलाफ लंबित अयोग्यता याचिकाओं पर राज्य विधानसभा अध्यक्ष को निर्देश दिया

- मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई और न्यायमूर्ति ए जी मसीह की पीठ ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि इस मुद्दे पर उनके नोटिस के बाद विधानसभा अध्यक्ष ने सात महीने बाद ही संबंधित पक्षों को नोटिस जारी किया।

नयी दिल्ली, 31 जुलाई। उच्चतम न्यायालय ने तेलंगाना सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी में शामिल हुए भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के 10 विधायकों के खिलाफ लंबित अयोग्यता याचिकाओं पर तीन महीने में निर्णय लेने का राज्य विधानसभा अध्यक्ष को गुरुवार को निर्देश दिया।

मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई और न्यायमूर्ति ए जी मसीह की पीठ यह निर्देश देते हुए कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि इस मुद्दे पर उनकी नोटिस के बाद विधानसभा अध्यक्ष ने सात महीने बाद ही संबंधित पक्षों को नोटिस जारी किया।

शीर्ष अदालत ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि विधायक सुनवाई में शामिल होने में किसी तरह से कोई भी टालमटोल करते हैं, तो उनके खिलाफ प्रतिकूल निष्कर्ष निकाला जा सकता है।

न्यायमूर्ति गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि संसद को विधायकों की अयोग्यता की वर्तमान व्यवस्था की समीक्षा करनी चाहिए क्योंकि विधानसभा अध्यक्ष लोकतंत्र के लिए खतरा पैदा करने वाले दलबदलुओं के खिलाफ कार्रवाई को विफल करने के लिए ऐसी कार्यवाही (सुनवाई और फैसला) में अत्यधिक देरी करते हैं।

पीठ ने तेलंगाना उच्च न्यायालय की खंडपीठ के 22 नवंबर, 2024 के फैसले के खिलाफ दायर बीआरएस नेता पाडी कौशिक रेड्डी और के टी रामा राव की अपील को स्वीकार कर लिया।

शीर्ष अदालत ने उच्च न्यायालय की खंडपीठ के उस फैसले को रद्द कर दिया, जिसमें अध्यक्ष को चार हफ्तों के भीतर सुनवाई के लिए तारीखें तय करने के एकल पीठ के निर्देश को रद्द कर दिया गया था।

दोनों बीआरएस नेताओं की याचिका में सत्तारूढ़ कांग्रेस में शामिल होने वाले 10 विधायकों के खिलाफ लंबित अयोग्यता कार्यवाही पर तेलंगाना विधानसभा अध्यक्ष द्वारा समय पर कार्रवाई करने की मांग की गई थी। शीर्ष अदालत ने इस बात पर भी ज़ोर दिया कि दलबदल विरोधी कानून के तहत अयोग्यता कार्यवाही में निर्णायक भूमिका में कार्य करते हैं। इस भूमिका विधानसभा अध्यक्ष उच्च न्यायालय और शीर्ष न्यायालय के अधिकार क्षेत्र के अधीन एक न्यायाधिकरण के रूप में भी कार्य करते हैं। पीठ ने स्पष्ट किया कि विधानसभा अध्यक्ष को ऐसे मामलों में कोई संवैधानिक छूट प्राप्त नहीं है।

शीर्ष अदालत ने यह तथ्य पर गौर करते हुए कि राजनीतिक दलबदल राष्ट्रीय चर्चा का विषय रहा है और अगर इसे रोका नहीं गया तो यह लोकतंत्र के लिए बाधा बन सकता है।

अविप्रा

अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर
टोडरमल मार्ग, सिविल लाइन्स, अजमेर राजस्थान 305001
Email : ajmerada@gmail.com फोन नं. 0145-2620740, 0145-2627748

अजमेर महानगर की ओर अग्रसर

अजमेर के समग्र विकास में अजमेर विकास प्राधिकरण हर कदम पर अग्रणी

प्रगतिरत विकास कार्य

क्र.सं.	मद	कार्य	राशि (रु. करोड़ों में)
1.	योजना	48	164.20
2.	गैर योजना	43	98.46
3.	डिपोजिट	13	273.10
	योग	104	535.76 करोड़

तीन नई आवासीय/व्यावसायिक योजनाएं

अटल आवासीय योजना : चाचियावास में 39 बीघा (28485.44 वर्गमीटर) में 191 भूखंडों की अटल आवासीय योजना ।
तोलामाल ट्रांसपोर्ट हब योजना (किशनगढ़): नसीराबाद बाईपास पर तोलामाल में 514 बीघा में बहुउद्देशीय ट्रांसपोर्ट लॉजिस्टिक हब योजना।
पृथ्वीराज नगर व्यावसायिक ब्लॉक: पृथ्वीराज नगर में 3 बहुउद्देशीय व्यावसायिक ब्लॉक में भूखंडों की नीलामी भी जारी है।

प्राधिकरण की योजनाएं

पृथ्वीराज नगर, हरिभाऊ उपाध्याय नगर (मुख्य), हरिभाऊ उपाध्याय नगर विस्तार, डी.डी. पुरम, जे.पी. नगर, सूरजकुण्ड, अटल आवासीय, तोलामाल, कोटडा, पंचशील नगर, अर्जुनलाल सेठी नगर, चन्दरवरदायी नगर।

अटल आवासीय योजना

चाचियावास स्थित अटल आवासीय योजना में 191 भूखण्डों की ऑनलाईन लॉटरी से आवंटन किया जाएगा। भूखण्ड हेतु आवेदन करने की प्रक्रिया प्रारंभ की जा चुकी है। आवेदन करने की अंतिम दिनांक 12.08.2025 रखी गई है। योजना में भूखण्डों की आरक्षित दर 16227/- रुपए प्रति वर्गमीटर अर्थात 13568/- रुपए प्रति वर्गगज रखी गई है।

योजना क्षेत्र में विकास कार्य (करोड़ो में)

1.	सड़क	64.37
2.	पेयजल	50.53
3.	विद्युत	8.63
4.	ड्रेनेज	9.72
5	अन्य	30.95
	योग	164.20

गैर योजना क्षेत्र में विकास कार्य (करोड़ों में)

1.	सड़क	42.33
2.	विद्युत	11.15
3.	ड्रेनेज	28.00
4.	अन्य	16.98
	योग	98.46

अन्य आकर्षण

1. भूखण्डों की नीलामी पूर्ण पारदर्शिता से यू.डी.एच पोर्टल के माध्यम से
2. ऑनलाइन सेवा प्रदायगी व्यवस्था
3. आमजन से फीड बैक लेकर समस्याओं के निवारण हेतु हैल्प डेस्क
4. हरियालों राजस्थान (एक पेड मां के नाम) के अन्तर्गत 1 लाख पोधारोपण
5. राइजिंग राजस्थान के अन्तर्गत 76 एमओयू में 2300 करोड का निवेश
6. क्षेत्र के सर्वांगीण विकास की ओर अग्रसर